

रजिस्ट्री सं. डी-222



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 36]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 7, 1974 (भाद्र 16, 1896)

No. 36]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 7, 1974 (BHADRA 16, 1896)

इस भाग में चिन्ह पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और भारतीय आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 जुलाई 1974

सं. ए. 12022/6/74—प्रशा०—I—भारतीय डाक सेवा के अधिकारी श्री जगदीश चन्द्र ने 19 जुलाई, 1974 के पूर्वाह्न से अवर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के पद का कार्यभार संभाल लिया।

एम० आर० भागवत, अवर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 7 अगस्त 1974

सं. ए. 32013/1/74—प्रशा०—I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संबंध के अनुभाग अधिकारी प्रेड के स्थाई अधिकारी श्री आर० पंडित को, राष्ट्रपति द्वारा 26-6-74 से 25-9-74 तक 3 मास की अवधि के लिए अथवा नियमित अधिकारी के कार्यभार संभालने तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के प्रेड-I में स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए, नियुक्त किया जाता है।

एम० आर० भागवत, अवर सचिव
(प्रशासन प्रभारी)
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 13 अगस्त 1974

सं. ए. 12022/2/74—प्रशा०—I—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थाई चयन प्रेड अधिकारी तथा संघ लोक सेवा आयोग I-226GI/74

(4985)

में परीक्षा नियंत्रक के पद पर स्थानापन रूप से कार्य कर रहे श्री डी० आर० कोहली को, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा, आ० डी० एस० कोठारी की अध्यक्षता में गठित भर्ती नीति एवं चयन पद्धति समिति के सचिव के पद पर 15 जुलाई, 1974 से 28-2-1975 तक की अतिरिक्त अवधि में कार्य करते रहने की अनुमति दी गई है।

एम० आर० भागवत,
अवर सचिव
कृते अध्यक्ष
संघ लोक सेवा आयोग

मंत्रिमंडल सचिवालय

प्रबलं निदेशालय

कार्यकारी तथा प्रशासनिक सुधार विभाग

मई दिल्ली, दिनांक 30 जुलाई 1974

फा० सं. ए०-11/46/74—श्री जे० एन० वर्मा निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, कानपुर को इसके द्वारा प्रबलं निदेशालय के आगरा उप-क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 12-7-74 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए प्रबलं अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

एस० बी० जैन,
विशेष निदेशक

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 17 अगस्त 1974

सं० पी० एफ०/के०-३/७०-प्रशा०-५—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री के० के० पूरी, भारतीय पुलिस सेवा (मध्य प्रवेश) को दिनांक 29 जुलाई, 1974 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिए, विशेष पुलिस स्थापना, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में, स्थानापन्न पुलिस उप-महानिरीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 अगस्त 1974

सं० पी० एफ०/एम०-/७४-प्रशा०-५—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से विहार संबंधों के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी श्री एम० के० सक्सेना को दिनांक 3 जुलाई, 1974 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए प्रतिनियुक्त पर, महायक निदेशक (इंटरपोल) प्रभाग, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, नियुक्त करते हैं।

सं० बी० /७४-प्रशा०-५—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, श्री विष्णु देव महेश्वरी, स्थाई निरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सी० आई० ए०-१ को दिनांक 3-८-७४ के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिए, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अस्थाई रूप से पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में पदोन्नत करते हैं।

सं० बी० /७४-प्रशा०-५—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा श्री भोलन दास स्थाई निरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सी० आई० ए०-१ को दिनांक 4-८-७४ के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अस्थाई रूप से पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में पदोन्नत करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल

प्रशासन अधिकारी (स्था)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 20 अगस्त 1974

सं० पी० एफ०/एम०-२४७/७४-प्रशा०-१—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, श्री एस० बी० सिन्हा, उप निरीक्षक को दिनांक 8 जुलाई, 1974 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, अहमदाबाद शाखा में, अस्थाई रूप से पुलिस निरीक्षक के रूप में पदोन्नत करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल,

प्रशासन अधिकारी (स्था०)

कृते पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना

गृह मंत्रालय

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 27 मई 1974

सं० ई०-३३०१३/१/७४-प्रशा०-१—स्थानापत्र स्वीकृत होने पर, श्री एंथोनी पालोस, ने दिनांक 3 मई, 1974 के अपराह्न से

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, बैंक नोट प्रेस, देवास, खुफिया संघ के पुलिस उपाधीक्षक पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 6 अगस्त 1974

सं० ई० १६०१६/१०/७३-प्रशा०-१—अपने भूत कार्यालय, रेलवे मंत्रालय (रेलवे बोर्ड), को वापसी पर, श्री आर० पी० विश्वास अनुभाग अधिकारी, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, नई दिल्ली, ने दिनांक 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ई० १६०१४(१)/२६/७३-प्रशा०-१—राष्ट्रपति, श्री धर्म वीर बहूत, प्रतिनियुक्त पर, को दिनांक 1-७-७४ के पूर्वाह्न से, वर्तमान रिक्त स्थान होने पर, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की ४८वीं बटालियन के कमांडेंट पद पर नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

एन० एस० बिष्ट,
महानिरीक्षक

भारत सरकार टक्साल

आवेदन

कलकत्ता, दिनांक अगस्त 1974

सं० पी० ३१७—भारत सरकार टक्साल, अलिपुर, कलकत्ता के इंजीनियर श्री हरिहर दास को इंजीनियर (सेलेक्शन ग्रेड) के रूप में सि० सि० एस० (आर० पी०) नियम, 1973 अनुसार ८४०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० रु० के वेतनमान (गजेटेड टक्साल-II) स्थानापन्न रूप में, आगामी आदेश जारी होने तक, १४-३-७३ के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

डि० सि० मुख्यार्जी,
टक्साल अधिकारी

कार्यालय : महालेखाकार केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-१, दिनांक 7 अगस्त 1974

सं० प्रशा०-१/५-५/पदोन्नति/७४-७५/११६—श्रीमान महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व इस कार्यालय के श्री एस० एल० बंसिल स्थाई अनुभाग अधिकारी को लेखा अधिकारी के पद पर समय वेतन-मान रु० ८४०-१२०० में २२ जुलाई, ७४ (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में कार्य करने हेतु नियुक्त करते हैं।

ह० अपठनीय

वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

भारतीय लक्षा परीक्षा तथा लेखा विभाग

महालेखाकार का कार्यालय विहार,

रांची-२, दिनांक अगस्त 1974

महालेखाकार, विहार, अपने कार्यालय के श्री जगदीश नारायण स्थाई अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 20-५-७४ के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

महालेखाकार विहार, अपने कार्यालय के श्री लाल गोपाल मित्रा स्थाई अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 29-६-७४ के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

महालेखाकार बिहार, अपने कार्यालय के श्री द्वज बिहारी प्रसाद स्थाई अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 20-5-74 के पूर्वात्म से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

महालेखाकार बिहार, अपने कार्यालय के श्री पार्बती शंकर प्रसाद स्थाई अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 29-4-74 के पूर्वात्म से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

महालेखाकार बिहार, अपने कार्यालय के श्री देव कुमार सेन स्थाई अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 29-4-74 के पूर्वात्म से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

बच्चू प्रसाद सिन्हा,
वरिष्ठ उप महालेखाकार, (प्रशा०)

महालेखाकार का कार्यालय, भाराट

बम्बई, दिनांक 1974

महालेखाकार, भाराट, अधीन लेखा सेवा के सदस्य श्री एस० एम० रहीम सुल्तान को दिनांक 18-7-74 पूर्वात्म से अपने कार्यालय में, अगले आदेश होने तक, लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

महालेखाकार, भाराट, अधीन लेखा-सेवा के सदस्य श्री ए० सि० पिटो को दिनांक 20-7-74 पूर्वात्म से अपने कार्यालय में, आगे आदेश होने तक, लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

र० रामन्,
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशा०)

महालेखाका का कार्यालय, तमिलनाडु

महालेखाकार तमिलनाडु, की अधीनस्थ लेखा सेवा के स्थानापन्न सदस्य श्री ए० जगन्नाथन् को उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में 30-10-73 के पूर्वात्म से अगले आदेश होने तक नियुक्त किया गया है। उनकी पदोन्नति उनसे प्रबर व्यक्तियों के दावों से पर प्रतिकूल प्रभाव रहित है।

य० पदोन्नति के आदेश अंतः कालीन तौर पर किए गए हैं। यह आदेश उच्च न्यायालय के रीट याचिका क० सं० 2213 तथा 4241 से 4244 (1970) में दिए गए निर्णय के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल सिविल अपील क० सं० 1584 से 1588 (1973) में उस न्यायालय के विनिश्चय से प्रतिकूल प्रभाव रहित है।

महालेखाकार तमिलनाडु, (I और II) की अधीनस्थ लेखा सेवा के निम्नलिखित स्थाई सदस्यों को उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में उनके नाम के प्रति निर्देशित दिनों से अगले आदेश होने तक नियुक्त किया गया है। यह आदेश उनके प्रबर व्यक्तियों के दावों पर प्रतिकूल प्रभाव रहित है।

यह पदोन्नति के आदेश अंतः कालीन तौर पर किए गए हैं। यह आदेश उच्च न्यायालय के रीट याचिका क० सं० 2213 तथा 4241 से 4244 (1970) में दिए गए निर्णय के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल सिविल अपील क० सं० 1584 से 1588 (1973) में उस न्यायालय के विनिश्चय से प्रतिकूल प्रभाव रहित है।

सं०	नाम	दिन
सर्व श्री		
1.	सी० एस० जगदाम्बाल	31-10-73
2.	एन० ए० दामोदरन्	"
3.	भी० रङ्गरत्नम्	"
4.	आर० समूर्णम्	"
5.	ए० सीतारामन्	"
6.	एस० अब्दुल जलील	"
7.	एन० मुनुस्वामी-I	"
8.	जी० नागराजन्-I	"
9.	चार्लेस वी० ए० मोसस	"
10.	के० एस० रङ्गसामि	"
11.	पी० एस० शिवगुरु	"
12.	आर० वेंकटरामन-II	1-11-73
13.	आर० तुलसीरामन	19-11-73
14.	ए० के० रामन	1-11-73
15.	टी० एस० वैद्यनाथन-II	"
16.	ए० पी० श्रीनिवासन्	"
17.	वी० रामचन्द्रन-I	22-12-73
18.	एस० कुप्पुस्वामी	22-12-73
19.	एस० नागराजन-I	"
20.	टी० टी० सुन्दरम्	"
21.	आर० पद्मनाभन	24-12-73
22.	टी० वरदाचारि	17-1-74
23.	पी० सी० रघुनाथन	13-3-74
24.	एस० एस० मुरलीदरन	"
25.	आर० जोसफ लियो	"
26.	एस० रामानूजम	8-4-74
27.	पी० ए० महादेवन	"
28.	भी० एस० राधाकृष्णम्	3-5-74
29.	एन० कृष्णमूर्ति-I	3-5-74
30.	आर० श्रीनिवासन-XVI	"
31.	आर० रामकृष्णन्	15-5-74
32.	जी० वेलू	15-5-74

ह० अपठनीय
लेखाधिकारी

रक्षा लेखा विभाग
कार्यालय रक्षा लेखा महानियंत्रक
नई दिल्ली, दिनांक 7 अगस्त, 1974

सं० 40011 (2)/74-प्रशा० ए०—वार्धक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख से पेंशन स्थापना को अन्तरित किया जाएगा।

क्रम संख्या	नाम रोटर संख्या संहित	प्रेड	पेंशन स्थापना को अंतरित की तारीख	संगठन
सर्वेश्वरी				
1.	एम० एल० मलिक (पी०/152)	. स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक पश्चिमी कमान, मेरठ
2.	बी० आर० मराठे (पी०/410)	. स्थायी लेखा अधिकारी	31-10-74 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना
3.	पी० सी० सोनी (पी०/424)	. स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ
4.	के० एस० बेदी (पी०/474)	. स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ
5.	ए० एन० गुहा (पी०/631)	. स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ
6.	एस० पी० अप्रवाल (ओ०/79)	. स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-1-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ
7.	आर० आर० शर्मा० (ओ०/88)	. स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-3-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ

सं० 18218/प्रशा०-II—20-10-74 को वार्धक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री सी० एल० व्योदा, भारतीय रक्षा लेखा सेवी के एक अधिकारी को 1-11-74 (पूर्वाह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा और विभाग की नफरी से निकाल दिया जाएगा।

सं० 18119/प्रशा०-II—6-5-74 को वार्धक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री के० पी० कुन्डू, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी को 31-5-74 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तरित किया गया और विभाग की नफरी से निकाल दिया गया।

गुह्य-पत्र

2. इस कार्यालय की श्री के० पी० कुन्डू सम्बन्धी अधिसूचना सं० 18119/प्रशा०-II दिनांक 29-3-74, जो कि भारत के राजपत्र भाग 111 खण्ड 1 (पृष्ठ 2356) दिनांक 23-4-74 में प्रकाशित हुई, रद्द की जाती है।

एस० के० सुन्दरम्,
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक (प्रशा०)

औद्योगिक विकास मंडालय

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 जलाई 1974

संख्या ए० 19018/145/74—प्रशा०राज० लघु उद्योग सेवा संस्थान कानपुर में अर्धस्थायी अन्वेषक तथा स्थानापन्न लघु उद्योग संबद्धन अधिकारी श्री बी० एम० एल० त्रिपाठी को विकास आयुक्त लघु उद्योग सेवा संस्थान इन्दौर में सहायक निदेशक ग्रेड-2 के पद पर तदर्थे आधार पर नियुक्त करते हैं। श्री त्रिपाठी ने सहायक निदेशक ग्रेड-2 के पद का कार्यभार दिनांक 20 जून, 1974 के पूर्वाह्न से ग्रहण किया।

दिनांक 16 अगस्त 1974

सं० ए० 19018/136/74-प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त, लघु उद्योग, लघु उद्योग सेवा संस्थान कलकत्ता में स्थायीवत् अन्वेषक व स्थानापन्न लघु उद्योग संबद्धन अधिकारी श्री बी० बी० बी० चटर्जी को लघु उद्योग सेवा संस्थान गौहाटी के प्रतंगत शाखा संस्थान अग्ररतला में सहायक निवेशक (ग्रेड II) के पद पर तदर्थे आधार पर नियुक्त करते हैं। श्री चटर्जी ने 12 जून, 1974 की पूर्वाह्न को सहायक निवेशक (ग्रेड II) के पद का कार्यभार ग्रहण किया।

के० बी० नारायणन,
उप-निवेशक (प्रशासन)

धार्मिक संबोधन

वस्त्र आयुक्त कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 16 अगस्त 1974

सं० सी० एल० बी० १/५/६५ ए०/७४—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खंड 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व-स्थीरति से ऐ एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० एल० बी० १/५/६५ए०, दिनांक 4 मार्च, 1966 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूं, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी के स्तंभ 3 में क्रम संख्या 11सी० के सामने “मुख्यालय तथा प्रादेशिक कार्यालयों के निदेशक-गण, वरिष्ठ प्रबलं अधिकारी-गण और उप-निदेशक-गण” वृत्त शब्दों और चिह्नों के स्थान पर “मुख्यालय के निदेशक-गण, वरिष्ठ प्रबलं अधिकारी-गण, उप-निदेशक-गण और प्रादेशिक कार्यालयों के निदेशक-गण, वरिष्ठ प्रबलं अधिकारी-गण, उपनिदेशक-गण और सहायक निदेशक-गण” ये शब्द और चिह्न प्रतिस्थापित किए जायेंगे।

गौरी शंकर भार्गव,
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

बम्बई-20, दिनांक 6 अगस्त 1974

सं० 10(1)/73-74/सी० एल० बी०-11—कपास नियंत्रण आदेश, 1955 के खंड 5(1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 10(1)/73-74/सी० एल० बी०-11, दिनांक 11 अप्रैल, 1974 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूं, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची के स्तंभ 3 में क्रमसंख्या 1 के सामने की विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“2 मास की औसत मासिक खपत के समतुल्य परिमाण से अधिक नहीं।”

संजय कुमार बागची,
वस्त्र आयुक्त

मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रण का कार्यालय

आयात तथा नियंत्रण व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, दिनांक 1974

सं० 6/768/65-(जी०)—सेवा निवर्तन आयुक्त प्राप्त करने पर, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग के अधिकारी, श्री एस० बी० गुप्त, ने 31 जुलाई, 1974 के अपराह्न से इस कार्यालय में नियंत्रक आयात-नियंत्रण के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

बी० डी० कुमार,
मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रण

पूर्ति तथा नियटान महानिदेशालय

(प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली-1, दिनांक अगस्त 1974

सं० प० १/१ (४४७)—पूर्ति तथा नियटान निदेशालय, बम्बई में स्थाई अधीक्षक तथा पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यस्थल में स्थानापन्न सहायक निदेशक (प्रेड-II) श्री ए० एम० भानुकीर दिनांक 30-4-1974 के अपराह्न से निवर्तन आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

एस० के० ज्ञाशी,
उप निदेशक (प्रशा०)
इसे महानिदेशक, पूर्ति तथा नियटान

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 10 अगस्त 1974

सं० ई०-१-४८८९/५७९-चुनाव-७० (थेणी-II)—श्री सतीश कुमार गुप्ता को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में अधिकारी सर्वेक्षक के अस्थाई पद पर भारतीय सर्वेक्षण विभाग की थेणी II सेवा में ६५०.०० रु० प्रतिमाह वेतन पर ६५०-३०-८१०-द० रो०-३५-८८०-४०-१००० द० रो० ४०-१२०० रु० के संशोधित वेतनमान में दिनांक 3 जून, 1974 पूर्वाह्न से अगले आदेश दिए जाने तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

हरी नारायण,
महासर्वेक्षक

इस्पात और खान संबोधन

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-13, दिनांक 1973

सं० २२२२ (आर० सी० बी०)/१९ए०—श्री रमेश चन्द्र भण्डारी को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में ६५० रु० मासिक के प्रारम्भिक वेतन पर ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द० रो०-३५-८८०-४०-१०००-द० रो०-४०-१२०० रु० के वेतनमान में अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, १५-४-१९७४ के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० २२२२(के० एस० ए०)/१९ ए०—श्री के० श्रीधर आदिगा को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में ६५० रु० मासिक के प्रारम्भिक वेतन पर ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द० रो०-३५-८८०-४०-१०००-द० रो०-४०-१२०० रु० के वेतनमान में अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, २०-४-१९७४ के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० २५०३(IV)ए०/१९ बी०—डा० पी० डी० मल्होत्रा ने अधीक्षक रसायनज्ञ के पद का कार्यभार भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के अंतर्गत संयुक्त अरब गणराज्य में विदेश समनुदेशन से वापसी पर, २०-४-१९७४ के पूर्वाह्न से ग्रहण कर लिया है।

सं० 3/71/19 ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के क्षेत्रीय प्रशासनिक अधिकारी श्री टी० जी० एस० अच्युर निवर्तन पर सरकारी सेवा से 3 अप्रैल, 1974 (अपराह्न) से निवृत्त हो गए।

सं० 3/71/19 ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के क्षेत्रीय प्रशासनिक अधिकारी श्री जी० एस० ग्रेवाल निवर्तन पर सरकारी सेवा से 5 मई, 1974 (पूर्वाह्न) से निवृत्त हो गए।

सं० 91/59/19 बी०—राष्ट्रपति सहर्ष श्री अशोक कर्णने को धार्मिक अभियंता (कनिष्ठ) के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 700 रु० माहवार के न्यूनतम वेतन में 700—40—900—द० रो०—40—1100—50—1300 रु० के वेतनमान में अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 24 मई, 1974 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

सं० 2251(ओ० पी० एस०)/19 बी०—श्री ओम प्रकाश शर्मा, बरिष्ठ डिलिंग सहायक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण को इसी विभाग में डीलर के पद पर वेतन नियमानुसार 650—30—740—35—810—द० रो०—35—880—40—1000—द० रो०—40—1200 रु० के वेतनमान में अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 24 जून, 1974 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

सी० करुणाकरन,
महा निदेशक

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली-11, विनांक 14 अगस्त 1974

सं० 14/4/74—एम०—प्राचीन स्मारक, पुरातत्वीय स्थल एवं अवशेष नियम, 1959 के नियम 6 द्वारा प्राप्त अधिकारों के अधीन में, श्रीमती देवला मित्रा, निदेशक (स्मारक) निदेश करती हूँ कि ताजमहल, आगरा (यू० पी०) में निम्नलिखित तिथियों में प्रवेश निःशुल्क होगा।

15 अगस्त, 1974 को सायं 4 बजे से रात्रि 12 बजे तक, 16 अगस्त, 1974 को सायं 4 बजे से प्रातः 4 बजे (दिनांक 17 अगस्त) और 17 अगस्त, 1974 को सुबह 6 बजे से प्रातः 4 बजे (दिनांक 18 अगस्त)।

डी० मित्रा,
निदेशक (स्मारक)
हृते महानिदेशक

विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 17 मई 1974

सं० ई०-11(7)—इस विभाग की अधिसूचना सं० ई०-11(7), दिनांक 11 जुलाई, 1969 में श्रेणी 3—प्रभाग 2 के अन्तर्गत 'गनकॉटन' की प्रविष्टि के बावें 'नाइट्रो-गुनाडाइन' जोड़ दिया जाए।

इंगुव नरसिंह मूर्ति,
मुख्य नियंत्रक (विस्फोटक)

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय
फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 12 अगस्त 1974

सं० 6/17/54—सीबब्ल्डी-I—श्री एम० के० विघ्ने स्थानापन्न केमरामैन (कार्टून फिल्म यूनिट) की छुट्टी खत्म होने के कारण श्री आर० बी० म्हान्ने दिनांक 3—8—1974 के अपराह्न से केमरामैन के पद पर प्रत्यावर्तित माने जाएंगे।

के० एस० फुडवा,
प्रशासकीय अधिकारी
हृते प्रमुख नियमिता

विज्ञापन और हृष्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 7 अगस्त 1974

सं० 7/39/68—स्था०—2—श्री आर० पी० पुष्प, स्थाई प्रदर्शनी सहायक को क्षेत्र प्रदर्शनी अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए इस निदेशालय, अहमदाबाद में अस्थाई रूप से तदर्थ आधार पर 24—6—74 (पूर्वाह्न) से अग्रिम आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

रोशन लाल जैन,
उप निदेशक (प्रशासन)
हृते विज्ञापन और हृष्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक

सं० 1—100/74—इस्ट०—1—डा० छञ्जू मल गोयल ने अपने त्याग-पत्र की स्वीकृति के फलस्वरूप 31 जुलाई, 1974 को अपराह्न में केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नई दिल्ली के अधीन कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (तदर्थ) के पद का कार्यभार त्याग दिया।

के० वेणुगोपाल,
उप निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक

सं० 36—14/72—एडमिन-I—कुमारी कुसुम लता ने 4 जुलाई, 1974 को पूर्वाह्न में विलिंगडन अस्पताल और परिचर्या गृह, नई दिल्ली में आहारविदु के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० 26—13/73—एडमिन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रीमती आशा नाथन को पहली जून, 1974 पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में पुस्तकाध्यक्ष प्रथम घेड़ के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल
उप निदेशक (प्रशासन)

कृषि भवालय
(सहकारिता विभाग)
विपणन एवं निरीक्षण निवेशालय
प्रधान कार्यालय

फरीदाबाद, दिनांक जुलाई 1974

सं० फा० 3/235/66 प्र० फरी०—I—श्री पी० एस० जगन्नाथ चाबू, विपणन अधिकारी वर्ग—I, ओंगल, को विपणन एवं निरीक्षण निवेशालय के अधीन गुन्टूर में दिनांक 21 जून, 1974 के पूर्वान्त्र से दिनांक 14 जुलाई, 1974 के अपराह्न तक पूर्णतया अस्थाई और तदेश आधार पर स्थानापन्न उप वरिष्ठ विपणन अधिकारी वर्ग—प्रथम नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 19 अगस्त 1974

सं० फा० 4-5(10) 74 प्रशा०-1—संघ लोक नेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री श्याम सुन्दर प्रमाण राव को विपणन एवं निरीक्षण निवेशालय के अधीन शाहिबाबाद (उत्तर प्रदेश) में दिनांक 15 जुलाई, 1974 के पूर्वान्त्र से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न आधार पर विपणन अधिकारी, (वर्ग-III) नियुक्त किया गया है।

गन० के० मुरलीधर राष्ट्र,
कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-85, दिनांक 30 जुलाई 1974

सं० पी० ए०/73(5)/73—आर०-4—निवेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, डा० (श्रीमती) शशिकला रजनीकांत त्रिभुवन को इसी अनुसंधान केन्द्र में 19 जून, 1974 के पूर्वान्त्र से 16 अगस्त, 1974 के अपराह्न तक, अथवा आगामी आदेश तक के लिए जो भी पहले हो, अस्थाई रूप से स्थानापन्न स्थानिक चिकित्सा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/73(5)/73—आर०-4—निवेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, डा० धर्मगज हेलीगाउड पाटिल को 1 जुलाई, 1974 के पूर्वान्त्र से खो महोने के लिए, अथवा आगामी आदेश तक के लिए जो भी पहले हो, इसी अनुसंधान केन्द्र में अस्थाई रूप से स्थानापन्न स्थानिक चिकित्सा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० उम्रीकृष्णन,
उपस्थापना अधिकारी (भ)

बम्बई-400 085, दिनांक 7 अगस्त 1974

सं० 1/1/71/स्था०/XII/1194—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री देव नारायण बन्धी, इस अनुसंधान केन्द्र के स्थाई सहायक सुरक्षा अधिकारी को इसी अनुसंधान केन्द्र में श्री

एल० एच० करमचंदानी, सुरक्षा अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 25-3-74 (पूर्वान्त्र) से 14-4-1974 (अपराह्न) तक स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

ए० शांताकुमार मेनन,
उप स्थापना अधिकारी

बम्बई-400085, दिनांक अगस्त 1974

सं० बी० /620/लेखा/स्था०-III/932—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री शंकर विष्णु भावे, सहायक लेखाकार को इस अनुसंधान केन्द्र में श्री एस० ए० आ, सहायक लेखाधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 15-4-74 से 10-6-74 के काल के लिए श्री एस० जी० जोणी, सहायक लेखाधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 11-6-74 से 5-10-74 के काल के लिए प्रस्थाई रूप से स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सी० जे० जोसेफ,
उप स्थापना अधिकारी

बम्बई-400085, दिनांक 20 जुलाई 1974

सं० 19(6)/(एस० बी०)/70—स्था०-13/693—निवेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, इसके द्वारा, श्री रामराव सवनाल एक अस्थाई वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर (एस० सी० I), दैर्घ्यने पुनर्संधान प्रभाग, को 1 फरवरी, 1969 से मौलिक रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

शुद्धिन्यून

इस केन्द्र के दिनांक 24 जनवरी 1974 की अधिसूचना सं० 19(6)/(एस० बी०)/70-स्था० XIII/139 श्री एस० एम० आपर (क्र० सं० 10) के संबंध में “इस समय स्थाई/स्थानापन्न पद और प्रभाग” के स्तंभों में ड्राफ्टमैन (सी०)/एस० बी० और रिएक्टर परिवालन के स्थान पर क्रमशः ड्राफ्टमैन (सी०)/एस० सी० 1 और आर०-5 परियोजना संशोधन करके पढ़ा जाये।

एल० एच० मीरचंदानी,
स्थापना अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपकम, दिनांक 30 जुलाई 1974

सं० आर० आर० सी०/पी० एफ०/18/71:15398 : 1025—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी सहायक कार्मिक अधिकारी श्री यक्षस्वामी शास्त्रीगल माम्बमूर्ति ने, उनका ध्ययन भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में प्रशासन अधिकारी II के पद पर होने पर उस केन्द्र में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद का कार्यभार 4 जुलाई, 1974 के अपराह्न से छोड़ दिया।

के० चक्रवर्ती,
मुख्य प्रशासन अधिकारी

कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 29 जुलाई 1974

सं० ए० 38012/2/73-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री बी० ए० एन० राजू, तकनीकी अधिकारी, नागर विमानन विभाग को मूल नियम 56(के) के उपबंधों के अधीन 23-2-74 (पूर्वाह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति प्रदान की है।

सुधाकर गुप्ता,
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 1 अगस्त 1974

सं० ए० 33023/1/74-ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित सहायक विमानक्षेत्र अधिकारियों (प्रशिक्षणार्थी) को उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग के विमान मार्ग और विमानक्षेत्र संगठन में रु० 650-30-740-35-810-द० रु०-880-40-1000-द० रु०-40-1200 के वेतनमान में सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी, श्रेणी II, राजपत्रित के पद पर नियुक्त किया है:—

क्र० सं०	नाम	स्टेशन	तारीख
1	2	3	4
1.	श्री कमल पराशर	बम्बई एयर पोर्ट	4-7-74
2.	श्री अशोक राज	फ्लकत्ता एयरपोर्ट	4-7-74
	बाल्मीकि		
3.	श्री पीयूष जोशी	—वही—	4-7-74
4.	श्री आर०एन०	—वही—	4-7-74
	चौधुरी		
5.	श्री पी० एन० तिवारी	—वही—	4-7-74
6.	श्री पहाड़ी मान्याल	—वही—	4-7-74
7.	श्री बी०के० केलवानी	—वही—	4-7-74
8.	श्री एम० एस०	दिल्ली एयरपोर्ट पालम	4-7-74
	गोसाई		
9.	श्री पी० कुमार	—वही—	4-7-74
10.	श्री श्यामसुन्दर वर्मा	—वही—	4-7-74
11.	श्री राकेश वर्मा	—वही—	4-7-74
12.	श्री एस०पी० कोहाट	नागपुर	5-7-74
13.	श्री एन०पी० मेंजेज	बम्बई एयरपोर्ट	26-7-74
14.	श्री एस०एस० साठे	—वही—	26-7-74
15.	श्री कमल कात	—वही—	26-7-74
16.	श्री आर० आई० सिंह	—वही—	26-7-74
17.	भिहिर करमाकर	फ्लकत्ता एयरपोर्ट	25-7-74

1	2	3	4
18.	श्री विनय कपूर	सफदरजंग एयरपोर्ट	25-7-74
19.	कुमारी परमजीत सिंधू	—वही—	25-7-74
20.	श्री जे० बी० आर०	मद्रास एयरपोर्ट	26-7-74
		प्रभाकर राव	

दिनांक 5 अगस्त 1974

सं० ए० 32013/2/73-ई० ए०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित विमान क्षेत्र अधिकारियों को जो कि इस समय भारतीय अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट प्राधिकरण में प्रतिनियुक्त पर है, उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न रूप में वरिष्ठ विमान क्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में प्रोफार्मा पदोन्नति प्रदान की है:—

क्रम सं०	नाम	तारीख
1.	श्री सी० जी० विष्वनाथ	4-11-73
2.	श्री जी० एन० लोकरे	4-11-73
3.	श्री के० एस० जयराम	21-2-74

दिनांक 8 अगस्त 1974

सं० ए० 38012/4/74-ई० ए०—श्री जे० नाथ, वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी, दिल्ली एयरपोर्ट, पालम निवारण आयु प्राप्त कर लेने पर 31 जुलाई, 1974 पूर्वाह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सुरक्षीत लाल खण्डपुर,
सहायक निदेशक प्रशासन

पर्यटन और नागर विमानन भंडालाल

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 31 मई 1974

सं० ई० (1) 06694—वेधशालाओं के महानिदेशक एवं उप-महानिदेशक (पूर्वानुमान), पूना कायालिय के श्री डी० एस० देसाई, व्यवसायिक सहायक को 15 अप्रैल, 1974 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री देसाई, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ निदेशक, उपकरण, पूना के कायालिय में तैनात किए गए हैं।

नूतन दास,
मौसम विशेषज्ञ
हुते वेधशालाओं के महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पादनशुल्क समाहर्ता-कार्यालय, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 17 जून 1974

मं० 6/74—केन्द्रीय उत्पादनशुल्क के निम्नलिखित स्थाई निरीक्षकों (मेनेक्षन ग्रेड)/अधीक्षक (मी० टी०) को, प्रत्यंक के मामने दर्शायी गई तारीखों से अगला आवेदन होने तक, ₹० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के समय-मान में केन्द्रीय उत्पादनशुल्क के स्थानापन्न अधीक्षक, श्रेणी-II, नियुक्त किया गया है।

अम म०	अधिकारी का नाम	स्थान	अधीक्षक श्रेणी-II, का कार्यभार सम्भालने की तारीख
सर्वश्री			
1. श्राई० बी० घानपुर	एम० ओ० आर० सदला	4-4-74	(अपराह्न)
2. बी० दामोदर	मीमांशुल्क विशेष निवारक मंगलौर	3-4-74	(अपराह्न)
3. मी० आर० गुण्डु राव	बंगलौर III प्रभाग	29-5-74	(पूर्वाह्न)
4. जी० एच० डॉ० श्रुज	श्राई० जी० भट्टाचारी	3-6-74	(पूर्वाह्न)
5. श्राई० बी० धिम्या	एम० ओ० आर० रवद्वार	6-6-74	(पूर्वाह्न)
6. बी० जी० जीनसन	एम० ओ० आर० हरमनाहल्ली	8-6-74	(अपराह्न)

आर० बी० सिन्हा,
समाहर्ता

केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग (जल स्कंध)

नई दिल्ली-22, दिनांक अगस्त, 1974

मं० क०-19012/82/70-प्रशा०-5-1—इस आयोग की अधिसूचना सं०-क० 32014/2/70-प्रशा०-5 दिनांक 13-9-1972 के आंशिक संशोधन करते हुए अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग अपने प्रसाद से यह निर्णय करते हैं कि केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग में अतिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक अभियंता/सहायक अनुसंधान अधिकारी (अभियांत्रिकी) के ग्रेड में श्री जे० जी० इदनानी को नियमित रूप से नियुक्त 31-5-1972 के स्थान पर 15-11-1972 में है।

(के० पी० बी० मेनन)

अवर सचिव

हृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग

नई दिल्ली-110022, दिनांक अगस्त 1974

मं० 19012/452/73-प्रशा०-5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग श्री जे० पी० एन्थोनी को अतिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक अभियंता/सहायक अनुसंधान अधिकारी (अभियांत्रिकी) के पद पर केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग में स्थानापन्न क्षमता में पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं। श्री जे० पी० एन्थोनी ने 10-8-73 (अपराह्न) से 26-9-73 तक चन्दा पूर्वी नेंजिंग उप प्रमण्डल, चन्दा में सहायक अभियंता का कार्यभार संभाल लिया। निर्धारित योग्यता पूरी करने पर उन्हे 27-9-73 (पूर्वाह्न) से आगे आवेदन होने तक अतिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक अभियंता/सहायक अनुसंधान अधिकारी (अभियांत्रिकी) के ग्रेड में ₹० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में वेतन तथा भत्ता प्राप्त करने का अधिकार होगा।

2-226G1/74

यह अधिसूचना इस आयोग की अधिसूचना सं० क०-19012/425/73-प्रशा०-5 दिनांक 22-4-74 के अधिक्रमण में जारी की गई है।

सं० 19012/446/73-प्रशा०-5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग एतद् द्वारा श्री श्रीकान्त बरुशी को केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग में अतिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक अभियंता/सहायक अनुसंधान अधिकारी (अभियांत्रिकी) के पद पर स्थानापन्न क्षमता में पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं। उन्हे अतिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक अभियंता/सहायक अनुसंधान अधिकारी (अभियांत्रिकी) के रूप में 15-7-1974 (अपराह्न) में आगे आवेदन होने तक ₹० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में वेतन पाने का अधिकार होगा।

श्री श्रीकान्त बरुशी ने केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग (जल स्कंध) में सहायक अभियंता के कार्यालय का कार्यभार उपरोक्त तिथि एवं समय में सम्भाल लिया है।

के० पी० बी० मेनन,
अवर मण्डिल

दक्षिण-पूर्व रेलवे

कलकत्ता-700043, दिनांक 7 अगस्त 1974

मं० पी०/जी०/14/300 बी० (पार्ट II)—इस रेलवे के सिविल इंजीनियरी विभाग के अवर वेतनमान (श्रेणी I) वाले निम्नांकित अधिकारियों का पुष्टीकरण इस रेलवे के उक्त विभाग

48 अवर वेतनमान (श्रेणी II) में, प्रत्येक के सामने उल्लिखित तारीख में किया जा रहा है :—

नाम	पुष्टीकरण की तारीख
श्री एस० सैयद मुलेमान	13 दिसम्बर, 1971
श्री एस० के० मिन्हा	31 दिसम्बर, 1973
श्री रजत मिश्रा	2 जनवरी, 1974

सं० पी०/ जी०/ 14/ 300 बी (II) ——इस रेलवे के सिविल इंजीनियरी विभाग के स्थानापन्न अधिकारी (श्रेणी-II) श्री पी० एस० प्रसाद का पुष्टीकरण इस रेलवे के उक्त विभाग की श्रेणी-II मेवा में 20 अप्रैल, 1967 से किया जा रहा है।

जी० एस० ए० सलदान्हा,
महाप्रबन्धक

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

तारीख

कम्पनी अधिनियम 1956, और “तिहमाल और कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में (कम्पनी अधिनियम, 56 की धारा 445)

सं० 2994/सी लिक्वी०/74—एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि न्यायालय कार्यवाची सं० सी० पी० न० ८९० एफ० 1972 में उच्च न्यायालय, मद्रास की फाइल पर दिए गए दिनांक 11 अप्रैल, 1972 के आदेश द्वारा कम्पनी तिहमाल और कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड को समाप्त कर दिया गया है।

पी० अन्नपूर्णा,
कम्पनी के अपर रजिस्ट्रार

कार्यालय अतिरिक्त आयकर आयकर, कानपुर

उन निर्धारितियों के नामों का प्रकाशन जिनके मामले में वर्ष 1973-74 के दौरान एक लाख से ऊपर राशि अपसिखित की गई

क्रमांक	निर्धारिती का नाम और पता	प्रास्थिति	निर्धारित वर्ष	अपलिखित राशि	अपलेखन का संक्षिप्त कारण
1	2	3	4	5	6
1.	मैसर्स जफर मोहम्मद, द्वारा मैसर्स के० एस० रशीद एण्ड सन्स, मेरठ	व्यष्टि	1941-42 1942-43 1943-44 1944-45 1945-46 1946-47	15,568 24,028 1,09,909 1,58,014 1,78,026 6,51,398	निर्धारिती का 7-1-1946 को देहान्त हो गया और उसके पीछे कोई परिसंपत् रोप नहीं रह गई थी अतः 9,36,943 रु० का बकाया प्रपलिखित कर दिया गया।
				9,36,943	
2.	श्री के० एस० रशीद अहमद, मेरठ	व्यष्टि	1941-42 1942-43 1943-44 1944-45 1945-46 1946-47 1962-63 1963-64 1964-65 1965-66 1966-67	15,429 23,915 1,09,807 1,57,604 1,78,959 3,83,995 6,244 1,804 1,682 267 294	अपने पीछे प्रपलति परिसंपत् छोड़ते हुए निर्धारिती पाकिस्तान चला गया और वहां वर्ष 1968 में उस का देहावसान हो गया अतः उसके बिलाफ कुल बकाया राशि में से 8,80,000 रु० की राशि अपलिखित की गई और विभाग की जानकारी में जो कुछ परिसंपत् है उसमें से किसी सम्भव भाग प्रस्थादान हेतु अथवेष को जीवित रखा गया।
				8,80,000	
3.	एस० कन्हैया सिंह, करतार एण्ड को० बुद्धाना गेट, मेरठ	व्यष्टि	1960-61 1961-62 1962-63 1963-64	3,406 6,153 2,158 1,04,548	निर्धारिती कहां है, यह जात नहीं। विभाग की जानकारी में जो परिसंपत् है, वह इतना काफी महीने जिस से निर्धारिती के विषय कुल

1	2	3	4	5	6
			1964-65 1965-66 1966-67	85,028 96,086 5,316 <hr/> 3,02,697	बकाया राशि में से 3,02,697 रु० की राशि अपलिखित की गई और विभाग की जानकारी में जो कुछ परिसंपत् है उसमें से किसी सम्भव भावी प्रत्यादान के लिये अवशेष राशि को जीवित रखा गया ।
4.	श्री डी० पी० भटनागर, गोविन्द भवन, मेरठ		1943-44 1944-45 1945-46	16,676 2,41,835 6,227 <hr/> 2,64,738	निर्धारिती 16-4-1959 को दिवालिया घोषित किया गया और 17-4-62 को डिसचार्ज आवेश बनाया गया । कालान्तर में 4-11-64 को उसका देहान्त हो गया । विभाग की जानकारी में जो परिसंपत् है वह इतनी काफी नहीं जिस के अन्तर्गत निर्धारिती के विरुद्ध बकाया कुल धन राशी आ सके अतः उसके खिलाफ बाकी कुल राशि में से 2,64,738 रु० की राशि अपलिखित की गई और विभाग की जानकारी में जो परिसंपत् है उसमें से किसी सम्भव भावी प्रत्यादान के लिये अवशेष राशि को जीवित रखा गया ।
5.	मैसर्स हृषमत उर्ला एण्ड को० मेरठ	पंजीकृत फर्म,	1943-44 1945-46 1946-47 1947-48	1,907 1,16,199 2,22,916 71,666 <hr/> 4,12,688	फर्म के विरुद्ध जो मोतालबात बाकी है, उन के प्रत्यादान की कोई सम्भावना नहीं । साझेदारी की परिसंपत्, जो कि जीवित और उपलब्ध है इतनी काफी नहीं, जिस के अन्तर्गत, निर्धारिती के विरुद्ध शेष कुल मोतालबाद आ सके । अतः शेष कुल मोतालबाद में से 4,12,688 रु० की राशि अपलिखित की गई और विभाग की जानकारी में जो कुछ परिसंपत् है उसमें से किसी सम्भव भावी प्रत्यादान हेतु अवशेष को जीवित रखा गया ।
6.	मैसर्स राम चरन विक्रमादित्य नया गंज, कानपुर	व्यष्टि	13-4-43 को समाप्त होने वाली प्रभार्य लेखन अवधि (सी० ए० पी०)	35,054	चूंकि निर्धारिती की कोई परिसंपत् नहीं है अतः मोतालाबात के प्रत्यादान की कोई सम्भावना नहीं । इसी कारण 2,57,147 रुपये के मोतालबात अपलिखित किये गये ।
			1-4-44 को समाप्त होने वाली प्रभार्य लेखन अवधि (सी० ए० पी०)		

1	2	3	4	5	6
---	---	---	---	---	---

5,122
19-4-45 को समाप्त होने वाली
प्रभार्य अवधि (सी० ग०
पी०)

1945-46	74,551
1946-47	42,750

2,57,147

7. मैसर्स कैलाणनाथ अधिकारी, चूड़ी व्यष्टि
मोहाम कानपुर ।

1957-58	2,984
1958-59	1,082
1959-60	1,00,490
1960-61	72,073
1961-62	16,280
1962-63	17,346
1963-64	22,931

निर्धारिती के बारे में कुछ पता नहीं
कि वह कहा है। विभाग की जान-
कारी में जो परिसंपत् है वह इतनी
पर्याप्त नहीं जिसमें निर्धारिती के
विशेष कुल बकाया बसूल किया
जा सके। अतः इस के खिलाफ
कुल बकाया राशि से 2,33,186
र० की राशि अपलिखित की गई
और विभाग वी जानकारी में जो
कुछ परिसंपत् है उसमें से विभी
सम्भवभावी प्रत्यादान के लिये अव-
शेष राशि को जीषित रखा गया।

8. श्री सावल दास, मानिक स्वाम
आयत मिल्स, आगरा ।

व्यष्टि	1960-61	15,390
	1961-62	83,094
	1962-63	22,692

2,33,186
1,21,176

निर्धारिती के बारे में कुछ पता नहीं
कि वह कहा है। विभाग की जान-
कारी में जो परिसंपत् है वह इतनी
पर्याप्त नहीं जिसमें निर्धारिती के
विशेष कुल बकाया बसूल किया
जा सके। अतः इस के खिलाफ
कुल बकाया राशि से 1,21,176
र० का मोतालबात अपलिखित किया
गया।

9. श्री धर्मदास, मानिक, दयाल आयत
मिल्स, आगरा ।

व्यष्टि	1966-67
---------	---------

1,46,530 निर्धारिती सापता है। साथ ही उस
के नाम किसी परिसंपत् का भी
ज्ञान नहीं। इसलिये निर्धारिती के
खिलाफ बकाया मोतालबात के
प्रत्यादान की कोई संभावना नहीं।
इन्हीं कारणों से 1,46,530 र०
की प्रत्यादेय राशि अपलिखित की
गई।

टिप्पणी:—किसी व्यक्ति द्वारा देय कर्ता को अपलिखित कर दिया गया है, इस कथन का अर्थ केवल यह है कि आय-कर विभाग कि दृष्टि में यह
राशि प्रकाशन की तारीख तक निर्धारिती की ज्ञान परिसंपत्तियों में बसूल नहीं हो सकी इस के प्रकाशन का यह अर्थ कदापि नहीं
कि यह राशि कानून के अनुसार प्रत्यादान के अर्थोंमें है अथवा निर्धारिती, सम्बन्धित राशि को अदा वारते में अपने दायित्व में
मुक्त हो गया।

ए० सी० जैन,
महायका आयुक्त आय-कर, कानपुर-2

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 अगस्त 1973

सं० X/10/41/-73-74— यतः मुझे के० वी० राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० 9.2 है जो अम्मन मशन स्ट्रीट मदुरै में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय पुदुमण्डपम् में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रतिक्रिया (प्रतिक्रियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे प्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वी० जगलक्ष्मी,

(अन्तरक)

(2) श्री टी० नटराजन, नटराजा स्टोर्स ।

(अन्तरिती)

(3) श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके बारे में अद्योहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डोर स० अम्मन सप्लाई स्ट्रीट मदुरै में स्थित 2090 स्क० की की भूमि और मकान।

के० वी० राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज मद्रास

तारीख : 13-8-1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० ······
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 9 अगस्त 1974

सं० जे० न० १/(1737)/73-74—यतः मुझे, के० सुब्बाराव आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाई सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० 30-8-20, ब्लाक न० 41 बांड न० 22 है जो अल्लीपुरम बांड विजाग में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजाग में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन 15-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के आधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. Smt. Chintakayala Syamalamba, W/o Chintakayala Satyanarayana Rao, Dondaparti, Visakhapatnam.
2. Smt. Rukia Bi, W/o Sri Abdul Wahab, Old Automobile spare parts Rukia Manzil, 75, Road, Visakhapatnam.

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियम किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:- इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापारिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Visakhapatnam District—Visakhapatnam Sub-Registration—Visakhapatnam Municipality—Allpuram Ward—Bharu Street—Dabagardens—Ward No. 22—Block No. 41—T. S. No. 1462—Municipal Asst. No. 24164—Door No. 30-8-20—230 Sq. Yds.

के० सुब्बाराव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 9-8-1974
मोहर :

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज शिलांग

शिलांग, दिनांक 13 अगस्त 1974

सं० ए० 57/74-75—यतः मुझे एन० पचुओं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० डाग न० 1236 एन० के० पी० न० 1 है, जो गांव बेलकुचि मौजा, बेलटोला, गोहाटी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गोहाटी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री देव मिकिर सन आफ घबस मिकिर

गांव बेलकुचि मौजा बेलटोला, गोहाटी।

(अन्तरक)

(2) श्री देव सुराना बाइफ आफ श्री सूरज मल सुराना फेनसी बाजार गोहाटी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहीया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वल्पीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के माप 2 बीघा जो कि डाग न० 1236 एन० के० पी० न० 1 गांव बेल कुचि मौजा बेलटोला, जिला कामरुप आसाम प्रदेश में है।

एन० पचुओं
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज शिलांग

तारीख : 13-8-1974

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज शिलाग

शिलाग दिनांक 13 अगस्त, 1974

सं०ए०-५५/७४-८५—यतः मुझे एन० पञ्चांशी आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी म०० पेरि ओपिक पता न० 112 डाग न० 672 है, जो मौजा बेलटोला गांव बोरसुजे, गोहाटी में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गोहाटी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के आधीन 11-12-1973 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के सिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री सुरेन बोरो गांव बोरसुजे, बेलटोला गोहाटी।
(अन्तरक)

(2) श्री 1, श्री देवकीनन्दन केदिया कोर आफ इंडिस्ट्रियल इक्यूपमेट ए० टी० रोड गोहाटी 2, श्री कमला प्रसाद अगवाला, जमुनामुख नौगाँव, 3, श्री प्रभु दयाल ज्ञानज्ञन वाला पेनिम बाजार, शिलाग मेघालय।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्त्रमध्यं व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एसद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और धारा नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के माप दो बीघा दो काता और 10 लेठा जो कि पेंग्री-ओदिक पता न० 112 डाग न० 672 मौजा बेलटोला, गांव बार-मुजे जिला काम्प्युट आमाम में पड़ी हुयी है।

पृष्ठा पचास
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज शिलाग

तारीख : 13-8-1974

मोहर .

प्र० प्र० आई० टी० इन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज शिलांग

शिलांग दिनांक 13 अगस्त, 1974

सं० ग० 58/ग०/74-75—यतः मुझे एन० पचुआरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसका मं० पन्ना न० 982 डाग न० 805 है जो गांव नन्दुचि मौजा बेलटोला में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्व रूप में वर्णित है) ; जिस्त्रीवर्ता शिलिंगी के अधिनियम गोहाटी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण किलेक्ट के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पच्चह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें घटने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रोजेक्टर्स अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—226GI/74

(1) मुमन नाथ मिल पूर्खरि गोहाटी।

(अन्तरक)

(2) 2 श्री प्रकाश चन्द्र पत्नी फेनिम गोहाटी 2. श्रीमती भाऊरी देवी जैन, फेनिम बाजार गोहाटी।

(अन्तरिती)

(3) श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके प्रधिपोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथाप्रिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माप 4 बीघा 16 लेफ्ट जो कि पन्ना न० 182 डाग न० 405 गांव पाटकुचि मौजा बेलटोला जिला कामरूप, आसाम में घेरि हुई है।

एन० पचुआरी
सक्षम प्राधिकारी
गहायन आयवर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज शिलांग

तारीख 12-8-1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० पृ० १०० एम०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 अगस्त, 1974

सं० अ० ३०३०३/४११/७४-७५—यतः मुक्ति आर० जी० नेस्टकर
बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी प्लाट नं० 37, मिटी मर्वे है नं० 112 है, जो कांदीवली में स्थित है (और इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीर्टा० अधिकारी के नार्यालिय सब रजिस्ट्रार का कार्यालय बान्द्रा, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 गका 16) के अधीन 27-12-1973 को प्रवृत्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मैं यह विष्वास करने को कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच सय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वित्त नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/था
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में प्रवृत्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शूल करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री वी० डी० देमाई० रेनबो, शांति लाल मोर्टी रोड, कांदीवली, बम्बई-६७ (अन्तरक)
2. श्री एच० श्रीली, मोहम्मद एच० याकुब, ११/१९, कांवेकर स्ट्रीट, पहली मंजिल, करीम मन्जून, खोली क्र० ३, बम्बई-३ (अन्तरिती)
3. मैसर्स मयूर थियेटर्स, के भागदार, (१) द्वाराहीम जुमाब (२) हवाई बाई मोहम्मद यूसुफ (३) मैमुना इस्माइल (४) उमिला प्रविनचन्द्र (५) गुणवन्ती ललीतचन्द्र (६) झरीना ए० माजीद (७) शेरबानु ए० कादार (८) शरीफा हाजी ए० गनी (९) अमृतलाल बर्धीचन्द्र (१०) हाजी श्रीली मोहम्मद हाजी याकूब (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जानी करके प्रवृत्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शूल करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवृत्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सूनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वे सभी टुकड़े या पटटे की भूमि का भाग या भूमि मै.य में नाटकन्गृह और वहाँ पर बनी दूसरी सूचनाएं जो माप में 1303 वर्गगज समकक्ष 1089 वर्गमीटर, या आसपास जो कांदीवली रजिस्ट्रेशन उपजिला बान्द्रा, जिला बम्बई उपनगर में स्थित है और मौजूद है और जिसका प्लाट नं० ३७ और सीटी मर्वे नं० 112 है और इस प्रकार घिरा हूँगा है : अर्थात् :—

उत्तर की ओर से मिटी सर्वे नं० 111 द्वारा, दक्षिण की ओर से मिटी सर्वे नं० 262 द्वारा, पूर्व की ओर से मिटी सर्वे नं० 113 द्वारा और पश्चिम ओर से नेताजी सुभाष रोड, द्वारा।

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो माप में 638-53 वर्गगज समकक्ष 533-894 वर्ग मीटर या आसपास कांदीवली, रजिस्ट्रेशन उप-जिला बान्द्रा, जिला बम्बई उपनगर में स्थित और मौजूद है और माप में 1234 वर्गगज समकक्ष 1031-784 वर्गमीटर या आसपास जमीन के हिस्से एक बहुत बड़ा भाग है और जिसका प्लाट नं० 39 (अंश) और मिटीमर्वे नं० 262 (अंश) है और मूलिकिल भावों एवं करों के मनेपर और कलेक्टर द्वारा आर० वाई नं० 917(2) गली नं० 275 ए० ए० नेताजी सुभाष रोड द्वारा निर्धारित है और इस प्रज्ञार विधा द्वारा है-उत्तर का ओर से प्लाट नं० 37 और मिटी सर्वे नं० 112 दक्षिण को ओर से अंशतः श्री विपिन देसाई की जायदाद द्वारा, पूर्व को ओर से अंशतः नेताजी सुभाष रोड और अंशतः श्री विपिन देसाई की जायदाद द्वारा और पश्चिम की ओर से सिटी मर्वे नं० 113 की जमीन द्वारा।

आर० जी० नेस्टकर

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3 बम्बई।

तारीख : 6-8-19974

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए।)

प्रख्यूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 13 अगस्त 1974

मं. ए० मी० क्य०/एक्य०/११/फब०/(२)/७४-७५/२१३७—
यतः मुझे मी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में दिया है जो गांव कैतेवारा दिल्ली में स्थित है (प्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन 28-२-१९७४ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित नटेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही पूरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मेरे आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री चूक्षी, पुत्र श्री अमर सिंह निवासो गाव कैतेवारा दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्रो रजिन्दर सिंह पुत्र श्री श्रीराम नियासी गांव मुंडका दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके, पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन ते भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति हम सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उम्मी शुरू हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा. जो उम्मी अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन ना टुकड़ा जो कि 47 बीघा और 18 बिस्ता है और जो निम्नलिखित छप्पनों से बनी हूँगी है, गांव कैतेवारा में स्थित है :—

खसरा नं०	152	4-14
	144	4-16
	139	4-16
	135	4-11
	136	0-5
	580	4-16
	147	4-16
	143	4-16
	140	4-16
	142	4-16
	141	4-16

सी० वी० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज दिल्ली

तारीख : 13 अगस्त, 1974

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्र० आई० टी० एन० एस०—————

(1) श्री मी० प्रेम कुमार

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री मोहम्मद हुसैन,

श्रीमती जहानारा

कुमारी रोमना

(अन्तरिगती)

269वाँ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज—1 मद्रास

मद्रास दिनाक 13 अगस्त, 1974

सं० IX/1/22/74-75—यतः मुझे के० वी० राजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है
और जिसकी स० 1/30 है, जो पांतिनयन रोड परमोर मद्रास 8
में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डिस्ट्रिक रजिस्ट्रार 1
मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन 17-4-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही पुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अतद्वारा कार्यवाहियां पुरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आर० एम० सं० 1624/B, डोर सं० 1/30, पांतिनयन रोड,
एमोर, मद्रास-8 में न्यून 6 ग्राउन्ड्स 2026 स्क० फी० की
खाली भूमि।

के० वी० राजन
सक्षम प्राधिकारी
यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख : 13-8-74

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एस०—————

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महापक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय अर्जन रेज I, मद्रास

दिनांक 13 अगस्त, 1974

निंदण मं० 9/3/235/73-71—यत्. मुझे, के० वी० ग्रजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- भूमि से अधिक है और जिसकी मं० 1/30 है, जो पातियन रोड, प्रमोर, मद्रास-8 में स्थित है (आंग इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय ज्ञे० एम० आर०-II, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-12-1973

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

श्रृः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती वेंटवल्ली (या)

मिस० मी० प्रेम कुमार

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद हमेन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोव्यस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने वें लिए अर्धकार होगा।

स्वाक्षरीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभापित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आर० एम० मं० 1621/बी (भाग) में डोर सं० 1/30, पांचियन रोड, प्रमोर में स्थित 3 ग्राउन्ड्स की खाली भूमि।

के० वी० राजन
मध्यम प्राधिकारी
महापक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज I, मद्रास

तारीख 13-8-74

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० सी० आर०-IV/कल०/74-75—यतः, मुझे,
जारी वर्गिस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० पी०-336 है, जो सि० आई० टी० रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एसियो-
रेन्सेस, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 22-12-73

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तथ्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) द्रान्सपोर्ट कारपोरेशन आफ इन्डिया (प्राइवेट) लि०,
पी०-4, न्यू सी० आई० टी० रोड, कलकत्ता
(अन्तरक)

(2) श्री यामावतार बुन्दुनब्राता,
पी-214, सी० आई० टी० रोड, कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तक्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती वैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार द्वारा।

स्वाक्षरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया था।

अनुसूची

पी-336, सी० आई० टी० रोड, स्कीम सं० IV-एम०, 6 कक्षा 6 छटांक 23 स्क्वायर फीट जमीन उस पर बनाया और स्ट्राक चार्स।

जारी वर्गिस,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता,
54 रफी अहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 12-8-74

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 19 जून, 1974

निर्देश सं० ए० सी०-८१/आर०-४७/कल०/७४-७५—यतः,
मुझे जारी वर्गिस आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० खतियान सं० 1292, 1293 दाग सं० 644 है,
जो थाना, बरानगर, मौजा, बनहुगली में स्थित है और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार, काशीपुर, दमदम, कलकत्ता में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 22-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुमार
अन्तरित का गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
पथ्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, गंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
मीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
वृद्धिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या
उसमें बदलने के लिए सुकर बनाना; और/गा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अर्जन के लिए कार्यावाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा
अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मनिका मजुमदार,

9 मोतीलाल नेहरू रोड, कलकत्ता

(अन्तरक)

(2) श्री विक्रमाजित राय चौधुरी,

156, बी० टी० रोड, कलकत्ता-35 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध इसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को श्री जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैर के अधीन सूचना वी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1 बीष्ठा 4 कट्टा जमीन, थाना, बरानगर, मौजा बनहुगली,
खतियान 1292, 1293, दाग सं० 644, जिला 24-परगना
(जैसा दलिल मं० 8703, केस मं० 6637 में वर्णित है)।

जारी वर्गिस
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता
54, रफी अहमद किल्वार्ड, कलकत्ता-16

तारीख : 19-6-1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० पृ० ४३—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेज-IV, 54, रफ़ि अहमद किल्डवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 24 जून, 1974

निर्देश मं० ग० सी०-८२/आर०-IV/कलकत्ता/७४-७५—
यतः मुझे जर्ज वर्गिस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० 64/39 है, जो बेलगाछिया, रोड, कलकत्ता-37 में स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मध्य-रजिस्ट्रार आफ शियालदह, 24 परगना, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-12-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुभार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की वावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उभये बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) (i) श्रीमती शैलवाला धोप
(ii) श्री तपन कुमार धोप,
289ड, दग्गा रोड, कलकत्ता-17
(अन्तरक)
- (2) श्री अनाशवन्धु चक्रवर्ती,
64/44 वि०, बेलगाछिया कोड, कलकत्ता-37
(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी कर सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोव्याख्याती के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसा व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथापरिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8 कट्टा 2 लटांक 29 स्कूलेयर फिट खालि जमीन सं० 64/39, बेलगाछिया रोड, कलकत्ता-37, थाना उल्लाङ्गा, होल्डी मं० 3/4 मौजा बैलगाछिया, सब डिवीजन-VII, डिवीजन-II, डिलिपन्नान ग्राम, जिला 24 परगना,।

जर्ज वर्गिस
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-IV,
54, रफ़ि अहमद किल्डवाई कोड, कलकत्ता-16

ताकीद : 24-6-74

सोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय निरीकी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 जून 1974

निर्देश सं० जे-17/73(24) 33/129—यतः, मुझे, वी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि अस्थाई सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० प्लाट है, जो रातानाडारोड जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 दिसम्बर 21 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुमार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, द्वारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

4-226 GT-4

(1) श्री भूपत मिह पुत्र भौमसिंह राजपूत, हार्हकोट कालोगी जोधपुर (अन्तरक)

(2) श्री आनन्द प्रकाश पुत्र श्री शिवबक्ष गेहलोत, बारामण्डा-वता, जोधपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार छोगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुख्य रातानाडा रोड, जोधपुर पर स्थित जमीन का टुकड़ा, जिस का क्षेत्रफल 2265.39 जोधपुरी वर्गगज।

वी० पी० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख 24-6-1974

मोहर:

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 जून 1974

निर्देश सं० जे-17/73(24) 19/126—यतः मुझे, वी० पी० मित्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट है, जो जोधपुर में स्थित है (और इसे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में भागीदार रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 दिसम्बर 21 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपध्यारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (१) श्री भूपतसिंह पुत्र भीमसिंह राजपूत, हाईकोर्ट कालोनी, जोधपुर।

(२) मर्वंधी मेहराम पुत्र सावतगम 2 गोद्यनगम पुत्र लच्छागम विज्ञोई फिटकमानी, तै० जोधपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उत्तद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावर से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला घ्लाट, जो शिवगोड, रातानाडा मैन रोड के पास, जोधपुर, कुल थोक 2283, 41 जोधपुरी वर्गगज।

वी० पी० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 24-6-1974

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269प- (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

ग्रंजन रेज, जोधपुर

जयपुर, दिनांक 24 जून 1974

निर्देश सं० जे०-17/73 (24) 17/128—यतः, मुझे, वी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21 दिसम्बर 1973 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से धम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरण (अन्तरक) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उबत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से धर्यित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में वर्ती करने या उससे वर्तने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के गद्वारों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वा की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री भूपतसिंह पुल भौमसिंह, हाईकोर्ट कालोनी, जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री हरीराम, चोगाराम, वैवरराम विश्नोई, गुडाविशनडीयां तहा० जोधपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्थावरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रातानाड़ा में शिवरोड, जोधपुर में खुला प्लाट, कुल क्षेत्रफल 2295.69 जोधपुरी वर्गमाज।

वी० पी० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज जयपुर।

तारीख 24-6-1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेज, जोधपुर

जयपुर, तारीख 24-6-1974

निवेश सं० जे-17/73(24)18/127—यत्, मुझे, बी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की स० प्लाट है, जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21 दिसम्बर 1973 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग, के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) भूपति सिंह पुत्र श्री भौमिंह राजपूत, हाईकोर्ट कालोनी जोधपुर (अन्तरक)

(2) हरलाल पुत्र श्री अर्जनगम विश्वोई, फिटकासना तहसील जोधपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लाट नम्बर-बी, स्थित शिवरोड, रातानाडा, जोधपुर में है, कुल क्षेत्रफल 2277 57 जोधपुरी वर्गगज

बी० पी० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज जयपुर।

तारीख 24-6-1974

मोहर

प्ररूप आई टी एन एस——
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 25 जून 1974

निवेश स० जे-3/73(23) 12/18—यतः मुझे, वी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सधम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० प्लाट नं० 156 है, जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6 दिसम्बर, 1973 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाथा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किमी आय को बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बाबूलाल जैन पुत्र श्री मूल शाह जैन नि० आदर्शनगर, प्लाट नं० 222 जयपुर (अन्तरक)

(2) हीरादेवी पन्नि श्री मेवाराम जी चितोड़िया, आदर्शनगर जयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के प्रति आशेष, यदि कोई हो, तो :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में दिए गए आशेषों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आशेष किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आशेषों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथाग्रिभावित हैं, वहीं प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 156, फतेहटीबा, आदर्शनगर, जयपुर, कुल क्षेत्र 90 फिट × 50 फिट।

वी० पी० मित्तल,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख 25 जून 1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंजन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 28-6-1974

निर्देश स० ग्रा० 28/73 (23) 1/103—यतः मृ० वी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिस की मूल्य में मकान है, जो कस्बा छापर में स्थित है (आंग इसमें उपाबद्ध अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, सुजानगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11 दिसम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री जीवनमल पुत्र स्व० रूपचन्द्र ग्रोसवाल नाहटा साकिन छापर तह० सुजानगढ़ जिला चूरू (अन्तरक)

(2) सर्वश्री 1. विजयसिंह, 2. अम्पालाल पुत्रान श्री पूनम चन्द्र, जाती ओमवाल द्वारा, सा० छापर, तहसील सुजानगढ़, जिला चूरू (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय भुजे जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

कस्बा छापर मोहल्ला नाहटावास में स्थित 'अतिथिगृह' नामक मकान, कुल क्षेत्रफल 590 वर्गमीटर।

वी० पी० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
ग्रंजन रेंज, जयपुर

तारीख 28-6-1974

मोहर :

प्रख्या आई० टी० एन० एम०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जयपुर

जयपुर, तारीख 28-6-1974

निर्देश सं० जे-17/73(23) 16/122—यतः, मुझे, वी० पी० मित्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 421 है, जो सी० रोड, जोधपुर में स्थित है (ग्रो इससे उपाख्य अनुसूची में शीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15 दिसम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती इडुक्का डेविस पल्लि श्री सेम्बल, 421 '1' सी रोड सरदारपुरा, जोधपुर (अन्तरक)

(2) श्रीमती विमला देवी पल्लि श्री हंसस्वरूप गुप्ता, 59 जमवंतभवन, जोधपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यान्वयी शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 421, फर्स्ट सी रोड, सरदारपुरा, जोधपुर,
कुल प्लाट का क्षेत्रफल 3078 वर्गफीट, तहखाने का निर्मित क्षेत्र
215 वर्गफीट, एवं ग्राउन्ड फ्लोर का निर्मित क्षेत्र 1075 वर्गफीट।

वी० पी० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
अर्जन रेंज जयपुर

तारीख 28-6-1974

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयवत् (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, तारीख 17 जून 1974

निर्देश सं० यू-२/७३(२३) ८/९—यतः, मुझे, वी० पी०
मिस्त्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० जमीन का खला प्लाट है, जो उदयपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, उदयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13 दिसम्बर 1973

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुमार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे छचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-वा के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वा की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थात्:—

- (1) श्री केगर सिंह पुत्र श्री लक्ष्मणसिंह आडा, निवासी सहेलियों की बाड़ी के सामने, उदयपुर (अन्तरक)
- (2) भेमर्म—आनन्दकुमार एण्ड कम्पनी, उदयपुर (अन्तरिती)
- (3) केमर सिंह जी पुत्र श्री लक्ष्मणसिंह आडा, उदयपुर (वह यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए नारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सहेलियों की बाड़ी के सामने उदयपुर स्थित जमीन का प्लाट नं० ६ प/प्लाट का क्षेत्रफल 150 फीट×७५ फीट है।

वी० पी० मिस्त्र
सक्षम प्राधिकारी
महायकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जयपुर

तारीख 17-६-1974

मोहर :

प्रकृष्ट आई० ई० एन० गस० ——

1 श्रीमती मनिका मंजुमदार, 9 मोतिलाल नेहरू रोड, कलकत्ता
(प्रत्यक्ष)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संसाधन आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज IV कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 जन 1974

निर्देश सं० ग्र० सि० 80/आर-IV/कल०/74-75—यतः
मुझे जर्ज वर्गिस आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी
को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी खतियान मं० 1292, 1293 दाग मं० 644
है, जो धाना बरानगर, मौजा बनहुगली में स्थित है और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
के कार्यालय सब रजिस्ट्रार, कार्पोरेशन दमदम में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
22-12-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीक्षुत
विसेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्यास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे अचने के लिए सकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सकर बनाना;

धीर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याधारी शास्त्र करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आधेकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2 श्री विक्रमजित रायचौधुरी, 156 बि० टि० रोड, कलकत्ता-35
(प्रत्यस्ति)

को यह सुचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यान्वयिता शरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदूबाद किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एसदद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्पावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्तिको, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अस्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वकर्ता पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आपें की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होता ।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त संबोधों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

असाध्यी

1 विषा 4 कद्धा जमीन, थाना बरानगर, मौजा 'बनदुगली' खतियान 1292, 1293 दाग-644 जिला 24 परगणा (जैसा दलिल सं० 8702 केस सं० 6636 में घोषित है।)

जर्ज वर्गिस,
अमेरिका

तारीख: 19-6-1974

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज IV कलकत्ता

24 रफि महमद किल्डबाई रोड, कालकत्ता

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I,

शिलांग, तारीख अप्रैल 1974

निवेश सं० ए०-२६/ति० एस० के०/ए० आर०/७३-७४/—
यतः, मुझे, एन० पाचुओ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी मं० छाग सं० 2018, पि० पि० सं० 114 श्रेणी की अन्तर्गत है, जो तिनसुकिया टाउन, मौसा-तिनसुकिया, आसाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, तिनसुकिया में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1 दिसम्बर 1973 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीफ्रूट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकारी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मेसर्स तिनसुकिया डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड, तिनसुकिया (अन्तरक)

(2) मेसर्स डोयार्स ट्रान्सपोर्ट, तिनसुकिया (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितद्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पि०-३ का०-७. 4 लि० परिमाण कि जमीन डाग सं० 2018, पि० पि० सं० 114 कि अन्तर्गत और तिनसुकिया टाउन, मौसा तिनसुकिया, आसाम प्रदेश में है।

एन० पाचुओ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज शिलांग

तारीख - 4-1974
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० ई० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 अप्रैल 1974

निर्देश सं. बी-28/73 (24) 1/65—यतः, मुझे, बी० पी० मितल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है जिसकी सं० इमारत है, जो बीकानेर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बीकानेर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20 दिसम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर आधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

ओर यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री श्रीदास पुत्र श्री नारायणदास डागा बजरिये मखारे खास श्री हरिवास पुत्र श्री नारायण दास, बीकानेर (अन्तरक)

(2) महेश जनकल्याण द्रस्ट, डागा मोहल्ला, बीकानेर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती की दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

डागा मोहल्ला बीकानेर स्थित तीन मंजिला इमारत (कोटडी) का चौथा हिस्सा

बी० पी० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर,

तारीख : 22 अप्रैल 1974
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, तारीख 22 अप्रैल 1974

निर्देश सं० बी०-28/73(24) 3/67—यतः, मुझे, वी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० इमारत है, जो बीकानेर में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बीकानेर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20 दिसम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः, एवं, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपष्ठारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यवित्यों अर्थात् :—

(1) श्री हरिदास पुत्र श्री नारायणदास डागा, बीकानेर (अन्तरक)

(2) श्री महेश जनकल्याण द्रष्ट, डागा मोहल्ला, बीकानेर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उत्पद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उत्पद्धारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

उत्पद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, अक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डागा मोहल्ला बीकानेर स्थित तीन मंजिला इमारत (कोटडी) का चौथा हिस्सा

वी० पी० मित्तल
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 22-4-1974

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, तारीख 22 अप्रैल 1974

निर्देश सं० वी-28/73(24) 2/66—यतः, मुझे वी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-स्पष्टे से अधिक है और जिसकी मं० हमारत है, जो बीकानेर में स्थित (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बीकानेर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 दिसम्बर 20

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए है।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगमोहन पुत्र श्री नारायणदास डागा, बजरिए मुख्य-रेखास श्री हरीदास पुत्र श्री नारायणदास बीकानेर (अन्तरक)

2. श्री महेश जनकल्याण ट्रस्ट, डागा मोहल्ला बीकानेर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने के पूर्वांकित सम्पत्ति के अंजन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना हूँ। उक्त सम्पत्ति के अंजन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो सी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधीनी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अंजन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डागा मोहल्ला बीकानेर स्थित तीन मंजिला इमारत (काटडी) का चौथा हिस्सा।

वी० पी० मित्तल,
मध्यम प्राधिकारी
राहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 22-4-74

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, निरीक्षी महायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक, 22 अप्रैल, 1974

निर्देश म० वी-28/73 (24) 4/68—यतः मुझे, वी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी म० इमारत है, जो बीकानेर में स्थित है (ओर इसमें उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बीकानेर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 दिसंबर 20 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ढारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गंगादास पुल श्री नारायणदास डागा, बजरिए मुख्यारेखास श्री हरिदास पुल श्री नारायणदास बीकानेर (अन्तरक)

2. श्री महेश जन-कल्याण द्रस्ट, डागा मोहल्ला, बीकानेर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उत्थारा कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उत्थारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा गम्पति के अन्तरिती को दी जाएगी।

उत्थारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्तीं पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, अहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डागा मोहल्ला बीकानेर स्थित तीन मंजिला इमारत (कोटझी) का चौथा हिस्सा।

वी० पी० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 22-4-74
मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेज कानपुर का कार्यालय

कानपुर विनाक, 26 अप्रैल, 1974

निवेश सं० अर्जेन/58/कानपुर/3406/73-74/289—यतः, मुझे सी० एस० पाण्डेय आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन संबंधी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 32/86 है जो मनीराम बगिपा कानपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 6/12/73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री लाला गधेलाल अग्रवाल, 32/86, बगिपा मनीराम, कानपुर। (अन्तरक)

1. श्री विनोद कुमार अग्रवाल और अशोक कुमार अग्रवाल 77/150, स्वरूप नगर कानपुर, (अन्तरिती)

3 श्री परमानन्द, 32/86, बगिपा मनीराम कानपुर (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के निये एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेन के प्रति आक्षेप, यदि कोई कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तर्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जेन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 32/86 का 1/2 भाग स्थित मनीराम बगिपा कानपुर।

सी० एम० पाण्डेय,
मकान प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेज कानपुर

तारीख : 26-4-74
मोहर :

प्रेरूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, तारीख 26 अप्रैल 74

निर्देश सं० अर्जन/66/कानपुर/3728/73-74/290— यह मुझे, सी० एस० पाण्डेय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 88/114 है जो प्रेमनगर शिवसहाय रोड कानपुर, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14 दिसम्बर 1973 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 268-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विश्वम्भर नाथ पाण्डेय पुनर्श्री शिव रक्षक पाण्डेय ।

2. श्री कैलाशनाथ पाण्डेय पुनर्श्री शिव रक्षक पाण्डेय 3. श्री विश्वनाथ पाण्डेय पुनर्श्री शिव रक्षक पाण्डेय 4. श्री गणेश नाथ पाण्डेय ।

5. श्री सोम नाथ पाण्डेय ।

6. श्रीमती उमाशंकर पुनर्श्री श्री शिव रक्षक पाण्डेय ।

7. क० कृष्ण पाण्डेय पुनर्श्री श्री शिव रक्षक पाण्डेय ।

8. श्रीमती पुष्पाराजी अवस्थी पुनर्श्री श्री शिव रक्षक पाण्डेय ।

9. श्रीमती सत्य मिश्रा पुनर्श्री श्री शिव रक्षक पाण्डेय 10. श्रीमती कमला पाण्डेय विधवा श्री शिव रक्षक पाण्डेय । निवासी:—सभी 88/114, प्रेमनगर शिव सहाय रोड, कानपुर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती पदमकुमारी पत्नी सीताराम गुप्ता, 74/101, धनकुटी कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्वैहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 88/114, प्रेमनगर, शिवसहाय रोड, कानपुर

सी० एस० पाण्डेय
सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर
मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० पं० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 अप्रैल 1974

निर्देश मं० 55/अर्जन/कानपुर/73-74/139—यतः, मुझे
वाई० खोखा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिस की मं० 4-बी है जो मर्वोदिय नगर कानपुर में स्थित है
(और इससे उपबद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में भागीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
4 दिसम्बर 1973 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
घास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वापत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या [उसमें
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6-226GI/74

1. अनूप सिंह पुत्र श्री कृष्ण सिंह निं० 5 गुलिस्ता।

कालीनी लखनऊ (अन्तरक)

(2) श्रीमती सुदर्शन कौर पत्नी गुरुमणि सिंह 4 वी, मर्वोदिय
नगर, कानपुर (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि, बाद में
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और
उमकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों
की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

प्रार्थना :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 4-बी माप 1071 वर्गगज स्थित मर्वोदिय नगर,
कानपुर, विश्वास मूल्य 46000/- रुपया।

वाई० खोखा
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज कानपुर

तारीख : 15-4-1974 ,

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, तारीख 22 अप्रैल 1974

निर्देश सं० अर्जन/76/4034/73-74/1867—यतः मृद्दों,
आई० खोखर आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है
और जिसकी सं० 15/89 दी है जो सिविल लाइन्स कानपुर-।
में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 24 दिसम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकरण विलेख के अमुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के
लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269व के अनुसरण में मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती शिवदेवी श्रीवास्तव विधवा श्री वैजनाथ श्रीवास्तव, नि० 13/306 परमट कानपुर (अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्द्राशुक्ला पत्नी श्री कृष्ण चन्द्र शुक्ला, ग्राम खर्मेला तह० डेगापुर, जि० कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तान्तरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुखत शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 15/89 डी, मिशिल लाइन्स, कानपुर

वाई० खोखर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 22-4-1974

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बिहार, पटना

पटना, तारीख 6 फरवरी 1974

निर्देश सं० III-80/अर्जन/73-74/1553—यत् मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, बिहार, पटना, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम पदाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की म०नौजी न०-805 खाता न० 125, प्लाट-1077 है (जो बोरिंग रोड, पटना में स्थित है और इससे उपलब्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 25 दिसम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य अस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

श्री अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनिखित किए गए हैं ।

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थतः—

(1) विजय कुमार और श्री अजय कुमार, बल्ड-प्रोफेसर श्री वैद्यनाथ नई, डाक-बंगला रोड, थाना—कोतवाली पटना (अन्तरक)

(2) श्रीमती अर्जीत सिंह द्वारा श्री राम अवतार सिंह नई परिया, जक्कनपुर, थाना—कोतवाली, पटना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आश्रेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आश्रेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आश्रेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आश्रेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन और मकान रकवा, 6 कट्ठा बोरिंग कनाल रोड, पटना, तीजी न० 805, खाता—125, प्लाट न० 1077 ।

ज्योतीन्द्र नाथ
मक्षम पदाधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बिहार, पटना

तारीख : 6-2-1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 फरवरी 1974

निवेश सं० पी आर 80 एक्य० 23-123/14-6/73-74—
यत्. मुझे, पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है। और जिस की सं० सर्वे नं० 1995/41 है, जो महसाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महसाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6 दिसम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत्: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवान्नी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) तेजाजी पंजाजी डाकोर माल गोदाम महसाना पंचाल की विधवा मीडा तां महसाना (अन्तरक)
2. उदयनगर को० श्रोप० हाउसिंग सोसायटी की तरफ से प्रमुख कर्नेया लाल विठ्ठलदास सथपारा C/o नवीन चन्द्र गवल उच्चों भाटपांडो महसाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिमवा मर्वे नं० 1995/41 और माप 4791-10 चौ० बार है जो एस० टी० रोड महसाना में स्थित है।

पी० एन० मित्तल,
मक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

तारीख : 21-2-1974

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख 1 मई 1974

निर्देश सं० 95/ए सी क्य० 23-117/7-4/73-74—
यन मुझे पी० एन० मित्तन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मु० घ० न० 743/अ स 743/अ-1 मू०वार्ड न० 6 है, जो आशा नगर, नवमारी में स्थित है (और इसमें उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण स्वप्न में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवमारी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 दिसम्बर 1973

को पूर्वोक्त भम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाथा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 2) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यस: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती गान्तालेन—दीहभाई खंडुभाई देसाई की पत्नी (अन्तरक)

(2) श्री दिनेशचन्द्र चिमनलाल मेहता, आशानगर, नवमारी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधीय व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उसर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आशानगर मु० वार्ड न०-6 नवमारी, जिला बलसार में स्थित जमीन और मकान—मु० घर न० 743/अ से 743/अ-1 जिसका कुल माप 6348 वर्ग फुट है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1171, दिसम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नवमारी में लिखा है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 1-5-1974
मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, नारीख 10 जून 1974

निर्देश सं० 101/ए सी क्य० 23-92/19-8/73-74—
यतः मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नोंध नं० 2447 वार्ड नं० 7 है, जो सैयदपुरग चौकी स्ट्रीट, सूरत में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13 दिसम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपद्वारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रमणलाल मोती भाई पटेल (अन्तरक)

(2) श्री भोगी कान्जीभाई मिस्त्री (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना ह्रै ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नोकी स्ट्रीट सैयदगुरा सूरत में स्थित वार्ड नं० 7 नोंध नं० 2447 जमीन और मकान जिसका कुल माप 136 वर्ग गज मकान का निर्माण—ग्रा० फ्लोर 136 वर्ग गज, 1 ला, 2रा, 3रा ह्रै फ्लोर 640 वर्ग फुट और 4था फ्लोर पर 480 वर्ग फुट जैसा कि रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 4331 दिसम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत में लिखा है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम अधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख : 10-6-1974

मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II प्रहमदाबाद

अहमदाबाद तारीख 10 जून 1974

निर्देश सं० 102/ग सी क्य० 23-96/19-8/73-74—
यतः मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
स० वार्ड नं० 1 नोन्थ नं० 496 पैकी है, जो नानपुरा,
मेन रोड, सूरत में स्थित है (श्रीर. इमें उपाख्य अनुसूची में
और पूर्ण स्पृष्टि से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 29 दिसम्बर 1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-
कृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्पृष्टि से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सालेह नोमानभाई स्वयं और खदीजाबु नोमान
भाई, खैयुम नोमान भाई दाउदी नोमान भाई की ओर
में ताहेर मोहम्मद भाई स्वयं और खदीजा मोहम्मद
भाई, दाउदी मोहम्मद भाई की ओर से
दाउदी इमुफग्रीनी स्वयं और मरियाम तैयबजी हालिम
इसुफ अली खदीजा इब्राहीम श्रद्धुल कैयुम, अतेका
अलिभाई मलवारी, सुफिया इसूफी खेल्ला, फतेमा
तरब मोलीवाला और म्बैया इस्माईल मासेहभाई
(अन्तरक)

(2) मैं जयश्री लेण्ड डेवलपमेंट मिल्डिकेट के सहित्यारी—
मनीशन्नन्द जमनादाम शाह—चद्रकान्त देवजी भाई
(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए एतद-
द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नानपुरा मेन रोड सूरत में स्थित सम्पत्ति आई० नं० 1 नोन्थ
नं० 496 पैकी कुलमाप 539 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 4871 दिसम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
मूरत में लिखा है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 10-6-1974

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख 10 जून 1974

निर्देश सं० पी० आर० 103/ए सी क्य० 23-133/
19-8/73-74—यतः मुझे, पी० एन० मित्तल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- है से अधिक है
और जिस की सं० रे० स० नं० 13/2 और 14, वार्ड नं० 13
नोंध नं० 3 और 2, प्लाट नं० 4, 5, 6 और 7 है, जो विवाली बाग
ग्राम लाइन्स सूरत में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 17 दिसम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच सय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

- (1) सर्वेश्वी माणेकलाल भगवान्दास रेशमबाला
ग्रामबेन माणेकलाल रेशमबाला
बिनोद चन्द्र साकरनाल कार्पाडिया
शुभमालेन विनोदचन्द्र कार्पाडिया
मटुलाल रणछोड़ दास धड़ावा
जयवदन रमणिकलाल
वीरेन्द्र रमणिकलाल
नरेन्द्रकुमार बालुभाई पञ्चीगर (अन्तरक)
(2) प्रिन्सिपल ओफीसर स्थाश्रय बेनिफिट प्रा० नि०,
सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करसा हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गये आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, और उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुचि

दिवाली बाग, ग्राम लाईन्स, सूरत में स्थित जमीन रे० मर्ब नं० 13/2 और 14, वार्ड नं० 13 नोंध नं० 3 और 2—कुल 2306-1-2 वर्ग गज में से सब प्लाट नं० 4, 5, 6 और 7, हरणक प्लाट का माप 330 वर्ग गज और कुल माप 1320 वर्ग गज है जमीन पर नींव का निर्माण जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4413, 4415, 4416 और 4414 दिसम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूगत में लिया है।

पी० एन० मित्तल
मक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 10-6-1974

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-II

ग्रहमदादाद, दिनांक 12 जून 1974

निर्देश सं० 104/ए०मी०क्य० 23-112/198/73-74—

यतः मुझे पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और और जिसकी सं० वार्ड नं० 1, नींध नं० 717 है, जो भाटिया मोहल्लो (बन्दर मोहल्लो) सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्तुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 29 दिसम्बर 1973

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मेरे आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7—226G1/74

(1) श्रीमती सवीताबेन मदन लाल (अन्तरक)

(2) हन्द्रनील डिपार्टमेंट को० हा० मोसाईटी सूरत

की ओर से—

चेयरमेन—महेशचन्द्र छबिलदास मेहता मेक्टेटरी—नितिन नलिव कांत रवाला कमेटी मेंबर—गोपाल रावजीगव शिंदे। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाटिया मोहल्ला (बन्दर मोहल्ला) नानपुरा, सूरत में स्थित खुली जमीन वार्ड नं० 1, नींध नं० 717 जिसका कुल माप 167 अर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्री कूल विलेख नं० 4802 दिसम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत में लिखा है।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख 12 जून 1974

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेज-II

प्रह्लमदाबाद, दिनांक 12 जून 1974

निदेश सं० 105/ए०सी०क्य०-23-113/197/73-74—
यतः, मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० वार्ड नं० 1, नोंध नं० 718 है, जो भाटिया भोहल्लो (बन्दर मोहल्ला) सूरत में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 29-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती फुलमणीबेन बलवंतराम (अन्तरक)

(2) श्री इन्द्रनिल एपार्टमेंट को० हा० सोसाइटी (अन्तरिती) सूरत की ओर से—
चेयरमेन—महेश चन्द्र, छबिलवास मेहता सेकेटरी—नितिन नालिन कांत सवाला कमेटी मेंबर—गोपाल रावजीगव मिन्दे।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाटिया भोहल्ला (बन्दर मोहल्ला), नानपुरा सूरत में स्थित खुली जमीन वार्ड नं० 1 नोंध नं० 1/718 जिसका कुल माप 139 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4801 दिसम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी सूरत में लिखा है।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II अद्यमदाबाद

तारीख 12-6-74

मोहर :

प्रख्युप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12-6-1974

निदेश मं० 106/ए०मी०ब्य०-23/180/19-8/73-74-यतः, मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961, 1961 का 43 की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बार्ड नं० 1 नोंध नं० 715 और 716 है, जो भाटिया मोहल्ली (बन्दर मोहल्ला) सूरत में स्थित है (प्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री मदनलाल बलवन्तराम विवारिया (अन्तरक)

(2) श्री इन्द्रनिल एपार्टमेंट को० हा० सोसाइटी (अन्तरिती)
सूरत की ओर से
चेयरमेन—महेश चन्द्र हबिलदास भेहता
सेकेटरी—नितिन नलिन कान्त रुवाला
कमेटी मेम्बर—गोपाल रावजीराव शिंदे

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त वैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर में अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाटिया मोहल्ला (बन्दर मोहल्ला), नानपुरा सूरत में स्थित खुली जमीन बार्ड नं० 1 नोंध नं० 1/715 और 1/716 जिनका माप क्रमशः 134 वर्ग गज और 156 वर्ग गज है और कुल माप 290 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4803 और 4804 दिसम्बर 1973 का रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत में लिखा है।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

दिनांक : 12 जून, 1974

मोहर :

प्रलेप आई०टी०एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24-6-1974

निदेश सं० 108/ए०सी०ब्य० 23/181/19-7/73-74-
यतः, मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सभाम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० पु० वार्ड नं० 1, नोंथ नं० 1333 और 1334
पैकी प्लॉट नं० 2 है, जो नान पुरा, सूरत में स्थित है (शीर इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 26-12-1973 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच
तथा पाया गया ऐसे अस्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अनिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री जीवनलाल नेमूमल गोपी चन्द नेमूमल (अन्तरक)
- (2) श्री कमला बेन गोविन्दराम जयश्रीबेन नारायण दास (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षता करी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिक्षी को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुनि वार्ड नं० 1 नोंथ नं० 1333 और 1334 पैकी प्लॉट नं० 2 खंडी जमीन जो नानपुरा (मजुरा गेट जाने वाले रास्ते पर) सूरत में स्थित है जिसका माप 600 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4668 दिसम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी सूरत में लिखा है :

पी० एन० मित्तल
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 24 जून 1974

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेज-II

अहमदाबाद, दिनांक 24-6-1974

निर्देश स० III/ए०सी०क्य० 23-93/19-8/73-74-यतः मुझे, पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० मुनि० वार्ड नं० 7 नोंध नं० 4104 है, जो उनापाणि रोड, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विशेष के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाथा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा प्रभिलिखित किए गए हैं।

अतः मैं, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री होगमशा फारमरोश दाहवाला (अन्तरक) दिल्ली गेट, उनापाणि रोड, सूरत।

(2) श्री चंद्रलाल जीवाभाई पटेल (अन्तरिती) हंस मोसाइटी, वरांछारोड, सूरत।

(3) श्री प्रबीन इच्छाराम गांधी

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए एतद्वारा कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुनि० वार्ड नं० 7 नोंध नं० 4104 पर उनापाणि रोड सूरत में स्थित संपत्ति—जमीन तथा पुराना मकान, जिसका माप 134 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4217 विसम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत में लिखा है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 24-6-74

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज —II

अहमदाबाद, दिनांक 24-6-1974

निर्देश सं० 107/ए०सी०क्य०-23-98/19-8/73-74-यतः मुझे, पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० म्य० वार्ड नं० 10, नोंध नं० 1489 है, जो मोटीपोल, गोपीपुरा, सूरत में स्थित है (और इसमें उपावन्द प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यसे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्ति आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के पादों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षयों अर्थात् :—

- (1) श्री कुमुद चन्द्र बाबुसोई सरकार
प्रवीन चन्द्र बाबुभाई सरकार (अन्तरक)
(2) श्री गोरी छाया एपार्टमेंट्स को० हा० सोसाइटी

सूरत की ओर से उस को—

1. चेयरमेन—राजेश बाबुभाई दामनिया
2. सेक्रेटरी—विजयकुमार केशवलाल शाह
3. मेंबर—सुभाष कांती लाल चोकसी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना की गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने का अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मोटीपोल गोपीपुरा सूरत में स्थित जमीन मुनि० नं० 10 नोंध नं० 1489 शीट नं० 58, जिसका माप 159 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4894 दिसम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी सूरत में लिखा है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

तारीख : 24 जून 1974

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय : सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 27 जून, 1974

निदेश सं० 112/ए० सी० क्यू० 23/183/19-8/73-74—
यतः मुझे, पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मर्वे नं० 63/1 प्लॉट नं० 36 से 42 और 43 मे० 50 तक है जो उमरा चौरासी, सूरत में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 26-12-1973

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिपक्ष, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या क्षन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अप्रिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री/श्रीमती/कुमारी में स्वस्तिक हाउसिंग कोपोरेशन सूरत की ओर से सहीयारी छोटु भाई नरोत्तमभाई पटेल, गगन भाई अम्बा भाई, करमन भाई अम्बा भाई, नथुभाई गणेश भाई, वनमाली भाई, भिका भाई, सविताबेन, जगाभाई, पटेल, भुली बेन, जगाभाई परसोत्तमभाई की विधवा (अन्तरक)

(2) श्री/श्रीमती/कुमारी किरणदीप को-श्रीपरेटिव हा० सोसाइटी सूरत की ओर से प्रमुख—शान्ताबेन जयनीलाल दामकिया मंत्री—डा० नाथुभाई छगनलाल भंडारी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उमरा, चौरासी जिला सूरत में स्थित जमीन सर्वे नं० 63/1 12. 20 एकड़ पैकी प्लॉट नं० 36 से 42 जिसका माप 1239.52 वर्ग गज और प्लॉट नं० 43 से 50 तक जिसका माप 1784-87 वर्ग गज, कुलमाप 3024 वर्ग गज है। जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4620 और नं० 4619 दिसम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत में लिखा है।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेंज, II अहमदाबाद

तारीख : 27-6-1974

मोहर :

प्रलूप आई०टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन-रेज-I

अहमदाबाद दिनांक 17 जून 1974

निवेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-84/1-1/74-74—यतः
मुझे जे० कथूरिया आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 380/1 सब प्लाट नं० 5 और 6, एफ० पी० नं० 93, टी० पी० एस० नं० 10 है जो रखियाल, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विभाग के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैसर्स पनामा टैक्सटाइल मिल्स के भागीदार 1. श्री प्रबोध चन्द्र पाना चंद शाह 2. श्री कमलेश कुमार पानाचंद शाह 3. श्री कीरीर कुमार पानाचंद शाह 4. श्री जनक कुमार प्रबोध चंद शाह 5. श्रीमति शाँतवेन तानाचंद शाह

फैक्टरी का नाम:—नाभरवेल हनुमान जलाराम एस्टेट के सामने रखियाल अहमदाबाद-23।

आफिस का पता:—183 न्यू क्लायर मार्केट
अहमदाबाद 2 (अन्तरक)

(2) मैसर्स अस्पीएफ टैक्सटाइल मिल्स 5, पंचायत भवन भद्र अहमदाबाद। (अन्तरिती)

अधिभाग में सम्पत्ति है।

(4) गुजरात स्टेट फाईनांशल कारपोरेशन (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियम किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उस तमाम स्वतंत्र-मालिक जमीन के भाग तथा खण्ड जो रखियाल में स्थित है और मौजा रखियाल सिटी तालुका रजिस्ट्रेशन डिस्ट्रिक्ट व उप डिस्ट्रिक्ट अहमदाबाद के सर्वे नं० 380/1 के सब प्लाट नं० 5 और 6 हैं और जो टाउन प्लार्निंग स्कीम नं० 10 का फायनल प्लाट नं० 93 है और जिसका क्षेत्रफल क्रमशः लगभग 1803 तथा 1850 वर्गगज है जिसके साथ सदूक का 326.2/3 वर्गगज अविभक्त भाग है और जो मकानियत के साथ है और जिसका सब प्लाट नं० 4 सर्वे नं० 380/1 गांव रखियाल टी० पी० स्कीम नं० 10 फायनल प्लाट नं० 93) पर भी मकानियत है और जिसके साथ ब्वाइलर चिमनी बोरिंग इलेक्ट्रिक फिटिंग है, और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं—

पूर्व	सबप्लाट नं० 5	सब प्लाट नं० 6
पश्चिम	प्लाट नं० 4	प्लाट नं० 4
उत्तर	प्लाट नं० 6	टी० पी० स्कीम का रास्ता
दक्षिण	20 फुट का रास्ता	20 फुट का रास्ता
	फायनल प्लाट नं० 92	फायनल प्लाट नं० 92

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
तारीख: 16-7-74, अर्जन रेज I, अहमदाबाद
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत मंग्कार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 अहमदाबाद का कार्यालय

अहमदाबाद दिनांक 1 जून 1974

निदेश मं० प०मी०क्य०/23-I-170/16-1/74-75—यतः, मुझे जै० कथृत्या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 2500/-रुपये से अधिक है और जिसकी मं० सर्वे न० 244 का हिस्मा है, जो पावर हाउस के निकट धोराजी जिला राजकोट मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धोराजी मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-12-1973 को पूर्वान्तिक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वान्तिक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिनियम किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—226GI/74

(1) श्री पटेल वीरा करमणी खालाकड़ प्लाट धारोजी जिला गजकोट। (अन्तरक)

(2) श्री मोहन नाल गोकुल दाम पटेल मैमर्स पाटीदार आवाल के उन्डस्ट्रीज के भागीदार भाकुंभाजी परा धोराजी जिला गजकोट। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेप, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए सारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वान्तरी पैग के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्थानिकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 11616 वर्गगज है और जिसका मर्वे न० 244 (धारा) है जो पावर हाउस के निकट धोराजी जिला राजकोट मे है और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित है :—

पूर्व :—मर्वे न० 244 का हिस्मा।

पश्चिम :—गर्वनमेंट बेस्ट लेन्ड

उत्तर :—जामभाई नाधाभाई का प्लाट

दक्षिण :—जीवा देशवी की जमीन

जै० कथृत्या
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 अहमदाबाद

तारीख : 1-6-1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 जून 1974

निर्देश मं० पा० सी० क्य० 23-I-87/16-6/73-74—यतः
मुझे जे० कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी मं० सर्वे नं० 189, प्लाट नं० 11 और 12 है, जो
राजमोती इन्डस्ट्रीज के निकट, भावनगर रोड, गजकोट में स्थित
है (और इससे उपावच्छ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, गजकोट में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-12-73
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैसर्ज मोगझरीया ब्रदर्स के भागीदार : (1) श्री कुरजी खेंगज मोगझरीया, 8, मीलपग, गजकोट।
(2) श्री दीनीपकुमार एंगराजभाई मोगझरीया दुर्लभ मेन्जन करनसींजीरोड, गजकोट। (अन्तर्गत)
- (2) टीम्को प्राइवेट लिमिटेड, गजमोती इन्डस्ट्रीज के निकट, भावनगर रोड, गजकोट। मैनेजिंग डायरेक्टर श्री अनिल कुमार नगरीदास पटेल डायरेक्टर श्री कृष्णकान्त चुनीलाल पटेल।

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति (वांधकाम महिन) जिसका क्षेत्रफल 2197 वर्ग गज है और जिसका सर्वे नं० 189, प्लाट नं० 11 और 12 है, और जो गजमोती इन्डस्ट्रीज के निकट भावनगर रोड गजकोट में स्थित है और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं :

- पूर्व : सर्वे नं० 189 की जमीन
पश्चिम : 40 फुट का रास्ता
उत्तर : 40 फुट का रास्ता
दक्षिण : 40 फुट का रास्ता

जे० कथूरिया,
मध्यम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

नामीन : 1-6-74
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 मई 1974

निर्देश सं० 860/73-74—यतः मुझे, ए० रागवेन्द्र राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० 140, कलाक्षेत्र कालोनी, तिरुवाण्मयूर पन्चायत, मद्रास है, जो.....में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सैदापेट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-12-73

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डॉक्टर एन० सिवरवामु, उपासिका काट्टेज, मद्रास-20
(अन्तरक)

(2) एन० वेन्कटसुंदरमनियन, सं० 3, प्रित्वि अवन्नू, मद्रास-18 ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, तिरुवाण्मयूर पन्चायत कलाक्षेत्रा कालोनी डोर सं० 140 में 8, 65 ग्राउण्ड का भूमि (मकान के साथ)

ए० रागवेन्द्र राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 30-5-74
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज-II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 30 मई 1974

निर्देश सं० 863/73-74—यतः, मुझे, प० रामबेन्द्र गव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 14, श्रीनगर कालोनी, मैदापेट मद्रास-15 है, जो.....में स्थित है (श्रीर हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैदापेट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 13-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति या उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयनकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यस: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री मुम्टाज अहमद, 11/1 प्रकाश मुदलि स्ट्रीट, मद्रास-17 (अन्तरक)
- (2) श्री मी० एम० सिवानण्डन सं० 14, श्रीनगर कालोनी मद्रास-15। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यालयी शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र पर प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अस्तित्व को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-15, मैदापेट, श्रीनगर कालोनी डोर सं० 14 में 3.85 ग्राउण्ड का भूमि (मकान के माथ)।

प० रामबेन्द्र गव,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 30-5-1974
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेज, हैंदगबाद

हैंदरगढ़ा, दिनांक 13 जन 1974

पं० श्रार० ए० सी० 17/74-75—यतः, मुझे एस० बाल
मुद्रमण्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का वारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी संख्या 4-8-80/मी खम्म है, जो खम्म में स्थित है (और
इसमें उपावढ अनुसूची में श्रीरूप्ण स्पृष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय खम्म में भागीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन

10-12-1974 को पूर्वोदत मम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से बम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और भुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) वे वीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निरन्तरित रद्देश्य से उबत अन्तरण लिखत में वास्तविक स्पष्ट से कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण में हुई विसी आय की बाबत आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकार बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुक्र बनाना ।

और यत्., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के ग्रन्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही पुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अत अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री भौतगिरी सूर्य प्रकाश राव पुत्र नारायणा
भेल्लान्दु, वालू को, खम्म जिला (अन्तरक)

(2) श्री आनंदाकुरी लच्चव्याता तथा अन्य 10 व्यक्ति ग्रेन
मार्केट रोड, खम्म (मलग्न प्रति) (अन्तरिती)

को यह सूखना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-
प्राया कार्यवाहियाँ शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन
के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गये आक्षेपी, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिति को दी जायेगी।

पतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना वी गई है, आखेपों की सन्तार्हि के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस जी

सम्पत्ति: नं० 4-8-80/सी खम्म, "कन्यका परमेश्वरी दाल
फलोवर गायत्र तथा ग्राउंडनट आईल मिल, धहीर पुरा, खम्म
(क्षेत्रफल 5173.90 वर्ग मीटर) ।

एम० मालसुब्रमण्यम्,
सक्षम प्राधिकारी,
कर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 जून 1974

निर्देश सं० आर० ए० सी० 16/74-75—यतः मुझे प्रृष्ठा बालसुब्रमण्यम्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 9/289, बी-1 और बी-2, पट्टीचालमन्डा स्ट्रीट है, जो कड़पा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भी और पूर्ण रूप से वर्णित है), कड़पा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भी और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कड़पा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यस: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

(1) श्री बी० बेकट्ट० रसच्या, (2) नरसच्या पुत्र पिच्चय्या,
(3) पी० बेन्कट्टसुब्बय्या (4) जाम्प्पा पुत्री वाय
राज रेड्डी (5) वाय राज सेखर रेडी (6) जिका
चन्द्राय्य० (अन्तरक)

(2) (1) श्री पी० कृष्णामूर्ति पुत्र पी बेन्कट्प्पा,
(2) ए० वेंक तुलसम्मा पत्नी वे० नरसू, (3) ए०
ललीतम्मा पुत्री ए० निम्मय्या (4) ए० मु रुकिमनम्मा
पत्नी ए० रंगनाथन्, (5) पी० आदी लकम्मा
पत्नी पी० रामप्पा, 9/289/बी-1 पट्टी पाटी चाल-
मय्या स्ट्रीट, कड़पा । (अन्तरिती)
(7) जो लक्ष्मीनारायण पुत्र पुलमय्या 9/289/बी-1
और 13-2 पट्टी पाटी चालमम्मा स्ट्रीट, कड़पा ।
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में प्रयोगिक अस्तित्व है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—श्रीनिवास पिक्कर्स प्लाइस नं० 9/289/बी-1
श्री बी-2, पट्टी चालमम्मा स्ट्रीट, कड़पा ।

एस० बालसुब्रमण्यम्,
सक्षम प्राधिकारी,
तारीख : 13-6-74 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर : अर्जन रेज II, हैदराबाद

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 जून 1974

निर्देश सं० 75/अर्जन/73-74/4014/903—यतः मुझे, आई० खोखर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पष्ट से अधिक है और जिसकी सं० 108/186 है, जो रामबाग कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), है, जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 24/12/74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे हांग अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर, अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथम:—

(1) श्री श्यामा निगम पत्नी मनोहरलाल, (2) श्री कमलाकान्त पुत्र मनोहरलाल, (3) श्री रमाकान्त पुत्र मनोहर लाल—मभी निवासी: 108/186, रामबाग कानपुर। (अन्तरक)

2 (1) श्री गिरजा शंकर तिवेदी, (2) श्री कृपाणंकर तिवेदी (3) श्री श्रमोक कृमार तिवेदी (नावानिग), (4) श्री मजम तिवेदी (नावालिग) —मभी निवासी : 108/186, रामबाग, कानपुर। (अन्तरिती)

वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है:—

3 (1) श्री कुलबीर मिह, (2) श्री कल्याण सिंह, (3) श्री गुरुप्रसाद (4) श्री गुरुचरन, (5) बालेश्वर, (6) श्री हंसराज चावला, (7) श्री प्रकाश नरायन, (7) श्री मुमलाल सभी निवासी : 108/186, रामबाग, कानपुर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका म्युनिसिपल नं० 108/186, रामबाग, कानपुर में मिथ्य 45,000 में बेचा गया।

तारीख: 14-6-74

मोहर :

वाई० खोखोर,

सकाम प्राधिकारी,

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

स्टेनोग्राफर प्रेड I सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1975

नई दिल्ली, दिनांक 7 मिन्हवर 1974

मं० प्र० 13/10/73 ई-१ (बी) —भारत के राजपत्र दिनांक 7 मिन्हवर, 1974 में संविमंडल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुमान केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा के प्रेड I की चयन सूची में सम्मिलित करने हेतु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा बन्धवी, कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास, नागपुर तथा विदेश स्थित कुछ चुने हुए भारतीय भिन्नताओं में 11 मार्च, 1975 से एक सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारम्भ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश के लिए स्थीरत उम्मीदवारों को सूचित किया जाएगा कि उन्हें कहाँ, किस समय और किस तारीखों को उपस्थित होना है (देखिये उपार्वध II, पैराग्राफ 9)

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा के प्रेड I की चयन सूची में सम्मिलित करने हेतु चुने जाने वाले उम्मीदवारों की अनुमानित संख्या 20 होगी।

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

इन गिकियों में से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित संख्या के अनुसार किया जाएगा।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण एक रूपया भेज कर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह गणि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर कृपया उम्मीदवार का नाम और पना तथा परीक्षा का नाम स्पष्ट अक्षरों में लिखा होना। चाहिए। मनीआर्डर के स्थान पर पोस्टल आर्डर या चैक या कर्मसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर एक रूपया नकद देकर भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

एक रूपए की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

सोट :— उम्मीदवारों को वेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र स्टेनोग्राफर प्रेड I सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1975 के लिए निर्धारित मुक्ति प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। स्टेनोग्राफर प्रेड I सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1975 के लिए निर्धारित-प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

4. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, मंघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर, हाउस नई दिल्ली-110011 के पास 4 नवम्हर, 1974 को या उससे पहले (4 नवम्हर, 1974 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह और लक्षद्वीप से रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 18 नवम्हर, 1974 तक) अवश्य पहुँच जाना चाहिए।

निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जायेगा।

5. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को उपार्वध I में निर्धारित परीक्षा शुल्क का भुगतान उसमें निर्दिष्ट रीति से अवश्य करे।

जिस आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होती उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो उपार्वध I के पैराग्राफ 2 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

6. उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर वेने के बाद उम्मीदवारी वापस सेने से संबंध उसके किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

मं० प्र० प्र० प्र० प्र० प्र० प्र०
उप-सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

उपार्वध-I

1. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को शुल्क के रूप में रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 7.00) की राशि का रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आईंगे द्वारा भुगतान अवश्य करें।

आयोग उन उम्मीदवारों के मामलों को छोड़कर जो आवेदन-पत्र भेजने समय विवेशों में रह रहे हों, अन्यथा किए गए भुगतान को स्वीकार नहीं करेगा। ऐसे उम्मीदवार निर्धारित शुल्क की राशि संबद्ध भारतीय भिन्नताओं में जमा कर सकते हैं।

2. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस वान में संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964, को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व भूलपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से भारत आया हुआ बास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या बर्मा से बास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलन : भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है या वह श्रीलंका (भूलपूर्व लंका) से बास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलन : भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्हर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में भी है।

3. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो तो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया, उसे रु० 15.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के मामले में रु० 4.00) की राशि वापस कर दी जाएगी।

उपर्युक्त ध्यावस्था तथा नोटिस के पैरा 8 में उपबंधित ध्यावस्था को छोड़कर अन्य किसी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

उपाधन-II

उम्मीदवारों को अनुबंध

1 इस नोटिस के पैरा 3 में उल्लिखित रीति द्वारा इस परीक्षा में सबद्ध नोटिस, नियमावली आवेदन-प्रवत्त तथा अन्य विवरण मध्य नोक सेवा आयोग के कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं।

उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रवत्त भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़ कर यह बेख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः उन्हें हुए स्थान में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि कोई उम्मीदवार किसी विदेश स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता हो तो उसे अपनी पसद के क्रमानुसार दो अन्य भारतीय मिशनों (वह स्वयं जिस देश में हैं उससे भिन्न देशों में स्थित) के नाम भी बैकलिंपक केन्द्रों के रूप में देने चाहिए। उम्मीदवार को, आयोग यदि आहे तो, उसके द्वारा उल्लिखित तीन मिशनों में से किसी भी एक में परीक्षा में बैठने के लिए बहु सकता है।

नोट :—उम्मीदवारों को अपने आवेदन प्रपत के बालम 6 में उस भाषा के नाम का स्पष्ट उल्लेख करना चाहिए जिसमें वे (1) भारत सरकार सचिवालय तथा सबद्ध कार्यालयों में किया विधि तथा कार्य प्रणाली, (ii) भारतीय सविधान तथा सरकारी मशीनरी का सामान्य ज्ञान, ममद से सम्बन्ध कार्य प्रणाली तथा क्रियाविधि और (iii) उक्त परीक्षा की नियमावली के परिषिष्ट के पैरा 4 के अनुसार सामान्य ज्ञान के प्रश्न-पत्रों के उत्तर देना चाहते हैं। एक बार दिया गया विकल्प अंतिम समझा जाएगा, तथा उक्त कालम में परिवर्तन करने से सबद्ध किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा। यदि उक्त कालम में कोई प्रविष्टि नहीं की जाती है तो यह मान लिया जाएगा कि उक्त पत्र (पत्रों) के उत्तर अपेक्षी में सिखे जायेंगे।

(iv) भरा हुआ आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड सचिव, मध्य लोक सेवा आयोग, ध्वीपमुख वात्सल्य, नई दिल्ली-110011 को भेजा जाना चाहिए ताकि वह उनके पास नोटिस में निर्धारित अनिम तारीख तक प्रवश्य पहुच जाए।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाला कोई भी आवेदन-पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अडमान एवं निकोबार द्वीपमुख में रहने वाले उम्मीदवार से आयोग यदि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 4 नवम्बर, 1974 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अडमान एवं निकोबार द्वीपमुखों या लक्षद्वीप में रह रहा था।

उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र सबद्ध विभाग या कार्मालय के अध्यक्ष की मार्फत भेजना चाहिए जो आवेदन-पत्र के अत में दिए गए प्राठाकान वो भर नग आयोग को भेज देगा।

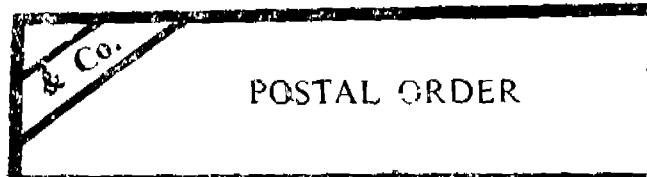
3 उम्मीदवार ना अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाणपत्र अवश्य भेजने चाहिए —

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर (देखिए उपाधन I)।
- (ii) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 मी० मी० 7 मी० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ।
- (iii) जहा लागू वहा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन-जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
- (iv) जहा लागू हो वहा शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।

नोट :—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतिलिपियाँ ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हो अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार आशुलिपि परीक्षण परिणाम के आधार पर अहंता प्राप्त कर लेते हों उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के सुरक्ष बाब उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की मूल रूप में प्रस्तुत करते हों, उनको उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और वे उम्मीदवार पुनः विचार किए जाने का बाबा नहीं कर सकते।

मद (i) से (ii) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (iii) और (iv) से उल्लिखित प्रमाण-पत्रों का विवरण पैरा 4 और 5 में दिए गए हैं।

(1) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर-प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यत इस प्रकार रेखांकित किया जाए।



तथा इस प्रकार भरा जाए। "Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi, General Post Office"

फिसी अन्य डाकबर पर देश पोस्टन आउंड फिसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विस्तृत या एटेंफटे पोस्टल प्राईर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

मधी पोस्टल प्राईरों पर जर्मी बरने वाले पोस्ट भास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकबर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह ग्रावर्ड नोट दूर नेता चाहिए, कि जो पोस्टल प्राईर न तो रेखाप्रिण्टिंग गए हाँ और न ही मन्त्रिव, मंध लोड़ भेजा आयोग वो नई दिल्ली के जनरल डाकबर पर देग हाँ, उन्हें भै जना सुरक्षित नहीं है।

नोट.—जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजने समय विदेश में रह रहे हों, वे निर्धारित शुल्क को राशि (रु 28.00 के बगाबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु 7.00 के बगाबर) उस देश में स्थित भारत के उच्च अधिकार, राजदूत या प्रतिनिधि के वार्यालिय में जमा करवा भरने हैं और उनमें इहा जाएँ तो उस राशि को ऐसा जीर्ध “051 Public Service Commission-Examination Fee,” में जमा करने दें। उम्मीदवार उस वार्यालिय में रुपीद ने रु आवेदन-पत्र के साथ भेजें।

(ii) **फोटो की दो प्रतियाँ**—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आवार (लाभग 5 में ० मी० ५ × ७ मी० ५) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-प्रपत्र के पहले पृष्ठ पर चिन्हां देनी चाहिए और दूसरी प्रति शावेदन-पत्र के साथ अच्छे तरह सत्यी दर देनी चाहिए। फोटो को प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्थानी से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान बें—उम्मीदवारों को नोटावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ फोटो वी प्रतियों को प्रस्तुत नहीं फ़ा या जाता और उनकी अनुपस्थिति के लिए कोई उचित स्पष्टीरण नहीं दिया जाता तो आवेदन-पत्र अस्वीकार दिया जा सकता है तथा उसकी अस्वीकृति के विस्तृद्वयी अपील पर विचार नहीं दिया जाएगा। आवेदन-पत्र के साथ न प्रस्तुत विण गए प्रमाण-गव आवेदन-पत्र प्रस्तुत दिए जाने के बाद यीधी ही भेज दिए जाने चाहिए और वे हर हालत में आयोग वें वार्यालिय में आवेदन-पत्र स्वीकार बरने की अंतिम तारीख में पात्र महीने के भीतर अवश्य पहुँच जाने चाहिए, अन्यथा आवेदन-पत्र अस्वीकार दिया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार फिसी अनुसूचित जाति गा अनुसूचित जन जाति दो होने का दावा दरे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर से रहते हों, जिना अधिकारी या उप मण्डल अधिकारी या निभनलिंगित विभी अन्य ऐसे अधिकारी से जिसे सबल राज्य सरकार ने अद्व प्रमाण-पत्र जारी दरने के लिए नक्षम अधिकारी के रूप में नामित फ़ा या हो, नीति दिए गए, कार्य में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिनिधि प्रस्तुत दरसी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहाँ उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न फिसी अन्य प्रयोजन में आम तौर पर रहता हो।

भारत सरकार के इद्दों दर नियमित के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का कार्य :-

प्रमाणित दिया जाता है कि श्री/प्रीमती/कुमारी*—
सुपुत्र/सुपुत्री/श्री*—जो* गांव/वास्त्रा*—
जिला/मण्डल*—राज्य/मंध राज्य क्षेत्र*—
के/की* तिवारी है—जाति/जन जाति* के/की* है जिसे निभनलिंगित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति* के स्थान में मान्यता दी गई है —

वस्त्रई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, तथा पजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, के माथ पठिए अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों को सूचिया (संशोधन) आदेश, 1956*

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956 ।*

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपमण्डल) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959 ।*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962 ।*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962 ।

संविधान (पाडिकेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1961 ।*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967 ।*

संविधान (गोआ, दमन तथा दिल्ली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968 ।*

संविधान (गोआ, दमन तथा दिल्ली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1968 ।*

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970 ।*

2. श्री/श्रीमती/कुमारी—
ग्रीष्मी उत्तर परिवार अन्य तौर से गांव/कस्त्रा—
जिला/मण्डल—में
राज्य/मंध राज्य क्षेत्र—में
रहने/रहनी है।

हस्ताक्षर
पद नाम—
कार्यालय की मोहर

स्थान—
तारीख—

राज्य

संघ राज्य लेख

जो शब्द लागू न हो उन्हें कृपया दूर करें।

नोट.—यहाँ “आमतौर से रहते/रहनी हैं” वा अर्थ वह होगा जो “रिप्रेजेटेशन आफ दि पीपुल प्रकट, 1950, की धारा 20 में है। अनुमूलिक जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए प्रक्रिया की

- (i) जिला मैजिस्ट्रेट/प्रतिरिक्षित जिला मैजिस्ट्रेट/तालेंटर/
- डिप्टी कमिशनर/एडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलैंटर प्रथम श्रेणी का स्टाइप डोरी मैजिस्ट्रेट/मिटी मैजिस्ट्रेट/सब डिविजनल मैजिस्ट्रेट/तालूक मैजिस्ट्रेट/एक्सीजनल क्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा अमिस्ट्रेट विभिन्न

† (प्रथम श्रेणी के स्टाइप डोरी मैजिस्ट्रेट से बहुत दूर नहीं)

- (ii) चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेंसी बैंजिस्ट्रेट
- (iii) नेवेन्यु अक्सर, जिला ओवरार तहसीलदार में बहुत होता है।
- (iv) उमराके वा सब-डिविजनल अक्सर जहाँ उमरीदार वार और/या उमरका परिवार आम तौर पर रहता है।
- (v) एक्समिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर वा मन्त्रिक/इवलप-मेट अक्सर (लक्ष्य द्वारपम्भ)।

5. उपाख्यध 1 के पैराग्राफ 1 के अन्तर्गत शुल्क में छूट वा दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान में विस्थापित व्यक्ति को निम्न-लिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान में वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 को अथवा उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व प्रव्रजन वा भारत आया है—

- (1) दंडकारण्ड परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित महायता णिविरो के कंप्य कमाडेट।
- (2) उमर क्षेत्र वा जिला मैजिस्ट्रेट जहाँ वह उम समय निवास कर रहा है।
- (3) सबद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अतिरिक्षित जिला मैजिस्ट्रेट।
- (4) अपने ही कार्यभार के अधीन, सबद्ध सब-डिविजन का मन्त्रिक/डिविजनल अक्सर।
- (5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिमी बगाल/निदेशक (पुनर्वास), कलकत्ता।

उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(II) उपाख्यध 1 के पैराग्राफ 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहने वाले श्री संका (भूतपूर्व लंका) से प्रयावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) में भारत के उच्च आयुष्मत के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो प्रकटबार, 1964 के भारत श्रीलंका ममझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है।

उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के निसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य के लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(III) उपाख्यध 1 के पैराग्राफ 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहने वाले वर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजद्रव्यावास, रानु झाग दिए गए पहिचान प्रमाणपत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया, है अथवा उसे जिम क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

6. उमरीदारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा व्यौरा न दें और न ही किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाए।

उमरीदारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे जो भी प्रत्येक प्रस्तुत करे या उसकी प्रतिलिपि की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में ठीक नहीं करें, उसमें परिवर्तन नहीं करें, फेरबदल नहीं करें और न ही फेरबदल किए गए झूठे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों या उनकी प्रतिलिपि में को अशुद्धि अथवा विमंगति हो तो विमंगति के सर्वध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

7. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्र ही अमुक नारीख को भेजा गया था। आवेदन-पत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

8. यदि परीक्षा से संबद्ध आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आस्थिरी तारीख से एक मास के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती काई न मिले तो उसे पावनी प्राप्त करने के लिए आयोग से तकाल संपर्क स्थापित करना चाहिए।

9. इस परीक्षा से प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदनपत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम क्रम सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के आरम्भ होने की तारीख से एक महीने पहले, तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग में कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तकाल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने भास्त्र में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

10. परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा उम्मीदवारों को कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा।

11. आवेदन-पत्र से संबद्ध पत्र-ध्यानहार :—आवेदन-पत्र से संबद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धोलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा व्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाए :—

(1) परीक्षा का नाम।

(2) परीक्षा का महीना और वर्ष।

(3) रोल नंबर (अथवा उम्मीदवार की अन्म तिथि यदि रोल नं० सूचित नहीं किया गया हो)।

(4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)।

(5) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-ध्यानहार का पता।

ध्यान दें :—जिस पत्रों आदि में यह व्यौरा नहीं होगा, संभव है कि उन पर ध्यान नहीं किया जाए।

12. पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर छिप जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पंक्ति 11 में उल्लिखित व्यौरे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यथापि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

संघ लोक सेवा आयोग

वि० सं० 36

निम्नलिखित पदों के लिए आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जाते हैं :—

आयोग, उचित समझे तो, योग्यताओं में छूट दे सकता है।

उच्च प्रारंभिक वेतन योग्यताओं के अनुमार दिया जा सकता है।

आयु 1-1-1974 तक को गिनी जाएगी। (विस्थापितों, श्र०जा०, श्र०ज०जा० और मरकारी कर्मचारियों को, जहां अन्यथा न बनाया गया हो, आयु-सीमा में छूट संभव)।

आवेदन पत्र और विवरण के लिए भविव, संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली-110011 को बिना टिकट के अपना पता लिखे हुए लिफाके (23×10 सेंमी०) के साथ मद संदेश, पत्र का नाम और विज्ञापन संदेश का हवाला देते हुए, लिखें।

पदों का स्वरूप—स्थायी :—क्र०सं० 8, 1, 20, 22 और श्रीर 25 किन्तु नियुक्त अस्थायी। अस्थायी : क्र०सं० 2 में 7, 9 में 19, 21, 23 और 24 किन्तु अनिश्चित काल तक चलना सम्भव।

आवेदन गुल्क भारतीय पोस्टल आर्डर के रूप में आठ रु० (श्र०जा० और श्र०ज०जा० के लिए दो रु०); विदेश के उम्मीदवार भारतीय दूतावास में शुल्क जमा करें।

आयोग के कार्यालय में आवेदन-पत्र प्राप्त करने की अंतिम तारीख :—7 अक्टूबर, 1974 (विदेश, अंडमान, निकोबार श्रीर लक्ष्मीप के उम्मीदवारों के लिए 21 अक्टूबर, 1974)।

मंकेत :—श्र०जा०—अनुसूचित जाति, श्र०ज०जा०—अनु-सूचित जन जाति, श्र०यो०—अनिवार्य योग्यताएँ।

1. एक परियोजना अधिकारी (पैदो-रसायन), पैदो० और रसा० मंत्रा०। वेतन :—रु० 1300-60-1600 (प्रपर्ण-शोधित)। आयु :—45 वर्ष श्र०यो० :—रसा० विज्ञान में एम० प० एस० सी० डिग्री या रसा० इंजी०/प्रैदौगिकी में डिग्री। किसी रसा० उद्योग में परियोजना आयोजन, प्रक्रिया मूल्यांकन और विकास से संबद्ध 10 वर्ष का (पैदो०-रसा० में 2 वर्ष के अनुभव सहित) ध्यावहारिक अनुभव या रसा० उद्योगों के आयोजन/विकास/उन्पादन समस्याओं में संबद्ध सरकारी विभागों में समान अनुभव तथा औद्योगिक परियोजना प्रतिवेदनों के मूल्यांकन का अनुभव।

2. एक अनुसंधान अधिकारी, राष्ट्रीय एटलस संघटन, कलकत्ता, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग। वेतन :—रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 (परियोजित) आयु :—40 वर्ष। श्र० यो० :—भूगोल या समवर्गी विषय में "मास्टर" डिग्री। अनुसंधान का पर्याप्त अनुभव जिसमें ग्रांकड़ों का संग्रह तथा विभिन्न प्रकार के मानचित्रों का बनाना सम्मिलित हो और जिसका प्रमाण प्रस्तुत किया जाए।

3. एक सहायक मिदेशक (रसा०), राष्ट्रीय परीक्षण-शाला, कलकत्ता/बन्द्रह, पूर्ति और पुनर्वास मंत्रा० (पूर्ति विभाग)। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950 (प्रपर्ण-शोधित)। आयु :—40 वर्ष। श्र० यो० :—विशुद्ध या प्रयुक्त रसा० विज्ञान में "मास्टर" या समकक्ष आनंद डिग्री। अथवा रसा० इंजी० में डिग्री या समकक्ष डिप्लोमा तथा कार्बनिक और अकार्बनिक पदार्थों के विश्लेषण का 5 वर्ष का अनुभव।

4. सात कनिष्ठ जलविज्ञानी, केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड, फरीदाबाद (हरियाणा) (3 पद अ० जा० के लिए आरक्षित)। वेतन :—र० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-10-1000-द० रो०-40-1200। आयु :—35 वर्ष। अ० यो० :—मूल्यविज्ञान या जलविज्ञान में “मास्टर” डिप्ली या मिलिन इंजी० में डिप्ली।

5. दो उप निवेशक (खाद्य उद्योग), औद्योगिक विभाग विकास भंवा० (एक पद अ० ज० जा० के लिए आरक्षित) वेतन :—र० 700-40-1100-50/2-1250 परिशोधित र० 1100-50-1600। आयु :—40 वर्ष। अ० यो० :—खाद्य प्रौद्योगिकी/रसायन इंजी० में डिप्ली या विज्ञान में डिप्ली तथा साथ में खाद्य/कल प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा। खाद्य और तत्सम उद्योग से सबद्ध किसी विद्यात प्राविधिक संगठन या औद्योगिक प्रतिष्ठान में किसी दायित्वपूर्ण वैमियत से 7 वर्ष का अनुभव।

6. एक बरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी प्रेड-I, आयुध प्रौद्योगिकी संस्थान, पूना, रक्षा भंवा०। वेतन :—र० 700-50-1250 (परिशोधित सम्मव)। आयु :—वरीयत : 40 वर्ष से कम। अ० यो० :—इलैक्ट्रा०/संचार इंजी० में द्वितीय श्रेणी की डिप्ली। अथवा इलैक्ट्रा० के विषय सहित भौतिकी में द्वितीय श्रेणी की “मास्टर” डिप्ली तथा विषेषज्ञता के ध्येव में अध्यापन, अनुसंधान/अभिकल्पन और विकास का 1 वर्ष ता अनुभव।

7. एक बरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, प्रेड-I, विकास दल, जबलपुर, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—र० 700-50-1250 (परिशोधित सम्मव)। आयु :—वरीयत : 40 वर्ष से कम अ० यो० :—प्रांतिक इंजी० में द्वितीय श्रेणी की डिप्ली। बन्दूकों के विषेष संदर्भ में यायुडों के अभिकल्पन और विकास का 4 वर्ष का अनुभव।

8. एक ड्राफ्ट्समैन, योजना और विकास एकक, आकाशशाणी महानिवेशालय। वेतन :—र० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-10-1200 (परिशोधित)। आयु :—35 वर्ष। अ० यो० :—डिप्ली जो वरीयत : वैद्युत, यांत्रिक तथा सिविल इंजी० अभिकल्पनों से सम्बद्ध आरेक्षन वायालिय में अनुभव के साथ हो। अथवा इंजी० में डिप्लोमा और वैद्युत, यांत्रिक तथा मिलिन इंजी० अभिकल्पनों से गम्बद्ध आरेक्षन कार्यान्वयन गे किसी दायित्वपूर्ण पद पर 3 वर्ष का अनुभव।

9. चार कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, वैमानिक विकास प्रतिष्ठान, अंगूलीर, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—र० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-30-1200 (परिशोधित)। आयु :—वरीयत :—30 वर्ष से कम। अ० यो० :—वर्ग I तथा II (2 पद) :—इलैक्ट्रा० इंजी० में या इलैक्ट्रा० में विशेषज्ञता के साथ वैद्युत इंजी० में द्वितीय श्रेणी की डिप्ली। वर्ग III (1 पद) :—दूर संचार/इलैक्ट्रा० इंजी० में द्वितीय श्रेणी की डिप्ली। वर्ग IV (1

पद) :—वर्त अवस्था भौतिकी या इलैक्ट्रा० के विशेष विषय के साथ भौतिकी में द्वितीय श्रेणी की “मास्टर” डिप्ली या इलैक्ट्रा इंजी० में द्वितीय श्रेणी की डिप्ली।

10. दो कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, तकनीकी विकास और उत्पादन (वायु) निवेशालय, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—र० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 (परिशोधित)। आयु :—वरीयत : 30 वर्ष से कम। अ० यो० :—वैद्युत इंजी० में द्वितीय श्रेणी की डिप्ली।

11. इंजी० और सर्वेक्षण का एक सहायक आल्याता, वन अनुसंधान संस्थान तथा कालेज, वैहराष्ट्रन। वेतन :—र० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200। आयु :—30 वर्ष। अ० यो० :—सिविल इंजी० में डिप्ली या ए० प्र० आर्ड० भी० ई०।

12. उसीस कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, तकनीकी विकास और उत्पादन (वायु) निवेशालय, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—र० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 परिशोधित र० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200। आयु :—वरीयत : 30 वर्ष से कम। अ० यो० :—वैमानिक/यांत्रिक इंजी० में द्वितीय श्रेणी की डिप्ली।

13. एक कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, तकनीकी विकास और उत्पादन (वायु) निवेशालय, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—र० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 परिशोधित र० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200। आयु :—वरीयत : 30 वर्ष से कम। अ० यो० :—रसायन इंजी० में द्वितीय श्रेणी की डिप्ली।

14. चार कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, तकनीकी विकास और उत्पादन (वायु) निवेशालय, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—र० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 सम्भावित परिशोधित र० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200। आयु :—वरीयत : 30 वर्ष से कम। अ० यो० :—धातु इंजी० में द्वितीय श्रेणी की डिप्ली।

15. एक कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, तकनीकी विकास और उत्पादन (वायु) निवेशालय, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—र० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 (परिशोधित)। आयु :—वरीयत : 30 वर्ष से कम। अ० यो० :—पांच प्रौद्योगिकी में द्वितीय श्रेणी की डिप्ली।

16. पांच कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, तकनीकी विकास और उत्पादन (वायु) निवेशालय, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—र० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 (परिशोधित)। आयु :—वरीयत : 30 वर्ष

से कम। अ० यो० :—डलैक्ट्रा०, मेरि विशेषज्ञता सहित डलैक्ट्रा०/दूर संचार/विद्युत इंजी० में द्वितीय श्रेणी की डिग्री। अथवा रेडियो/दूर संचार मेरि विशेषज्ञता सहित भौतिकी में द्वितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री।

17. एक बारिठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड II, आयुध प्रौद्योगिकी संस्थान, पूना, रक्षा मंत्रालय। वेतन : रु 400-40-800-50-950 (परिशोधन संभव)। आयु :—वरीयत : 30 से कम। अ० यो० :—विद्युत इंजी० में द्वितीय श्रेणी की डिग्री। विशेषज्ञता के खेत्र में अध्यापन, अनुसंधान/अभिकल्पन और विकास का 2 वर्ष का अनुभव।

18. एक बारिठ वैज्ञानिक अधिकारी, ग्रेड-II, आयुध अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान, पाशान, पुणे, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु 400-40-800-50-950 (परिशोधन संभव)। आयु :—वरीयत : 30 वर्ष से कम। अ० यो० :—यांत्रिक इंजी० में द्वितीय श्रेणी की डिग्री। सामान्य इंजी० कलपुजों के उत्पादन तथा उनके नियोजन का 2 वर्ष का अनुभव।

19. दो अनुसंधान अधिकारी (इंजी० सिखिल), केन्द्रीय जल तथा विद्युत अनुसंधान केन्द्र, पुना, विद्युत और सिखाई मंत्रालय। (एक एक पद अ० या० और अ० ज० या० के लिए आरक्षित उनके न मिलने पर अभ्यर्थी : अ० ज० या० और अ० या० के लिए आरक्षित, दोनों के न मिलने पर अनारक्षित)। वेतन :—रु 400-40-800-50-950। आयु :—35 वर्ष। अ० यो० :—सिखिल इंजी० में डिग्री या मिलियल इंजी० में डिग्री।

20. एक सहायक निवेशक ग्रेड-I (लागत), वस्त्र आयुक्त का कार्यालय, बम्बई, वाणिज्य मंत्रालय। (अ० या० के लिए आरक्षित, न मिलने पर अ० या० के लिए आरक्षित दोनों के न मिलने पर अनारक्षित)। वेतन :—रु 400-400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950 परिशोधित रु 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300। आयु :—35 वर्ष। अ० यो० :—भारतीय चार्टर्ड लेखाकार संस्थान या भारतीय लागत पर्वत कार्य लेखाकार संस्थान का "एशोसिएट"। लागत पर्वत वित्तीय समस्याओं से संबंध कुछ अनुभव।

21. एक अधीक्षक, शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों का व्यावसायिक पुनर्वासन केन्द्र, अम मंत्रालय। वेतन :—रु 400-400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950 परिशोधन रु 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 संभव। आयु :—40 वर्ष। अ० यो० :—किसी मान्यता-प्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री। शारीरिक रूप से अक्षम ने व्यक्तियों के पुनर्वासन या नियोजन या मूल्याकृत या प्रशिक्षण से संबंध कार्य का 5 वर्ष का अनुभव।

22. एक तकनीकी अधिकारी (प्रवेशनी), स्वा० और प० ति० मंत्रालय। वेतन :—रु 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 (परिशोधित) आयु :—35 वर्ष। अ० यो० :—किसी मान्यता-प्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री। प्रदर्शनियों के आयोजन का 3 वर्ष का अनुभव।

23. एक भण्डार अधिकारी, भारतीय प्राणिविज्ञान संबंध, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग। वेतन :—रु 400-400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950 (अपरि-

शोधित)। आयु :—30 वर्ष। अ० यो० :—किसी मान्यता-प्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री। भण्डारों के क्रय, अनुरक्षण तथा रख-रखाव और भण्डार लेखा के अनुरक्षण का 3 वर्ष का अनुभव।

24. तीन सहायक इंजीनियर, स्वा० विद्युत और सिखिल विभाग, पौडिचेरी सरकार। (पव अ० या० के लिए आरक्षित, यदि उथलव्य अन्यथा अ० या० के लिए आरक्षित) :—वेतन :—रु 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900। आयु :—35 वर्ष। अ० यो० :—सिखिल इंजी० में डिग्री या मिलियल इंजी० में डिलोमा तथा साथ में 3 वर्ष का व्यावसायिक अनुभव।

25. एक स्वास्थ्य शिक्षा प्राबधिक ग्रेड-I (सम्पादकीय-हिन्दी), स्वा० से० महानिदेशालय, स्वा० और प० नि० मंत्रालय (अ० या० के लिए आरक्षित थदि अ० या०/अ० या० अनुप-संव्य तो अनारक्षित)। वेतन :—रु 550-25-750-द० रो०-30-900 (परिशोधित)। आयु :—35 वर्ष। अ० यो० :—हिन्दी में "मास्टर" डिग्री। अथवा हिन्दी में प्राच्य योग्यता जैमे, साहित्य रत्न तथा साथ में कोई डिग्री और किसी पव पत्रिका, दैनिक ममाचार पत्र या समाचार पत्री में या सरकार के अधीन हिन्दी में पत्रकारिता का 3 वर्ष का अनुभव।

शुद्धि-पद

1. एक बारिठ वैज्ञानिक अधिकारी-I, वस्त्र तथा भंडार अनु० वि० प्रतिष्ठान, कानपुर, रक्षा मंत्रालय (दिनाक 6-7-1974 को प्रकाशित म० लो० से० आ० विज्ञापन म० 27 मद स० 12) अ० यो० (i) संशोधित होकर "वस्त्र रसा० वि० में द्वितीय श्रेणी की डिग्री" अंतिम तारीख 7-10-74 (विदेश स्थित उम्मीदवारों के लिए 21-10-74) तक बढ़ाई गई।

2. दो सहा० संगीत निर्देशी, फिल्म "प्रभाग, सू० और प्र० मंत्रा०" (8-4-74 को प्रकाशित स० लो० से० आ० विज्ञापन म० 15 मद स० 12) इन पदों की भर्ती एतद्वारा रद्द। उम्मीदवारों द्वारा अदा किया गया शुल्क यथाविधि वापस होगा।

स्टेनोग्राफर ग्रेड-I सीमित विभागीय प्रतियोगिता

परीक्षा, 1975, 11 मार्च, 1975 को होगी

केन्द्रीय मन्त्रिवालय ग्रेनोग्राफर संवा के ग्रेड-II में सेवान केबल कुछ बर्गों के विभागीय उम्मीदवार ही इस परीक्षा के लिए आवेदन के पाव हैं जो कि के०स०स्ट०से०के० ग्रेड-II की प्रवर की प्रवर मूची में व्यक्तियों को सम्मिलित करने के लिए ली जा रही है। विवरण तथा प्रपत्र सचिव को मनी-आइंडर द्वारा रु 1/- भेजकर विवरण सं०लो०से०आ० के काउंटर पर नकद भगतान करके प्राप्त किए जा सकते हैं।

अंतिम तारीख :—4 नवम्बर, 1974 (विदेश स्थित उम्मीदवारों के लिए 18 नवम्बर, 1974)।

श्रेष्ठोक चन्द्र बन्धोपाध्याय, सचिव,
मंध लोक मेवा ग्रायोग।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 31st July 1974

No. A.12022/6/74-Admn.I.—Shri Jagdish Chandra, an officer of the Indian Postal Service, assumed charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 19th July, 1974.

M. R. BHAGWAT, Under Secy.
Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 7th August 1974

No. A.32013/1/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri R. Pandit, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 3 months from 26-6-74 to 25-9-1974 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

M. R. BHAGWAT, Under Secy.
Incharge of Administration
Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 13th August 1974

No. A.12022/2/74-Admn.I.—The Union Public Service Commission has been pleased to allow to continue Shri D. R. Kohli, a permanent officer of the Selection Grade of the CSS and officiating as Controller of Examinations, Union Public Service Commission as Secretary of the Committee on Recruitment Policy and Selection Method, set-up under the Chairmanship of Dr. D. S. Kothari for a further period with effect from the forenoon of 15th July, 1974 to 28th February 1975.

M. R. BHAGWAT, Under Secy.
for Chairman
Union Public Service Commission.

ENFORCEMENT DIRECTORATE
CABINET SECRETARIAT
(DEPARTMENT OF PERSONNEL)

New Delhi, the 30th July 1974

No. A.11(46)/74.—Shri J. N. Verma, Inspector of Central Excise, Kanpur is appointed as Enforcement Officer in the Agra Sub-Zonal Office of this Directorate with effect from 12-7-74 (FN) and until further orders.

S. B. JAİN, Special Director.

(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS/C.B.I.)

New Delhi-110001, the 17th August 1974

No. PF/R-3/70-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri K. K. Puri, IPS (Madhya Pradesh) as officiating Deputy Inspector General of Police in the Special Police Establishment, Central Bureau of Investigation with effect from the afternoon of 29th July, 1974 until further orders.

The 19th August 1974

No. PF/S-19/74-AD.V.—The President is pleased to appoint, on deputation, Shri S. K. Saxena, an IPS Officer of Bihar Cadre, as Assistant Director (Interpol) Division, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 31st July, 1974, until further orders.

No. PF/V-7/74-AD.V.—Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police

Establishment hereby promotes Shri Vishnu Dev Maheshwari permanent Inspector C.B.I., CIA-I, as Dy. Supdt. of Police in the C.B.I., S.P.E. with effect from 3-8-74 (AN) in a temporary capacity, until further orders.

No. B/8/74-AD.V.—Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby promotes Shri Bhulan Das permanent Inspector C.B.I., CIA-I as Dy. Supdt. of Police in C.B.I./S.P.E. with effect from the forenoon of 4-8-74 in a temporary capacity, until further orders.

G. L. AGARWAL, Administrative Officer(E)
C.B.I.

New Delhi, the 20th August 1974

No. PF/S-247/74-AD.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby promotes Shri S. B. Sinha, Sub-Inspector as Inspector of Police in Ahmedabad Branch of the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation in a temporary capacity with effect from the forenoon of 8th July, 1974 until further orders.

G. L. AGARWAL, Administrative Officer
for Deputy Inspector General of Police
Special Police Establishment

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

Office of the Inspector General
Central Industrial Security Force

New Delhi-110003, the 27th May 1974

No. E-33013/1/74-Ad.I.—On acceptance of resignation, Shri Anthony Paulose, Deputy Superintendent of Police, Intelligence Wing, Central Industrial Security Force, Bank Note Pits, Dwas relinquished the charge of the post with effect from the afternoon of 3rd May, 1974.

The 1st August 1974

No. H-16016/10/73-Ad.I.—On repatriation to his parent office Ministry of Railways (Railway Board), Shri R. P. Biswas, Section Officer, Central Industrial Security Force, New Delhi relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 1st August, 1974.

The 6th August 1974

No. 16014(1)/26/73-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Dharan Vir Behal, on deputation, to the post of Commandant No. 8th Battalion, Central Industrial Security Force with Headquarters at New Delhi with effect from the forenoon of 1-7-74 in an existing vacancy.

I. S. BISHT, Inspector General

Office of the Registrar General, India

New Delhi-110011, the 14th August 1974

No. 25/2/73-RG(Ad.I).—In continuation of this office Notification No. 25/2/73-RG(Ad.I) dated 13 March 1974, the President is pleased to continue the re-employment of Shri H. S. Kwatra as Deputy Director of Census Operations, Punjab for a further period of six months with effect from 1st September 1974.

R. B. CHARI, Registrar General,
ex-officio Joint Secretary

MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

Calcutta-53, the 14th August 1974

No. F 327/9631.—Shri Haripada Das, Engineer, India Government Mint Alinore, Calcutta is appointed as Engineer (Selection Grade) in the same department on pay

according to C.C.S. (Revised Pay) Rules 1973 in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—E.B.—40—1200 (Gazetted Class II) in an officiating capacity with effect from the forenoon of 14-3 1973, until further order.

D. C. MUKHERJEE, Master of the Mint.

OFFICE OF THE A.G.C.R.

New Delhi-I, the 7th August 1974

No. Admn.I/5-5/Promotion/74-75/1196.—The Accountant General, Central Revenues, has appointed Shri S. L. Bansil, a permanent Section Officer of this office, to officiate as Accounts Officer in the time scale of Rs. 840—1200, w.e.f. 22-7-74 F.N. until further orders.

H. S. DUGGAI,
Sr. Deputy Accountant General (Admn.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
BIHAR

Ranchi, the 7th August 1974

No. OEI-Audo-1938.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Jagdish Narain, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 20-5-74 (F.N.)

No. OEI-Audo-1943.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Lal Gopal Mitra, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 29-6-74 (F.N.).

No. OEI-Audo-1948.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Braj Bhavani Prasad, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from.....

No. OEI-Audo-1953.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Parbati Shankar Prasad, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 29-4-74 (F.N.).

No. OEI-Audo-1958.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Deb Kumar Sen, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 29-4-1974 (F.N.).

B. P. SINHA, Sr. Dy. Accountant General (Admn.)
Bihar.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL :
MAHARASHTRA

Bombay, 400020, the 8th August 1974

No. Admn.I/IAD/31/Vol.III/11.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay, is pleased to appoint Shri Sd. Mohd. Rahimullah, a member of the S.A.S. to officiate as Accounts Officer in this office with effect from 18-7-74 FN. until further orders.

No. Admn.I/IAD/31/Vol.III/12.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay, is pleased to appoint Shri A. C. Pinto, member of the S.A.S. to officiate as Accounts Officer in this office with effect from 20-7-74 FN. until further orders.

A. B. Palekar,
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
TAMIL NADU

Annexure

DRAFT NOTIFICATION

The following substantive incumbents of the subordinate Accounts Service of the Office of the Accountant General, Tamilnadu (I & II) are appointed to officiate as Accounts Officers in that office with effect from the dates noted against each and without prejudice to the claims of their seniors. The promotion is made on a provisional basis, subject to the decision of the supreme court of India in Civil appeal No. 1584 to 1588 N of 1973 filed against the judgement of the H. C. of Judicature in W. P. No. 2213 and 4241 to 4244 of 1970.

Sl. No.	Name	Date
	S/Sr/Smt./Selvi	
1.	C. S. Jagadambal	31-10-73 (F.N.)
2.	N. A. Damodaran	31-10-73 (F.N.)
3.	B. Rangarathnam	Do.
4.	R. Sampurnam	Do.
5.	A. Seetharaman	Do.
6.	S Abdul Jaleel	Do.
7.	N. Muniaswamy I	Do.
8.	G. Nagarajan-I	Do.
9.	Charles V. J. Moses	Do.
10.	K. S. Rangaswamy	Do.
11.	P. S. Sivaguru	Do.
12.	R. Venkataraman-II	1-11-73 (F.N.)
13.	R. Thulasiraman	19-11-73 (F.N.)
14.	A. K. Raman	1-11-73 (F.N.)
15.	T. S. Vaidyanathan-II	Do.
16.	A. P. Srinivasan	Do.
17.	V. Ramachandran-I	22-12-73 (F.N.)
18.	S. Kuppuswamy	Do.
19.	S. Nagarajan-I	Do.
20.	T. D. Sundaram	Do.
21.	R. Padmanabhan	24-12-73 (A.N.)
22.	P. S Krishnamurthy II	26-12-73 (F.N.)
23.	T. Varadachari	17-1-74 (F.N.)
24.	P. C. Raghunathan	13-3-74 (F.N.)
25.	S. S. Muralidharan	Do.
26.	R. Joseph Leo	Do.
27.	S. Ramanujam	8-4-74 (F.N.)
28.	P. A. Mahadevan	Do.
29.	B. S. Radhakrishnan	3-5-74 (F.N.)
30.	N. Krishnamurthy-I	Do.
31.	R. Srinivasan-XVI	Do.
32.	R. Ramakrishnan	15-5-74 (F.N.)
33.	G. Velu	Do.

Sri M. Jagannathan, an officiating incumbent of the Subordinate Accounts Service of the Office of the Accountant General, Tamilnadu is appointed to officiate as Accounts Officer in that office with effect from 31-10-73 F.N. until further orders and without prejudice to the claims of his seniors. The promotion is made on a provisional basis subject to the decision of the Supreme Court of India in Civil Appeal No. 1584 to 1588 (N) of 1973 filed against the judgement of the High Court of Judicature Madras, in W.P. 2213 and 4241 to 4244 of 1970.

R. RAGHAVACHARI,
Senior Deputy Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

Office of the Controller General of Defence Accounts

New Delhi, the 7th August 1974

No. 40011 (2)/74-AN-A.—The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the pension establishment with effect from the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Sl. No.	Name with Roster Number	Grade	Date from which transferred to pen- sion establishment	Organisation
Sarvashri				
1.	M. L. Malik (P/152)	Permanent Accounts Officer	31-1-75 (A.N.)	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
2.	V. R. Marathe (P/410)	Permanent Accounts Officer	31-10-74 (A.N.)	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
3.	P. C. Soni (P/424)	Permanent Accounts Officer	28-2-75 (A.N.)	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
4.	K. S. Bedi (P/474)	Permanent Accounts Officer	28-2-75 (A.N.)	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
5.	A. N. Guha (P/631)	Permanent Accounts Officer	31-1-75 (A.N.)	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
6.	S. P. Agarwal (O/79)	Officiating Accounts Officer	31-1-75 (A.N.)	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
7.	R. R. Sharma (O/88)	Officiating Accounts Officer	31-3-75 (A.N.)	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.

No. 18218/AN-II.—On attaining the age of superannuation on 20-10-74 Shri C. L. Beotra an officer of the Indian Defence Accounts Service will be transferred to the Pension Establishment and struck off the strength of the Department from 1-11-1974 (F.N.).

and officiating Small Industry Promotion Officer) in the Small Industries Service Institute, Calcutta to officiate as Assistant Director (Gr. II) in the Branch Institute, Agartala (under Small Industries Service Institute, Gauhati), on an *ad hoc* basis. He assumed charge as Assistant Director (Gr. II) in the forenoon of 12th June, 1974.

K. V. NARAYANAN, Dy. Director (Admn).

No. 18119/AN-JI.—On attaining the age of superannuation on 6-5-74, Shri K. P. Kundu an officer of the Indian Defence Accounts Service, was transferred to Pension Establishment and struck off the strength of the Department from 31-5-74 (AN).

MINISTRY OF COMMERCE
Office of the Textile Commissioner
Bombay-20, the 16th August, 1974

2. Notification bearing this office No. 18119/AN-JI of 29-3-74 published in the Gazette of India Part-3, Section-I (P-2424) dated 23-4-74 in respect of Shri K. P. Kundu is cancelled.

S. K. SUNDARAM,
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

No. CLB.I/5/65A/74.—In exercise of the powers conferred on me by clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, and with the previous sanction of the Central Government I hereby make the following further amendment in the Textile Commissioner's Notification No. CLB. I/5/65 A, dated the 4th March, 1966 namely :—

In the Table appended to the said Notification in column 3 against Serial No. 11C for the words and marks "Directors, Senior Enforcement Officers and Deputy Directors at Headquarters and Regional Offices" the words and marks "Directors, Senior Enforcement Officers, Deputy Directors at Head Quarters and Directors, Senior Enforcement Officers, Deputy Directors and Assistant Directors in the Regional Offices" shall be substituted.

G. S. BHARGAVA, Joint Textile Commissioner

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
Office of the Development Commissioner
Small Scale Industries

New Delhi, the 7th August 1974

No. A-19018/145/74-Admn(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi is pleased to appoint Shri B. M. L. Tripathi, a quasi-permanent Investigator and officiating Small Industry Promotion Officer, in the Small Industries Service Institute, Kanpur to officiate as Assistant Director (Gr. II) in the Small Industries Service Institute, Indore on an *ad hoc* basis. He assumed charge as Assistant Director (Gr. II) in the forenoon of 20th June, 1974.

Bombay-20, the 6th August 1974

No. 10(1)/73-74/CLB.II.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 5(1) of the Cotton Control Order, 1955, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 10(1)73-74/CLB.II dated the 11th April, 1974, namely :—

In the Schedule appended to the said Notification, for the existing entry in column 3 against S. No. 1, the following shall be substituted, namely :—

"Not exceeding the quantity equivalent to two months' average monthly consumption."

S. K. BAGCHI, Textile Commissioner.

The 16th August 1974

No. A-19018/136/74-Admn(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi is pleased to 10—226GI/74

Office of the Joint Controller of Imports & Exports
Madras-1, the 23rd May 1974
ORDER OF CANCELLATION

Sub : Cancellation of Import licence (both Customs and Exchange Control copies) No. P/E/0209620 dated 8-1-1973 issued to M/s. Sha Manrupchand Bharat mal Jain, Madras-1.

No. ITC/Dup/Copy/1/AM75/EP./1049.—M/s. Sha Manrupchand Bharat mal Jain, Madras-1, were granted a licence No. P/E/0209620/C/XX/46/M/35-36 dated 8-1-1973 for Rs. 938/- (Rupees nine hundred and thirtyeight only) by this office for import of General drugs and medicines (S. No. 87-109/IV) for the period AM73.

The firm have now applied for grant of duplicate copy of the above licence (both Customs and Exchange control copies) on the ground that the original has been misplaced/lost. In support of their contention they have filed an affidavit.

I am satisfied that the original licence has been misplaced/lost and I directed that a duplicate copy of the licence (both Customs and Exchange control copies) should be issued to the applicant firm. The original of the licence (both Customs and Exchange control copies) is hereby cancelled to the extent of its full value i.e. Rs. 938/-.

Sub : Cancellation of Import licence (both Customs and Exchange Control copy) No. P/E/0209887 dated 20-6-73 issued to M/s. Mylon Trading Co., Madras-1.

No. ITC/Dup/Copy/2/AM75/EP/1050.—M/s. Sri Mylono Trading Co., Madras-1, were granted a licence No. P/E/

0209887/C/XX/47/M/37-38 dated 20-6-1973 for Rs. 1250/- (Rupees one thousand two hundred and fifty only) by this office for import of General drugs and Medicines (S. No. 87-109/IV) for the period AM 74.

The firm have now applied for grant of duplicate copy of the above licence (both Customs and Exchange Control Copies) on the ground that the original has been lost. In support of their contention they have filed an affidavit.

I am satisfied that the original licence has been lost and I directed that a duplicate copy of the licence (both Customs and Exchange Control copies) should be issued to the applicant firm. The original of the licence (both Customs and Exchange control copies) is hereby cancelled to the extent of its full value i.e. Rs. 1250/-.

M. F. R. BULI
Dy. Chief Controller of Imports & Exports
for Joint Chief Controller of Imports & Exports

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 20th August 1974
ESTABLISHMENT

No. 6/768/65-Admn(G)/3740.—On attaining the age of superannuation, Shri S. B. Gupta an Officer of the Section Officers' Grade of the CSS relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of 31st July, 1974

B. D. KUMAR
Chief Controller of Imports & Exports

(Iron and Steel Division)
Calcutta-1, the 30th June, 1973

ORDER

Sub:—Cancellation of Exchange/Customs Clearance Purposes copies of two Import Licences (1) P/S/8221571/C/XX/45/C/35-36/07/20 dated 11-12-72 and (2) P/S/8221572/R/ML/45/C/35-36/07/20 dated 11-12-72 in favour of M/s. Udayan Fabrications, Industrial Estate, Tinsukia, Assam.

No. JC/I&S/IV/07/20/72-73.—The under-mentioned two Import licences were issued in favour of M/s. Udayan Fabrications, Industrial Estate, Tinsukia, Assam:

Import licence No. & Date

1. P/S/8221571/C/XX/45/C/35-36/07/20
dated 11-12-72.
2. P/S/8221572/R/ML/45/C/35-36/07/20
dated 11-12-72

Description of materials

M.s. Sheet Cutting & Defective Sheets in straight length or in coils (excluding all coated Sheet Cuttings & Defectives)—Sl. No. 13 of Schedule 'D' in Appendix 41 of Red Book 1972-73 for manufacture of Agricultural Implements viz. Shovels.	<i>Value</i>
	Rs. 5,000/-

-do-

Rs. 5,000/-

The said firm have intimated in their letters Nos. UF/IMP/1/19-21 dated 20-2-73 and UF/IMP/60-62 dated 23-3-73 that they have not received the above quoted licences and the same have not been delivered to them by Postal Authority.

In the circumstances, in pursuant to the power upon me under Clause 9(cc) of Import (Control) Order, 1955 (as amended upto 31-3-73), I hereby cancel the licences mentioned herein after:—

- (1) P/S/8221571/C/XX/45/C/35-36/07/20 dated 11-12-72.
- (2) P/S/8221572/R/ML/45/C/35-36/07/20 dated 11-12-72.

T.T.L.

Dy. Chief Controller of Imports & Exports.

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (Administration Section A-1)

New Delhi-1, the 9th August 1974

No.A-1/1(447).—Shri A. M. Mankikar permanent Superintendent in the Directorate of Supplies & Disposals, Bombay and officiating as Assistant Director (Grade II) in the office of Director of Supplies (Textiles), Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 30-4-1974 on attaining the age of superannuation.

S. K. JOSHI
Deputy Director (Administration)
for Director General, Supplies & Disposals

SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 10th August 1974

No. E1-4889/579-SEL/70(CL.II).—Shri Satish Kumar Gupta, is appointed to officiate as Officer Surveyor against temporary post in Class II Service of the Survey of India on pay of Rs. 650.00 p.m. in the revised scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the forenoon of 3rd June, 1974 until further orders.

HARI NARAIN
Surveyor General of India

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

Geological Survey of India

Calcutta-13, the 8th August 1974

No. 2222(RCB)/19A.—Shri Ramesh Chandra Bhandari is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 15-4-1974, until further orders.

No. 2222(KSA)/19A.—Shri K. Shridhara Adiga is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 20-4-1974, until further orders.

No. 2503(IV)/19B.—On return from the foreign assignment under United Nations Development Programme with the Government of United Arab Republic, Dr. P. D. Malhotra has received charge of the post of Superintending Chemist, Geological Survey of India with effect from the forenoon of 20-4-1974.

The 9th August 1974

No. 3/71/19A.—Shri T. G. S. Iyer, Regional Administrative Officer, Geological Survey of India retired from Govern-

ment service on superannuation with effect from 3rd April, 1974 (A.N.).

No. 3/71/19A.—Shri G. S. Grewal, Regional Administrative Officer, Geological Survey of India retired from Government service on superannuation with effect from 5th May, 1974 (forenoon).

No. 91/59/19B.—The President is pleased to appoint Shri Ashis Karanjai as Mechanical Engineer (Junior) in the Geological Survey of India, in the minimum of the pay Rs. 700/- per month in the scale of pay of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 24th May, 1974, until further orders.

No. 2251(OPS)/19B.—Shri Om Prakash Sharma, Senior Drilling Assistant, Geological Survey of India is appointed on promotion as Driller in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 24th June, 1974, until further orders.

C. KARUNAKARAN,
Director General.

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi, the 14th August 1974

No. 14/4/74-M.—In exercise of the Powers conferred under Rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Remains Rules, 1959, I, Mrs. D. Mitra, Director (Monuments) hereby direct that no fee shall be charged for entry into the Taj Mahal, Agra, (Uttar Pradesh) on 15th August, 1974, from 4.00 p.m. to 12.00 (Midnight), 16th August 1974 from 4.00 p.m. to 4.00 (A.M.) (16/17 night) and 17th August, 74 from 6.00 (A.M.) to 4.00 (A.M.) 17/18 night).

MRS D. MITRA,
Director (Monuments)
for Director General.

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 17th May 1974

E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7), dated the 11th July, 1969, under Class 3-Division 2, add "NITRO-GUANIDINE" after the entry "GUNCOTTON".

I. N. MURTY,
Chief Controller of Explosives

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING FILM DIVISION

Bombay-26, the 12th August 1974

No. 6/17/54-Fst.I.—Consequent on expiry of leave granted to Shri M. K. Vignhe, Officiating Cameraman (CFU), Shri R. B. Mhatre reverted to the post of Cameraman with effect from 3-8-1974 (A.N.).

K. S. KUDVA,
Administrative Officer,
for Chief Producer.

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 8th August 1974

No. 7/39/68-Est.II.—Shri R. P. Pushp, a permanent Exhibition Assistant is appointed to officiate as Field Exhibition Officer in this Directorate at Ahmedabad in a temporary capacity on *ad-hoc* basis with effect from 24th June, 1974 (forenoon), until further orders.

R. L. JAIN,
Dy. Dtr. (Admn.),
for Dtr. of Advtn. & Visual Publicity.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 16th August 1974

No. 1-100/74-Est.I(CGHS).—Consequent on the acceptance of his resignation, Dr. Chhajju Mal Goel relinquished charge of the post of Junior Medical Officer, under the Central Government Health Scheme, New Delhi on the afternoon of the 31st July, 1974.

K. VENUGOPAL,
Dy. Dtr. Admn (CGHS).

New Delhi, the 3rd August 1974

No. 36-14/72-Admn.I.—Kumari Kusum Lata relinquished charge of the post of Dietician, Willingdon Hospital and Nursing Home, New Delhi, on the forenoon of the 4th July, 1974.

The 6th August 1974

No. 26-13/73-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. Asha Nathan to the post of Librarian Grade I in the National Institute of Communicable Diseases, Delhi with effect from the forenoon of 1st June, 1974 in a temporary capacity and until further orders.

S. P. JINDAL,
Deputy Director Administration.

MINISTRY OF AGRICULTURE (DEPARTMENT OF COOPERATION)

DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 18th August 1974

No. F.3/235/66-AJ.I.—Shri P. S. Jagannath Babu, Marketing Officer, Group I, Ongole, is appointed to officiate as Deputy Senior Marketing Officer, Group-I on a purely temporary and *ad hoc* basis in the Directorate of Marketing and Inspection of Guntur with effect from 21-6-74 (F.N.), upto 14-7-74 (A.N.).

The 20th August 1974

No. F. 4-5(10)/74-A.J.—On the basis of the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Shyam Sunder Prasad Rao has been appointed as Marketing Officer, Group II, on officiating basis in the Directorate of Marketing and Inspection at Sahibabad (U.P.) in the forenoon of 15-7-74, until further orders.

N. K. MURLIDHARA RAO,
Agricultural Marketing Adviser.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

Personnel Division

Bombay-85, the 30th July 1974

No. PA/73(5)/73-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. (Smt.) Shashikala Rajanikant Tilbhwan to officiate as Resident Medical Officer in a temporary capacity in the same Research Centre from the forenoon of June 19, 1974 to the afternoon of August 16, 1974, or until further orders whichever is earlier.

No. PA/73(5)/73-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. Dharmaraj Halligoud Patil to officiate as Resident Medical Officer in a temporary capacity in the same Research Centre with effect from the forenoon of July 1, 1974 for the period of 2 months, or until further orders whichever is earlier.

P. UNNIKRISHNAN,
Dy. Establishment Officer (R)

Bombay-400085, the 7th August 1974

Ref. 1/1/71/Est.XII/1194.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Deb Narayan Bagchi, permanent Assistant Security Officer in this Research Centre to officiate as Security Officer in the same Research Centre from 25-3-1974 (FN) to 14-4-1974 (AN), vice Shri L. H. Karamchandani, Security Officer granted leave.

A. SANTHAKUMARA MENON,
Deputy Establishment Officer

Bombay-400085, the 8th August 1974

Ref. No. B/620/Accts/Estt.III/132.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Shankar Vishnu Bhave, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in a temporary capacity in this Research Centre for the period from 15-4-74 to 10-6-74 vice Shri S. A. Jha, Asstt. Accounts Officer granted leave and from 11-6-74 to 5-10-74 vice Shri S. G. Joshi, Asstt. Accounts Officer, granted leave.

C. J. JOSEPH,
Dy. Establishment Officer

Bombay-400085, the 29th July 1974

No. 19(6)/(SB)/70-Estt.XIII/693.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints Shri Rama Rao Savanal, a temporary Scientific Officer/Engineer (SC1), Fuel Reprocessing Division in a substantive capacity as Scientific Officer/Engineer Grade-SB with effect from February 1, 1969.

CORRIGENDUM

In this Centre's Notification No. 19(6)/(SB)/70-Estt. XIII/139 dated January 24, 1974, under the columns 'Post held at present in permanent/officiating capacity' and Division in respect of Shri M. M. Thapar (Sl. No. 10) may be amended to read as Draughtsman (C)/SC1 and R-5 Project instead of Draughtsman (C)/SB and Reactor Operations respectively.

L. H. MIRCHANDANI,
Establishment Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 30th July 1974

No. RRC/PF/18/71/15398.—Consequent on his selection for appointment as Administrative Officer II in Bhabha Atomic Research Centre, Shri YAGNASHWAMY SASTRIGAL SAM-BAMURTHI, a permanent Assistant Personnel Officer of BARC, relinquished his charge as Assistant Personnel Officer in this Centre on the afternoon of July 4, 1974.

K. CHAKRAVARTHI,
Chief Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 29th July 1974

No. A. 38012/2/73-EC.—The President has been pleased to permit Shri B. A. N. Raju, Technical Officer, Civil Aviation Department to retire from Government Service in terms of the provisions of F.R. 56(k) with effect from the 23rd February, 1974 (forenoon).

S. GUPTA,
Assistant Director of Administration,
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 1st August 1974

No. A-33023/1/74-EA.—The Director General of Civil Aviation hereby appoints the following Asstt. Aerodrome Officers (Trainees) to the post of Asstt. Aerodrome Officers, Class II, Gazetted post, in the Air Routes & Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Department in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-E.B. 880-40-1000-E.B.-40-1200, in a temporary capacity with effect from the dates mentioned against their names and until further orders :—

Sl. No.	Name	Station	Date
1	2	3	4
1.	Sh. Kamal Prashar .	Bombay Airport	4-7-74
2.	Sh. Ashok Raj Walmik .	Calcutta Airport	4-7-74
3.	Sh. Piyushi Joshi .	Do.	4-7-74
4.	Sh. R. N. Chowdhury .	Do.	4-7-74
5.	Sh. P. N. Tewari .	Do.	4-7-74
6.	Sh. Pahari Sanyal .	Do.	4-7-74
7.	Sh. B. K. Keswani .	Do.	4-7-74

1	2	3	4
8.	Sh. M. S. Gosain .	Delhi Airport, Palam.	4-7-74
9.	Sh. P. Kumar .	Do.	4-7-74
10.	Sh. Shyam Sunder Verma .	Do.	4-7-74
11.	Sh. Rakesh Verma .	Do.	4-7-74
12.	Sh. S. P. Kohat .	Nagpur	5-7-74
13.	Sh. L. P. Menzes .	Bombay Airport	26-7-74
14.	Sh. S. S. Sathe .	Do.	26-7-72
15.	Sh. Kamal Kant .	Do.	26-7-74
16.	Sh. R. I. Singh .	Do.	26-7-74
17.	Sh. Mihir Karmaekar .	Calcutta Airport	25-7-74
18.	Sh. Vinay Kapoor .	Safdarjung Airport	25-7-74
19.	Ku. Paramjeet Sidhu .	Do.	25-7-74
20.	Sh. J. B. R. Prabhakra Rao .	Madras Airport	26-7-74

The 5th August 1974

No. A. 32013/2/73-EA.—The President is pleased to give proforma promotion to the following Aerodrome Officers, who are at present on deputation with the International Airports Authority of India, to the grade of Senior Aerodrome Officer, in an officiating capacity, with effect from the dates given against their names and until further orders :—

Sl. No.	Name	Date
1.	Shri C. G. Vishwanath	4-11-73
2.	Shri G. N. Lokre	4-11-73
3.	Shri K. S. Jayaram	21-2-74

The 8th August 1974

No. A. 38012/4/74-EA.—Shri J. Nash, Senior Aerodrome Officer, Delhi Airport, Palam retired from Govt. service on attaining the age of superannuation on the 31st July 1974 (AN).

S. L. KHANDPUR
Assistant Director of Administration

**MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT**

New Delhi-3, the 31st May 1974

No. E(1)06694.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri D. S. Desai, Professional Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Poona as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of 15th April, 1974 and until further orders.

Shri Desai, Officiating Assistant Meteorologist has been posted to the office of the Director, Instruments, Poona.

NOOTAN DAS
Meteorologist

for Director General of Observatories

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Bangalore, the 18th June 1974

No. 6/74.—The following permanent Inspectors of Central Excise (SG)/Deputy Superintendent (CT) have been appointed until further orders to officiate as Superintendents of Central Excise Class II in the time scale of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200 with effect from the dates shown against each :—

Sl. No.	Name of the Officer	Station	Date of assumption of charge as Supdt. Class-II
1	2	3	4
S/Shri			
1.	Y. B. Khanapur .	M.O.R., Sadalga	4-4-74 (A.N.)

1	2	3	4
2.	B. Damodar . . .	Customs Special Preventive, Mangalore.	3-4-74 (A.N.)
3.	C. R. Gundu Rao . . .	Bangalore III Dn.	29-5-74 (F.N.)
4.	G. H. D' Cruz . . .	I.G., Bhadravathi	3-6-74 (F.N.)
5.	I. B. Thimmiah . . .	M.O.R., Ravandur	6-6-74 (F.N.)
6.	V. G. Johnson . . .	M.O.R., Harpanahalli	8-6-74 (A.N.)
		R. B. SINHA, Collector.	

**CENTRAL WATER AND POWER COMMISSION
(WATER WING)**

New Delhi-22, the 17th August 1974

No. A-19012/82/70-Adm.V. Vol. III.—In partial modification of this Commission's Notification No. A-32014/2/70-Adm. V, dated 13-9-72, the Chairman, Central Water and Power Commission is pleased to decide that the date of appointment of Shri J. G. Idnani in the grade of E.A.D./A.E./A.R.O. (Engg) in the Central Water and Power Commission on a regular basis should be 15-11-1972 instead of 31-5-1972.

The 19th August 1974

No. 19012/452/73-Adm.V.—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Shri J. P. Anthony to officiate as Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engg.) in the Central Water and Power Commission on a purely temporary and *ad hoc* basis. Shri J. P. Anthony took over charge of the office of Assistant Engineer in the Chanda East Raiging Sub-Division, Chanda with effect from 10-8-1973 (A.N.) to 26-9-1973. On completion of the prescribed eligibility condition Shri J. P. Anthony will be entitled to pay and allowance in the grade of EAD/AE/A.R.O. (Engg.) in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 27-9-1973 (F.N.) until further orders.

This notification is issued in supersession of this Commission's notification No. A-19012/452/73-Adm. V, dated 22-4-1974.

No. 19012/446/73-Adm.V.—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Shri Srikantha Boxi to officiate as an Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engg) in the Central Water and Power Commission on a purely temporary and *ad hoc* basis. He will be entitled to draw his grade pay in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 as Extra Assistant Director/Assistant Engineer/

Assistant Research Officer (Engg.) on an *ad hoc* basis, with effect from 15-7-1974 (A.N.) until further orders.

Shri Srikantha Boxi took over charge of the office of Assistant Engineer in the Central Water and Power Commission (Water Wing) with effect from the above date and time.

K.P.B. MENON
Under Secy.

(POWER WING)

New Delhi-22, the 8th August 1974

No. 6/3/74-Adm.II(PW).—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints the following Technical Assistant/Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of Central Power Engineering Class-II Service with effect from the dates shown against their names until further orders:—

1. Shri V.B.K. Jain—12-7-1974 (F.N.)
2. Shri N. S. Mohan Rao—18-7-1974 (F.N.)

M. S. PATHAK
Under Secy.

SOUTH EASTERN RAILWAY

Calcutta-700043, the 7th August 1974

No. P/G/14/300B(Pt.II).—The following Junior Scale (Class I) Officers of Civil Engineering Department of this Railway are confirmed in Junior Scale (Class I) of that Department on this Railway with effect from the date noted against each:—

Name & date	from which confirmed
Shri M. Syed Sulaiman—13th December 1971.	
Shri S. K. Sinha—31st December 1973.	
Shri Rajat Mitra—2nd January 1974.	

No. P/G/14/300B(II).—Shri P. S. Prasad, an Officiating Class II Officer of Civil Engineering Department of this Railway is confirmed in Class II service of that Department on this Railway with effect from 20th April 1967.

G.S.A. SALDANHA
General Manager

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Madras-6, the 8th August 1974

In the matter of the Companies Act, 1956

And

In the matter of "Thirumal & Co., Private Limited."

(Section 445 of the Companies Act, 1956)

No. 2994/C.Liqn.—Notice is hereby given that by an order of the High Court of Judicature at Madras dated 11th April 1972 passed in C.P. No. 89 of 1971 the company "Thirumal & Co., Private Limited" was wound up.

Sd/- ILLEGIBLE
Addl. Registrar of Companies

OFFICE OF THE ADDITIONAL COMMISSIONER OF INCOME TAX, KANPUR

PUBLICATION OF NAMES IN WHOSE CASES AMOUNT OVER RS. ONE LAKH HAD BEEN WRITTEN OFF DURING THE FINANCIAL YEAR 1973-74

Sl. No.	Name and address of the assessee	Status	Asstt. year	Amount written off	Brief reasons for write off
1	2	3	4	5	6
1.	Mrs. Zaffar Mohd. C/o M/s. K. S. Rashid & Sons, Meerut.	Individual	1941-42 1942-43 1943-44 1944-45 1945-46 1946-47	15,568 24,028 1,09,909 1,58,014 1,78,026 6,51,398	The assessee died on 7-1-1946 leaving behind no assets. The outstanding demand of Rs. 9,36,943 has, therefore, been written off.
				9,36,943	
2.	Shri K. S. Rashid Ahmad, . . .	Individual	1941-42 1942-43 1943-44 1944-45 1945-46 1946-47 1962-63	15,429 23,915 1,09,807 1,57,604 1,78,959 3,83,995 6,244	The assessee migrated to Pakistan and died there in 1968, leaving behind insufficient assets. Therefore, out of the total demand in arrear against the assessee a demand of Rs. 8,80,000 has been written off keeping the balance alive for some possible future

1	2	3	4	5	6
			1963-64 1964-65 1965-66 1966-67	1,804 1,682 267 294 <hr/> 8,80,000	recoveries out of the assets known to the department
3.	S. Kanhaiya Singh, Prop. of M/s. Kartar & Co. Budhana Gate, Meerut.	Individual	1960-61 1961-62 1962-63 1963-64 1964-65 1965-66 1966-67	3,406 6,153 2,158 1,04,548 85,028 96,086 5,318 <hr/> 3,02,697	The whereabouts of the assessee are not known. The assets known to the department are not sufficient to cover the entire demand outstanding in the assessee's case. Out of the total demand in arrear against the assessee, a sum of Rs. 3,02,697 has been written off keeping the balance demand alive for some possible future recoveries out of the assets known to the department.
4.	Shri D. P. Bhatnagar, Govind Bhawan, Meerut	Individual	1943-44 1944-45 1945-46	16,676 2,41,835 6,227 <hr/> 2,64,738	The assessee was declared insolvent on 18-4-1959 and discharge order was made on 17-4-1962. He died on 4-11-1964. The assets known to the department are not sufficient to cover the entire demand outstanding against the assessee. Out of the total arrear demand, a sum of Rs. 2,64,738 has been written off keeping the balance for some possible recoveries out of the assets known to the department.
5.	M/s. Hasmat Ullah & Co., Meerut.	R.F.	1943-44 1945-46 1946-47 1947-48	1,907 1,16,199 2,22,916 71,666 <hr/> 4,12,688	There are no chances of recovery of the demand outstanding against the firm. The assets of the partners who are alive and are available are not sufficient to cover the entire demand outstanding against the assessee. Out of the total outstanding demand a sum of Rs. 4,12,688 has been written off keeping the balance alive for some possible future recoveries out of the assets known to the department.
6.	M/s. Ram Chand Vikramaditya Nayaganj, Kanpur.	Individual	C.A.P. Ending 13-4-43 1-4-44 19-4-45 1945-46 1946-47	35,054 5,122 99,679 74,551 42,750 <hr/> 2,57,147	As there are no assets of the assessee, there are no chances of recovery of the demand. A demand of Rs. 2,57,147 has, therefore, been written off.
7.	Shri Kailash Nath Agrawal, Choori Mahal, Kanpur.	Individual	1957-58 1958-59 1959-60 1960-61 1961-62 1962-63 1963-64	2,984 1,082 1,00,490 72,073 16,280 17,346 22,931 <hr/> 2,33,186	Whereabouts of the assessee are not known and the assets known to the department are not sufficient to cover the entire demand outstanding against the assessee. Out of the total demand in arrear against the assessee, a sum of Rs. 2,33,186 has been written off keeping the balance alive for some possible future recoveries out of the assets known to the department.
8.	Shri Sawal Das Prop. M/s. Sawan Oil Mills, Agra	Individual	1960-61 1961-62 1962-63	15,390 83,094 22,692 <hr/> 1,21,176	The present whereabouts of the assessee are not known. There are also no known assets in the name of the assessee. Therefore, there are no chances of recovery of the demand. The demand of Rs. 1,21,176 has been written off.
9.	Shri Dharam Das Prop. Dayal Oil Mills, Agra.	Individual	1966-67	1,46,530	The present whereabouts of the assessee are not known. There are also no known assets in the name of the assessee. Therefore, there are no chances of recovery of the demand. The demand of Rs. 1,46,530 has been written off.

NOTE.—The statement that the tax due from a person has been written off only means that in the opinion of the Income-Tax Department it can not on the date of publication be realised from the known assets of the assessee. The publication does not imply that the amount is irrecoverable in law or the assessee is discharged from his liability to pay the amount in question.

A. C. JAIN,
Additional Commissioner of Income Tax, Kanpur

FORM ITNS—

(1) Smt. V. Jayalakshmi, W/o. Venkataraman, 6, 'B' Block, Uma Co-operative Housing Society Shivajinagar, Poona City Maharashtra State.
(Transferor)

(2) Sri T. Natarajan, Partner, M/s. Nataraja Stores, 73, South Masi St. Madurai.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6

Madras-6, the 13th August 1974

Ref. No. F.X/10/41/73-74.—Whereas, I. K. V. Rajan, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 92, situated at Amman Sannathi, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudumandapam on 4-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building measuring about 2090 sq. ft. situated at 92, Amman Sannathi Street, Madurai.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 13-8-1974.

Seal:

FORM ITNS—

(2) Shrimati Rukia Bi, W/o Sri Abdul Wahab, Old Automobile spare parts merchant, Rukia Manzil 75, Road, VISAKHAPATNAM.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th August 1974

Ref. No. J.No. I(1737) /73-74.—Whereas, I K. Subbarao, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 30-8-20, Block No. 41, Ward No. 22 Allipuram ward, Vizag.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on 15-12-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Chintakayala Syamalamba, W/o Chintakayala Satyanarayana Rao, Dondaparti, Visakhapatnam.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Visakhapatnam District Visakhapatnam Sub-Registration Visakhapatnam Municipality Allipuram Ward Bhanu Street Dabagardens Ward No. 22 Block No. 41 T.S. No. 1462 Municipal asst. No. 24164 Door No. 30-8-20 230 Sq. Yds.

K. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range,
Kakinada.

Date : 9-8-74.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shrimati Siri Debi Surana W/o. Shri Surujmal Surana, Fancy Bazar, Gauhati.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE.
SHILLONG

Shillong, the 13th August 1974

Ref No. A-57/74-75/1641-47.—Whereas, I, N. Pachauau, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 1236, N.K.P. No. I, situated at Village Belkuchi Mouza Beltola, Gauhati, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer, at Gauhati on 5-12-1973.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Dab Mikir, S/o. Abat Mikir, Vill. Belkuchi, Mouza, Beltola, Gauhati.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2(two) bighas covered by Dag No. 1236, N.K.P. No. I at Village Belkuchi, Mouza, Beltola in the District of Kamrup of Assam State.

N. PACHUAU,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range,
Shillong.

Date : 13-8-74.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 13th August 1974

Ref No 1630-38/A-55/Gau/74 75.—Whereas, I N Pachua, being the competent authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Periodic Patta No 112 Dag No 672 situated at Mouza Beltola Vill Borsujai, Gauhati (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gauhati on 11-12-73

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

- (1) Shri Suren Boro Vill Borsujai, Beltola Gauhati, (Transferor)

- (2) 1 Shri Deokinandan Kedia, C/o Industrial Equipment, A T Road, Gauhati 2 Shri Kamala Prosad Agarwalla Jamunamukh Nowgog 3, Shri Prabhu Dayal Jhunjhunwala, Police Bazar Shillong, Meghalaya (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 2 (Two) bighas 2 (Two) Kattas and 10 (ten) lechhas covered by periodic Patta No 112 and Dag No 672 at Mouza Beltola Village Borsujai, Kamrup District of Assam title

N PACHUAU,
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of
Income-Tax (C.A.) Acquisition Range,
Shillong

Date 13 8 74
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 13th August 1974

Ref. No. 1618-27/A-58/Gau/74-75.—Whereas, I N. Pachauau being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Patta No. 182, Dag No. 405, situated at Village Patkuchi, Mauza Beltola (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gauhati on 15-12-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhutan Nath, Silpukuri, Gauhati. (Transferor)
- (2) (1) Shri Prakash Chan Patni, Fancy Bazar, Gauhati. (2) Smt. Bhowri Debi Jain, Fancy Bazar, Gauhati. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 (four) bighas 16 (sixteen) lechas covered by patta No. 182, Dag No. 405 at Vill. Patkuchi, Mouza Beltola in the District of Kamrup of Assam State.

N. PACHUAU,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-Tax (C.A.) Acquisition Range,
Shillong.

Date : 13-8-74.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 6th August 1974

No. A.R./III/411/74-75.—Whereas, I Shri R. G. Nerurkar the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range III Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 37, City Survey No. 112 situated at Kandivali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sub-Registrar's Office, Bandra on 27-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

1. Shri V. D. Desai Rainbow, Shantilal Modi Road, Kandivali, Bombay 67. (Transferor)
2. Shri H. Ali Mohmad H. Yakub, 11/19, Kambekar Street, 1st Floor, Karim Mansion, Room No. 3, Bombay 3. (Transferee)
3. Partners of M/s Mayur Theatres.
 - (1) Ebrahim Joosab.
 - (2) Hawabai Mohamed Yusuf.
 - (3) Maimoona Esmai.
 - (4) Urmila Pravinchandra.
 - (5) Gunwanti Lalitchandra.
 - (6) Zarina A. Majid.
 - (7) Sherbanoo A. Kadar.
 - (8) Sharifa Haji A. Ganl.
 - (9) Amritlal Vardhichandra.
 - (10) Haji Alimohamed H. Yakub.
(person in occupation of the property)
4. Partners of M/s. Mayur Theatres.
 - (1) Ebrahim Joosab.
 - (2) Hawabai Mohamed Yusuf
 - (3) Maimoona Esmai.
 - (4) Urmila Pravinchandra.
 - (5) Gunwanti Lalitchandra.
 - (6) Zarina A. Majid.

- (7) Sherbanoo A. Kadar.
- (8) Sharifa Haji A. Ganl.
- (9) Amritlal Vardhichandra.
- (10) Haji Alimohamed H. Yakub.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of leasehold land or ground together with the Theatre and other structures standing thereon and admeasuring 1303 square yards equivalent to 1089.477 square metres or thereabouts situate, lying and being at Kandivali in the Registration Sub-district of Bandra, District Bombay Suburban and bearing Plot No. 37 and bearing City Survey No. 112 and bounded as follows: that is to say: On or towards the NORTH by land bearing City Survey No. 111; ON or towards the SOUTH by the land bearing City Survey No. 262; ON or towards the EAST by the land bearing City Survey No. 113 and ON or towards the WEST by Netaji Subhas Road.

ALL THAT piece or parcel of land or ground admeasuring 638.53 square yards equivalent to 533.894 square metres or thereabouts situate, lying and being at Kandivali in the Registration Sub-district of Bandra, District Bombay Suburban and forming part of a larger piece of land admeasuring 1234 sq. yds. equivalent to 1031.784 square metres or thereabouts and bearing Plot No. 39 (part) and City Survey No. 262 (part) and assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under R Ward No. 917(2) Street No. 275AA Netaji Subhash Road and bounded as follows: On or towards the North by Plot No. 37 and City Survey No. 112; On or towards the South partly by Shantilal Modi Road; and partly by the property of Shri Vipin Desai; On or towards the East partly by Netaji Subhas Road and partly by the property of Shri Vipin D. Desai and On or towards the West by land bearing City Survey No. 113.

R. G. NERURKAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-III,
Bombay.

Date : 6-8-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14,
ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI.

New Delhi, the 13th August 1974

Ref. No. IAC/Acq.II/Feb(2)/74-75/2137.—Whereas I, C V GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Village Katewara, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 28/2/1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269D, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chuni s/o Shri Amar Singh, r/o Village Katewara, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Rajinder Singh s/o Shri Siri Ram r/o Village MUNDKA, Delhi State, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land measuring 47 bighas & 18 biswas comprising of Khasra Nos. 152 (4-14), 144 (4-16), 139 (4-16), 135 (4-11), 136 (0-5), 580 (4-16), 147 (4-16), 143 (4-16), 140 (4-16), 142 (4-16), 141 (4-16) situated at Village Katewara, Delhi State, Delhi.

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi.

Date : 13th August 1974.

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6**

Madras-6, the 13th August 1974

Ref. No. F. IX/1/22/74-75.—Whereas I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/30 situated at Pantheon Road, Egmore, Madras-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Dist. Regr. I. Mds. on 17-4-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Mrs. C. Prema Kumar, 36, Thirumalai Pillai Road, Madras-17. (Transferor)
2. Mr. Mohamed Hussain, Mrs. Jahanara and Miss Romana, 9-A, Nungambakkam High Road, Madras-34. (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring about 6 grounds 2026 sft. in R.S. No. 1624/B, situated in 1/30, Pantheon Road, Egmore, Madras-8.

K. V. RAJAN,

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 13th August 1974.

Seal :

FORMS ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 13th August 1974

Ref No. F.IX/3/235/73-74.—Whereas, I, K. V. RAJAN being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

door No. 1/30 situated at Pantheon Road, Egmore,

Madras-8,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSR. II, Madras, on 14-12-1973,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Venkatavalli alias Mrs. C. Prema Kumar No. 36, Thirumalai Pillai Road, Madras-17.
(Transferor)
- (2) Mr. Mohammad Hussain, 9-A, Nungambakkam High Road, Madras-34.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring about 3 grounds in R. S. No. 1624/B (Part) situated in 1/30, Pantheon Road, Egmore, Madras-8.

K. V. RAJAN,
COMPETENT AUTHORITY,
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1,
MADRAS-6.

Date : 13-8-1974

Seal :

FORM ITNS

(1) Transport Corporation of India (Private) Ltd., P-4,
New C.I.T. Road, Calcutta.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 12th August 1974

Ref. No. Ac/90/R-IV/Cnl/74-75.—Whereas, I, GEORGE VARGHESE,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P-336 C.I.T. Road, situated at Calcutta, (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Registrar of Assurances, Calcutta, on 22-12-1973,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(2) Shyamalbari Jhunjhunwala, P-214, C.I.T. Road, Calcutta.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P. 336, C.I.T. Road, Scheme No. VI M. 6 cottah 6 chattaks 23 sq. ft of land and structures constructed thereon.

GEORGE VARGHESE,
COMPETENT AUTHORITY
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE IV, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-6.

Date : 12-8-74

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV
CALCUTTA

Calcutta-16, the 19th June 1974

Ref. No. AC-81/R-IV/CaI/74-75.—Whereas, I, GEORGE VARGHESE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khatia No. 1292, 1293, Dag No. 644 situated at P. S. Baranagar, Mouza Ponhugli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Cossipole, Dum Dum on 22-12-73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Mr. Manika Majumder, 9, Motilal Nehru Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Bikramjit Roy Chowdhury, 156, B. T. Road, Calcutta-35.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 Bigha 4 Cottahs of land, P.S. Baranagar, Mouza—Bonhugli, Kh. 1292, 1293 Dag—644, Dist. 24-Parganas (as described in Deed No. 8703 Case No. 6637).

GEORGE VARGHESE
COMPETENT AUTHORITY
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 19-6-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Calcutta, the 24th June 1974

Ref. No. AC-82/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I GEORGE VARGHESE being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 64/39 situated at Belachia Road, Calcutta-37. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar of Sealdah, 24-Parganas on 5-12-73. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Sm. Sailabala Ghose and Shri Tapan Kumar Ghose, both of 289E, Darga Road, Calcutta-17.
(Transferor)

(2) Anath Bandhu Chakraborty, 64/44B, Belgachia Road, Calcutta-37.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

8 Cottahs 2 Chhattacks and 29 Sq. Ft. of vacant land No. 64/39, Belgachia Road, Calcutta-37, P.S. Ultadanga, Holding No. 3/4, Mouza—Belachia, Sub-division VII, Division II, Dihia Panchannagram, Dist. 24-Parganas.

GEORGE VARGHESE
COMPETENT AUTHORITY
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 24-6-74
Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Anand Prakash S/o Shri Shivbux Gehlot of Bara Mandavata Jodhpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 24th June, 1974

Ref. No. J-17/73(24)33/129.—Whereas, I, V. P. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Ratanada Road, Jodhpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 21-12-1973, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhoopat Singh S/o Bhom Singh Rajput High Court Colony, Jodhpur.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situated on main Ratanada Road, Jodhpur. Area 2265.39 Jodhpuri Sq. yds.

V. P. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 24-6-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 24th June, 1974

Ref. No. J-17/73 (24) 19/126.—Whereas, I, V. P. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Jodhpur,

(and more fully described

in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jodhpur on 21-12-1973.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhoopat Singh S/o Bhom Singh Rajput High Court Colony, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Meh Ram S/o Savat Ram (ii) Gordhan Ram S/o Lacha Ram Visnoi of Fitkasani Teh. Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot situated on Shiv Road near Ratanada main Rd, Jodhpur. Total area 2283.41 Jodhpuri sq. vds.

V. P. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range, Jaipur.

Date : 24-6-1974

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bhoopal Singh S/o Bhom Singh Rajput, High Court Colony Jodhpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 24th June, 1974

Ref No. J-17/73(24)17/128.—Whereas, I, V. P. MITTAL, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door

No. Plot situated at Shiv Road, Jodhpur, described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Agent at Jodhpur on 21-12-1973, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(2) Hari Ram, Choga Ram, Gever Ram Vishnoi of Guda Vishnoyan Teh. Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot at Ratanada on Shiv Road, Jodhpur. Total area 2295.69 Jodhpuri su. vds.

V. P. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range, Jaipur.

Date : 24-6-1974

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bhoopat Singh S/o Bhom Singh Rajput High Court Colony Jodhpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Harlal S/o Arjan Ram Vishnoi, Fitkasani Teh. Jodhpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur the 24th June 1974

Ref. No. J-17/73(24)18/127.—Whereas, I, V.P. MITTAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Jodhpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Jodhpur on 21-12-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that the date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. B, situated at Shiv Road, Ratanada, Jodhpur. Total area 2277.57 sq. yds.

V. P. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range, Jaipur.

Date : 24-6-1974.

Seal :

FORM NO. ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 25th June 1974

Ref. No. J-3/73(23)12/18.—Whereas, I, V. P. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 156 situated at Jaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 6-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Babu Lal Jain S/o Shri Mool Shah Jain R/o Adarsh Nagar Plot No. 222 Jaipur.
(Transferor)

(2) Shrimati Heera Devi W/o Shri Sewa Ramji Chittor Adarsh Nagar, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 156, Fateh Tiba, Adarsh Nagar, Jaipur. Total area 90' × 50'.

V. P. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 25-6-74

Seal :

FORM ITNS—

- (2) (i) Shri Vijay Singh (ii) Champalal, Sons of Shri Poonam Chand Caste Oswal Dugar, R/o Chhapar, Teh. Sujangarh Distt Churu.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 28th June 1974

Ref. No. S-28/73(23)1/103.—Whereas, I, V. P. MITTAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Chhapar Town, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sujangarh on 11-12-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jeewan Mal S/o Late Shri Roop Chand Caste Oswal Nahta R/o Chhapar Teh. Sujangarh, Distt. Churu.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The house known as guest house situated in Mohlla Nahta Bas, Chhapar town. Total plot area 590 sq. yds.

V. P. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 28-6-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shrimati Vimla Devi W/o Shri Hans Saroop Gupta
59, Jaswant Building, Jodhpur.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
JAIPUR**

Jaipur the 28th June 1974

Ref. No. J-17/73(23)16/122.—Whereas, I, V. P. MITTAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 421 situated at Jodhpur, (and more fully de-

scribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering at Jodhpur on 15-12-1973,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shrimati Edua Davis W/o Shri Samuel 421, 1st C Road, Sardarpura, Jodhpur.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 421, 1st 'C' Road, Sardarpura, Jodhpur. Total Plot area 3078 sq. ft. Basement covered area 215 sq. ft. and ground floor covered area 1075 sq. ft.

V. P. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 28-6-1974

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kesarsingh S/o Shri Laxmansingh Ada r/o
Opposite Sahelion Ki Badi, Udaipur.

(Transferor)

(2) M/s. Anand Kumar & Co., Udaipur.

(Transferee)

(3) Shri Kesarsingh S/o Shri Laxmansingh Udaipur.

(person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 17th June 1974

Ref. No. U-2/73/(23)8/9.—Whereas, I, V. P. MITTAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. open plot situated at Udaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Udaipur on 13-12-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 6A situated opposite Sahelion Ki Bari, Udaipur. Total area of the plot is 125' × 75'.

V. P. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jaipur

Date : 17-6-1974

Seal :

Form I.T.N.S.

- (2) Sri Girja Shanker Trivedi
 2. Sri Kripashanker Trivedi
 3. Sri Ashok Kumar Trivedi (minor)
 4. Sri Sanjay Trivedi (minor)
 All R/o 108/186, Ram Bagh, Kanpur.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th June 1974

Ref. No. 75/Acq/KNP/73-74/4014/903.—Whereas, I Y. Khokhar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 108/186 situated at Rambagh, Kanpur (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kanpur on 24-12-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Shyama Nigam, Wd/o Sri Manohar Lal
 2. Sri Kamla Kant, S/o Sri Manohar Lal
 3. Sri Rama Kant, S/o Sri Manohar Lal
 All resident of 108/186, Ram Bagh, Kanpur.

(Transferor)

- (3) 1. Sri Kulveer Singh
 2. Sri Kalyan Singh
 3. Sri Gur Prasad
 4. Sri Gur Charan
 5. Sri Balehwar
 5. Sri Hans Raj Chawla
 6. Sri Prakash Narain
 7. Sri Munna Lal
 All R/o 108/186, Ram Bagh, Kanpur.

(Persons whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property bearing Municipal No. 108/186, situated at Rambagh, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 45,0000/-.

Y. KHOKHAR,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Kanpur,

Date : 14-6-74

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, SHILLONG.

Shillong, the 10th April 1974

Ref. No. A-29/TSK/AR/73-74/145.—Whereas, I N. Pachauau, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2 under part of Dag No. 2018, P.P. No. 114 situated at Tinsukia Town, Mouza Tinsukia, Assam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tinsukia on 1-12-73, 15-1-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) M/s Tinsukia Development Corporation, Limited, Tinsukia,

(Transferor)

(2) M/s Dooars Transport, Tinsukia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring OB-3K-7' 4L under part of Dag No. 2018, P.P. No. 114 of Tinsukia Town, Mouza Tinsukia in the State of Assam

N. PACHUAU,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Shillong.

Date : 10-4-1974

Seal :

FORM ITNS

tion 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JAIPUR**

Jaipur, the 22nd April 1974

Ref No. B-28/73(24)1/65.—Whereas, I, V. P. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building situated at Bikaner,

(and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bikaner on 20-12-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue at the notice under sub-section (1) of Sec-

(1) Shri Das s/o Sh. Naraindas Daga, Bikaner through Sh. Haridas s/o Sh. Naraindas holding spl. power of attorney.

(Transferor)

(2) Shri Mahesh Jankalyan Trust, Daga Mohalla, Bikaner.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of three storeyed building (Kotdi) situated at Daga Mohalla, Bikaner.

V. P. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jaipur.

Date : 22-4-1974

Seal :

FORM ITNS

(1) Haridas s/o Sh. Narain Das Daga, Bikaner.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Mahesh Jan Kalyan Trust, Daga Mohalla, Bikaner.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd April 1974

Ref. No. B-26/73(24)3/67.—Whereas, I V. P. Mittal being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Building situated at Bikaner,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bikaner on 20-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between (the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immoveable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of three storeyed building (Kotdi) situated at Daga Mohalla, Bikaner.

V. P. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jaipur.

Date : 22-4-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 22nd April 1974

Ref No. B-28/73(24)2/66—Whereas, I, V. P. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building situated at Bikaner, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bikaner on 20-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Jag Mohan s/o Sh. Naraindas Daga, Bikaner through Shri Haridas s/o Sh. Naraindas holding spl. power of attorney.

(Transferor)

(2) Shri Mahesh Jan Kalyan Trust, Daga Mohalla, Bikaner.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of three storeyed building (Kotdi) situated at Daga Mohalla, Bikaner.

V. P. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range,
Jaipur.

Date . 22-4-1974.

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd April 1974

Ref. No. B-28/73(24)4/68.—Whereas, I, V. P. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. building situated at Bikaner, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bikaner on 20-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ganga Das s/o Shri Narain Das Daga, Bikaner through Shri Haridas s/o Sh. Naraindas holding Spl. power of attorney.
(Transferor)
- (2) Shri Mahesh Jan Kalyan Trust, Daga Mohalla, Bikaner.
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of three storeyed building (Kotdi) situated at Daga Mohalla, Bikaner.

V. P. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 22-4-1974.

Seal :

FORM ITNS.—

(2) S/Shri Vinod Kumar Agarwal & Ashok Kumar Agarwal, 7/150, Swaroop Nagar, Kanpur Parmanand, 32/86, Bagia Mani Ram, Kanpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 26th April 1974

Ref. F No. Acq/58/KNP/3406/73-74/289.—Whereas, I, C. S. PANDEY, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 32/86, situated at Mani Ram Bagia, Kanpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 6-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Lala Radhey Lal Agarwal, 32/86, Bagia Mani Ram, Kanpur.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of House property No. 32/86, situated at Mani Ram Bagia, Kanpur.

C. S. PANDEY,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 26-4-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 26th April 1974

Ref. F. No. Acq/66/KNP/3728/73-74.—Whereas, I, C. S. PANDEY, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 88/114 situated at Prem Nagar, Sheo Sahai Road, Kanpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kanpur on 14-12-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) (1) Sri Bishambhar Nath Pande S/o Sri Shiva Rakshak Pande;
- (2) Sri Kailashnath Pande C/o Sri Shiva Rakshak Pande;
- (3) Sri Vishwanath Pande S/o Sri Shiva Rakshak Pande;
- (4) Sri Girish Nath Pande;
- (5) Sri Som Nath Pande;

- (6) Mrs. Uma Shankar D/o Sri Shiva Rakshak Pande;
- (7) Km. Krishna Pande D/o Sri Shiva Rakshak Pande;
- (8) Smt. Pushpa Rani Awasthi D/o Sri Shiva Rakshak Pande;
- (9) Smt. Satya Misra D/o Shri Shiva Rakshak Pande;
- (10) Smt. Kamla Pande Wd/o Shri Shiva Rakshak Pande; all resident of 88/114, Prem Nagar, Sheo Sahai Road, Kanpur.

(Transferors)

- (2) Smt. Padam Kumari W/o Sri Sitaram Gupta, 74/101, Dhankutti, Kanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 88/114, Prem Nagar, Sheo Sahai Road, Kanpur.

C. S. PANDEY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date . 26-4-74

Seal :

FORM ITNS—

(2) Smt. Sudarshan Kaur W/o Gurusaran Singh, No. 4-B-
Sarvodaya Nagar, Kanpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 15th April 1974

Ref. No. E.55/Acq/Kanpur/73-74/139.—Whereas, I, Y. KHOKHAR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-B situated at Sarvodaya Nagar, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kanpur on 4-12-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Anoop Singh S/o Sri Krishna Singh, R/o 5- Gulistan Colony, Lucknow.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4-B measuring 1071 square yards situated at Sarvodaya Nagar, Kanpur, apparent consideration of which is at Rs. 46,000/-.

Y. KHOKHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Kanpur.

Date : 15-4-1974

Seal :

FORM ITNS —

(1) Smt. Shiv Devi Srivastava Wd/o Sri Baij Nath Srivastava, 13/306, Parmat, Kanpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Smt. Indra Shukla W/O Sri Krishna Chandra Shukla, Village Khamela Tehsil Derapur, Distt. Kanpur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE
KANPUR

Kanpur, the 22nd April 1974

Ref No. Acq./76/4034/73-74/187.—Whereas, I Y. Khokhar Khokhar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15/89D, situated at Civil Lines, Kanpur-I (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kanpur on 24-12-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No. 15/89D, Civil Lines, Kanpur-I, Kanpur.

Y. KHOKHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 22-4-74.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shrimati Ajit Singh C/o Sri Ram autar Singh, New Arca, Jakanpur, P.S. Kotwali, Dt. Patna.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 6th February 1974

Ref. No. III-80/Acq./73-74/1533.—Whereas, I, J. Nath, I.A.C., of Income-tax, Acquisition Range, Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nil, situated at Boarding Canal Road, Patna (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Patna on 27-12-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Sri Vijay Kumar & Sri Ajay Kumar, S/o Prof. Baidya Nath, New Dak Bungalow Road, P.S. Kotwali, Dt. Patna.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building, area-6 Kathas at Boring Canal Road, Patna, Tanzi No. 805, Khota No. 125, Plot No. 1077.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna.

Date : 6-2-74,

Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2nd FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad 380009, the 21st February 1974

Ref No 80/Acq 23 123/14 6/73-74.—Whereas, I P N Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Survey No 1995/41 at Mehsana situated at Mehsana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mehsana on 6 12-1973 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Tejaji Punjaji Thakor, Mal Godown, Mehsana
(Transferor)

(2) Shri Jadiben Mohanlal widow of Mohanlal Babaldas Panchal, village Mitha, Distt Mehsana
(Transferee)

(3) Shree Udaynagar Co Operative Housing Society through its President Shri Kanaialal Vithaldas Sathwara, c/o Navinchandra Rawal, Uncho Bhatwado Mehsana

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing Survey No 1995/41 admeasuring 4791-10 sq. yards on ST Road, Mehsana.

P. N. MITTAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date 21st February, 1974.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Dineshchandra Chimantal Mchta, Asha-nagar,
Navsari,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 1st May 1974

Ref. No. PR95/Acq. 23-117/7-4/73-74.—Whereas, I P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Municipal H. No. 743/A to 743/A-1 in Mun. Ward No. 6 situated at Asha-nagar, Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Navsari on 19-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shantaben, wife of Shri Dhirubhai Khandubhai Desai.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection(s).

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building bearing Muni. House No. 743/A to 743/A-1—Land admeasuring 6348 Sq. ft. situated at Asha-nagar, Municipal Ward No. 6, Navsari—as mentioned in the Registration Deed No. 1171 of December 1973 of the Registering Officer, Navsari.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 1st May, 1974.

Seal :

FORM ITNS

(2) Bhogibhai Kanjibhai Mistry.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2nd FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 10th June, 1974

Ref. No. PR. 101/Acq. 23-92/19-8/73-74.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nondh No. 2447 Ward No. 7 situated at Saiyedpura, Choki Street, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1948) in the office of the Registering Officer at Surat on 13-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Ramanlal Motibhai Patel.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof, shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land and building bearing Nondh No. 2447 Ward No. 7 situated at Saiyedpura, Choki Street, Surat—Land admeasuring 136 Sq. yds. with construction on the gr. floor 136 Sq. yards—1st, 2nd and 3rd floors 640 Sq. ft. each and 4th floor 480 Sq. ft. as mentioned in the registered deed No. 4331 of December 1973 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date 10-6-1974

Seal :

FORM ITNS

(2) Partners of M/s Jayashree Land Development Syndicate on behalf of the firm, Satishchandra Jamnadas Shah—Chandrakant Devjibhai
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2nd FLOOR
HANDIOMM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th June 1974

Ref No PR 102/Acq 23 96/19-8/73-74—Whereas I P N Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Ward No 1 Nondh No 496 Paiki situated at Nanpura, Main Road, Sutat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 29-12-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely—

(1) Shri Saleh Nomanbhai on his behalf & on behalf of Khadijabu Nomanbhai, Khaiyum Nomanbhai Daudi Nomanbhai as power of attorney holder

Taher Mohmedbhai on his behalf and on behalf of Khadija Mohmedbhai, Daudi Mohmedbhai as power of attorney holder

Daudi Isufali and on behalf of Mariam Tariabji Hatim Isufali, Khadija Ibrahim Abdul Kaiyum, Ateka Alibhai Malbari, Sufia Ismfi Kherulla Fatemi

Turab Motiwala and Rukhaiya Ismail Salehbhai
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Nanpura, main road, Ward No 1, Nondh No 496 Paiki—Surat—admeasuring 539 Sy yards as mentioned in registered deed No 4871 of December 1973 of the Registering Officer, Sutat

P. N MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Date 10-6-1974.

Seal :

FORM ITNS

(2) Principal Officer, Swashraya Benefit Pvt. Ltd., Surat.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2nd FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 10th June 1974

Ref. No. PR. 103/Acq. 23-133/19-8/73-74.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. Sur. No. 13/2 and 14, Ward No. 13 Nondh No. 3 and 2, Plots Nos. 4, 5, 6 & 7 situated at Diwali Baug, Athwa Lines, Surat (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 17-12-1973 apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Maneklal Bhagwandas Reshamwala Shantaben Maneklal Reshamwala Vinodchandra Sakerlal Kapadia Shusmaben Vinodchandra Kapadia Matulal Ranchhoddas Ghadaya Jayavadan Ramnilal Veerendra Ramniklal Narendrakumar Balubhai Pachhigar.

(Transferor)

- (3) As at S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the Property]

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing of the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Diwalibaug, Athwa, Lines, Surat—Rev. Sur. No. 13/2 & 14, Ward No. 13, Nondh No. 3 & 2—out of 2306-1-2 Sq. yards sub-plots Nos. 4, 5, 6 & 7 each plot admeasuring about 330 Sq. yards and total area about 1320 Sq. yds. with foundation construction as mentioned in registered deeds No. 4413, 4415, 4416 and 4414 of December 1973 of the Registering Officer, Surat, respectively

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range, Ahmedabad.

Date 10-6-1974.

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri Savitaben Madanlal, Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2nd FLOOR,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 12th June, 1974

Ref. No. PR. 104/Acq. 23-112/19-7/73-74.—Whereas, I P. N. Mittal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No. 1 Nondh No. 717 situated at Bhatia Mohalla, Nanpura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 29-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(2) Indranil Apartments Co-operative Housing Society, Surat—by its Chairman—Sri Maheshchandra Chhabildas Mehta Secretary—Nitin Nalinkant Ruwala Member of Committee—Gopal Raojirao Shinde.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land situated at Bhatia Mohalla (Bunder Mohalla) Nanpura, Surat bearing Ward No. 1, Nondh No. 717—admeasuring 167 Sq. Yards as mentioned in the registered deed No. 4802 of December 1973 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 12-6-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 12th June 1974

Ref. No. PR-105/Acq. 23-113/19-7/73-74.—Whereas I, P. N. Mittal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Ward No. 1 Nondh No. 718 situated at Bhatia Moholla, Nanpura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 29-12-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Fulmaniben Balvantram, Bombay (Transferor)
- (2) Indranil Apartments Co-operative Housing Society

—Surat—by its Chairman—Shri Maheshchandra Chhabildas Mehta Secretary—Nitin Nalankant Ruwala Member of Committee—Gopal Raojirao Shinde. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land bearing Ward No. 1—Nondh No. 718 admeasuring 139 Sq. Yards situated at Bhatia Moholla (Bunder Moholla) Nanpura, Surat—as mentioned in the registered deed No. 4801 of December 1973 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 12-6-1974.

Seal :

FORM ITNS

(1) Madanlal Balvantram Vakharia, Bombay
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 12th June 1974

Ref. No. PR.106/Acq. 23-180/19-8/73-74.—Whereas I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Ward No. 1 Nondh Nos. 715 and 716 situated at Bhatia Mohalla, Nanpura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 29-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(2) Indranil Apartments Co-operative Housing Society, Surat by its Chairman Maheshchandra Chhabildas Mehta Secretary—Nitin Nalinikant Ruwala Member of Committee—Gopal Raojirao Shinde

(3) As at S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the Property]

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open piece of land in Mun. Ward No. 1 Nondh Nos. 1/715 and 1/716 situated at Bhatia Moholla (Bunder Mohalla) Nanpura, Surat—admeasuring in all 290 sq. yards each parcel of land admeasuring 134 sq. yds. and 156 sq. yds. respectively as mentioned in the registered deeds No. 4803 and 4804 of December 1973 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 12-6-1974.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II****AHMEDABAD**

Ahmedabad-380009, the 24th June 1974

Ref. No. 108/Acq. 23-181/19-7/73-74.—Whereas I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mun. Ward No. 1, Nondh No. 1333 & 1334 Paiki—Plot No. 2 situated at Nanpura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 26-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Jeevanlal Nebhumal Gopichand Nebhumal So apari Sadan, Ambaji Rd., Nani Chhipwad, Surat.
(Transferor)

(2) Kamalaben Govindram Jayashriben Narandas Nanpura, Surat.
(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing Mun. Mard No. 1, Nondh No. 1333 & 1334 Paiki Plot No. 2 situated at Nanpura, (on way to Majura Gate) Surat—admeasuring 600 Sq. Yds. as mentioned in the registered deed No. 4668 of December 1973 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 24-6-1974.

Seal :

FORM ITNS

(2) Chandulal Jivabhai Patel, Hansa Society, Varachha Road, Surat
(Transferor)
(4) Pravin Ichcharam Gandhi

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property (land and certain old structures) bearing Nendor No. 4104—Mun. Ward No. 7 situated at Unapani Road, Surat—admeasuring 134 Sq Yds. as mentioned in the registered deed No. 4217 of December 1973 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Hormasha Faramroz Daruwala Delhi Gate, Unapani Road, Surat.
(Transferor)

Date : 24-6-1974.

Seal :

FORM ITNS

(1) Kusumchand Babubhai Sarkar, Pravinchandra
Babubhai Sarkar, Gopipura, Vorwad, Surat,
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II**

2ND FLOOR HANLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th June 1974

Ref. No. PR.107/Acq. 23-98/19-8/73-74.—Whereas I, P. N. Mittal,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Muni Ward 10 Nondh No. 1489 situated at Motipole, Gopipura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Surat on 29-12-1973 for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(2) Girichhaya Apartment Co-op. Housing Society, Motipole, Gopipura, Surat, on behalf of the society
—Chairman—Rajesh Babubhai Damania Secretary
—Vijaykumar Keshavlal Shah Member—Subhash Kantilal Chokshi

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Moti Pole, Gopipura, Surat bearing municipal Ward No 10, Nondh No. 1489 Street No. 58—admeasuring 159 sq. yds. as mentioned in the registered deed No. 4894 of December 1973 of the Registering officer Surat.

P. N. MITTAL.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 24-6-1974

Seal :

FORM ITNS—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009
MADRAS-6

Ahmedabad-380009, the 27th June 1974

Ref. No. PR 112/Acq. 23-183/19.8/73-74.—Whereas I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. Sur. 63/1 Plots No. 36 to 42 and 43 to 50 situated at Umra, Chorasi, Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 26-12-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Partners of M/s. Swastik Housing Corporation—on their own behalf & on behalf of the firm—Chhotubhai Narottambhai Patel Maganbhai Amthabhai Karsanbhai Amthabhai, Nathubhai Ganeshbhai Patel Vanmalibhai Bhikhabhai Patel Savitaben Jagabhai Patel Bhuliben Wd./of Jagabhai Parsottambhai.

(Transferor)

(2) Kiran-Deep Co-operative Housing Society President—Shantaben Jayantilal Damakia Secretary—Dr. Nathubhai Chhaganlal Bhandari Surat.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Sur. No. 63/1 12.20 Acres paiki Plots No. 36 to 42 admeasuring about 1239.52 Sq. yards and Plots No. 43 to 50 admeasuring about 1784.87 sq. yards i.e., total about 3024 sq. yds. situated at Umra, Tal. Chorasi, Surat as mentioned in the registered deeds No. 4620 and 4619 of December 1973 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date : 27-6-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 17th June 1974

Ref. No. Acq. 23-J-84/1-1/73-74.—Whereas, I J. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 380/1 Sub-Plot Nos. 5 & 6 E.P. No. 93, T.P.S. No. 10 situated at Rakhial, Ahmedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 27-12-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely.—

- (1) 1. Shri Prabodhchandra Panachand Shah, 2. Shri Kamleshkumar Panachand Shah, 3. Shri Kiritkumar Panachand Shah, 4. Chri Janakkumar Prabhodchandra Shah, 5. Smt. Shantaben Panachand Shah, Partners of M/s. Panama Textile Mills,

Factory address :—Nagarvel Hanuman, Opp. Jalaran Estate, Rakhial, Ahmedabad-23.

Office address :—183, New Cloth Market, Ahmedabad-2.
(2) M/s. Aspiaf Textile Mills, 5, Panchayat Bhavan, Bhadra, Ahmedabad, (Transferee)
(4) Gujarat State Financial Corporation.

(person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All those pieces or parcels of free-hold land or ground situated lying and being at Rakhial bearing Sub-Plot No. 5 & 6 of Survey No. 380/1 of Mouje Rakhial of City, Taluka in the Registration District and Sub-District of Ahmedabad and Final Plot No. 93 of Town Planning Scheme No. 10, admeasuring 1803 and 1850 sq. yards or thereabout respectively and undivided 326.2/3 sq.yards of land of road together with the buildings constructed thereon and also buildings constructed on Sub-Plot No. 4 of Survey No. 380/1 of Mouje Rakhial and Final Plot Plot No. 93 of Town Planning Scheme No. 10, and boiler, Chimney, boarings together with electric fittings thereto and bounded as under :—

	Sub-Plot No. 5	Sub-Plot No. 6
East :—	Plot No. 4	Plot No. 4
West :—	Plot No. 6	T.P.S. Road
North :—	20 ft. road.	20 ft. road
South :—	Final Plot No. 92	Final Plot No. 92

J. KATHURIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Date : 17-6-74

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 1st June 1974

Ref. No. Acq.23-I-170/16-1/7475.—Whereas, I, J. Kathuria, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of Survey No. 244, situated at Near Power House, Dhoraji

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhoraji Dist. Rajkot on 31-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Patel Vira Karamshi, Khalawad Plot, Dhoraji, Distt. Rajkot.
(Transferor)

2. Shri Mohanlal Gokaldas Patel, Partner of M/s. Patidar Oil Cake Industries, Bhakumbhaji para, Dhoraji, Distt. Rajkot.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 11616 Sq. Yards bearing part of Survey No. 244, situated Near Power House, Dhoraji, Distt. Rajkot and bounded as under :—

East : Part of Survey No. 244,
West : Govt. waste land.
South : Agricultural land of Jiva Devshi
North : Plot of Jambai Ladha.

J. KATHURIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 1-6-1974.

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I.
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 1st June 1974

Ref. No. Acq. 23-I-87/16-6/73-74.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot Nos. 11 and 12 of Survey No 189 situated at Near Rajmoti Industries, Bhavnagar Road, Rajkot. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 28-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

1. (1) Shri Kurti Kheraj Morzaria, 8, Millpara, Rajkot and (2) Shri Dilipkumar Hansrajbhai Morzaria, Durlab Mansion, Karan Singhji Road, Rajkot, —partners of M/s. Morzaria Bros., Rajkot.
(Transferor)

2. Tinmco (P) Ltd., Near Rajmoti Industries, Bhavnagar Road, Rajkot.
(Managing Director: Shri Anilkumar Narharidas Patel. Director: Shri Krishnakant Chunilal Patel.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property bearing Survey No. 189 and Plot Nos. 11 and 12, admeasuring 2197 Sq. Yards (alongwith construction) situated Near Rajmoti Industries, Bhavnagar Road, Rajkot and bounded as under:—

East: Land of Survey No. 189
West: 40 ft. wide road.
North: 40 ft. wide road.
South: 40 ft wide road.

J. KATHURIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 1-6-1974.

Seal :

FORM ITNS

2. Shri N. Venkatasubramanian, S/o late Sri Narayana Iyer, No. 3, Prithvi Avenue, Madras-18.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-2,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 30th May 1974

Ref. No. F. 860/73-74.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

140 situated at Kalashetra Colony, Thiruvanmiyur Panchayat, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet on 6-12-1973 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely,—

1. Dr. N. Sivakamu, "Upasika" Cottage, Theosophical Society, Adyar, Madras-20.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 8.65 grounds (with building) bearing Door No. 140, Kalashetra Colony and S. No. 158/10 in Thiruvanmiyur Panchayat, Madras.

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6.

Date : 30-5-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri C. S. Sivanandan, No. 14, Srinagar Colony, Saidapet, Madras-15.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
MADRAS-6**

Mudras, the 30th May 1974

Ref. No. 863/73-74.—Whereas, I. A. Raghavendra Rao being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14 situated at Srinagar Colony, Saidapet Madras-15 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Saidapet on 13-12-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Mr. Mumtaz Ahmed, S/o G. R. Ahmed, No. 11/1, Prakasa Mudali Street, T Nagar, Madras-17.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the esaid property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3.85 grounds (with building) in Door No. 14, Srinagar Colony, Saidapet, Madras-15.

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2, Madras-6.

Date : 30-5-1974.

Seal :

FORM ITNS—

- (2) 1. Atmakuri Latchiah
 2. Atmakuri Janardan Rao
 3. Atmakuri Krishnamurthy
 4. Atmakuri Chandrasekhara Rao
 5. Atmakuri Brahmananda Rao
 6. Devata Rajarao,
 7. Devata Naga Prasad
 8. Rayapudi Ramasaiyah
 9. Rayapudi Venkatasubramanyam Gupta
 10. Kanda Bhikshalakshmi
 11. Gunda Lakshminathan
 R/o Grain market Road, Khammam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : House No. 4-8-80/C Khammam Knyaka Parameswari Dal Flour Rice and Groundnut Oil Mill, Zahirpura Khammam. (Area 5173.90 Sq. Meters.)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Sri Bhonagiri Suryaprakasa Rao, S/o Narayana, Illendu Taluk, Khammam Dist.
 (Transferor)

Date : 13-6-1974
 Seal :

S. BALASUBRAMANIAM,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range,
 Hyderabad

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 6th June 1974

Ref. No. RAC. No. 16/74-75.—Whereas, I, S. BALA-SUBRAMANIAM, S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 9/289 B-1 and B-2 situated at Chalamiah Street, Cuddapha, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cuddapha on 20-12-73,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. B. Venkat Narsiah,
2. Narsaiyah, S/o Pitchiah.
3. P. Venkata Subbiah.
4. Jayamma, W/o Y. Rajareddy.
5. Y. Rajasekkaredy,
6. Jinka Chandrayudu,
7. J. Lakshmi Narayan S/o Pulliah,
Door No. 9/289-B-1 and B-2 Pottipati Chalamiah Street, Cuddapha.

(Transferor)

- (2) 1. Sri P. Krishnamurthy, S/o P. Venkatappa.
2. A. Venk. Tulassamma, W/o Ven Narsu.
3. A. Lalitamma, W/o A. Thimn.
4. A. Rukminamma, W/o A. Ranganathan.
5. P. Adi Laxmamma, W/o P. Rammpa,
All R/o Cuddapha, No. 9/289/B-1, Pottipati Chalamiah Street, Cuddapha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Srinivasa Picture Palace, Door No. 9/289/B-1 and B-2 Potti Chalamiah Street, Cuddapha, A.P.

S. BALASUBRAMANIAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Date : 13-6-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Tota Ram, S/o Shri Lal Ram, R/o 16/1870,
Gali No. 46/47, Nai Wala, Karol Bagh, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD
FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 25th June 1974

Ref. No. IAC/Acq.II/1472/74-75.—Whereas I, D. B. Lal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. XVI/2108, situated at Nai Wala, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 27-12-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me..

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harcharan Singh, s/o Shri Basant Singh, R/o 9A/26, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 16/2108, built on plot of leasehold land measuring 233 sq. yds situated on Desh Bandhu Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi.

D. B. LAL

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 25th June, 1974.

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

STENOGRAPHERS' GRADE I LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1975

New Delhi, the 7th September, 1974

No. F.13/10/73-EI(B).—A limited departmental competitive examination for inclusion in the Select List for the Grade I of the Central Secretariat Stenographers' Service will be held by the Union Public Service Commission commencing on 11th March, 1975 at BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, MADRAS, NAGPUR and Selected Indian Missions abroad in accordance with the Rules published by the Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India, dated 7th September, 1974.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure II, para 9).

2. The approximate number of persons to be selected for inclusion in the Select List for the Grade I of the C.S.S.S. on the result of this examination will be 20.

The above number is liable to alteration.

Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed forms of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Re. 1.00, which should be remitted by Money Order to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. The name of the candidate with his address and the name of the examination should be written in block capitals on the Money Order Coupon. Postal Orders or cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. This amount of Re. 1.00 will in no case be refunded.

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE STENOGRAPHERS' GRADE I LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1975. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE STENOGRAPHERS' GRADE I LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1975 WILL NOT BE ENTERTAINED.

4. The completed application forms must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 4th November, 1974 (18th November, 1974 in the case of candidates residing abroad and in the Andaman and Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 4th November, 1974), accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

5. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form the fee prescribed in Annexure I in the manner indicated therein.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 2 OF ANNEXURE I.

6. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

M. S. PRUTHI, Dy. Secy.
Union Public Service Commission

ANNEXURE I

1. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28.00 (Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) by means of CROSSED Indian Postal Orders.

The Commission will not accept payment made otherwise except in the case of candidates residing abroad at the time of submitting their applications, who may deposit the amount of prescribed fee in the Indian Missions concerned.

2. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka (formerly known as Ceylon) and has migrated to India on or after 1st November, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

3. A refund of Rs. 15.00 (Rs. 4.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

ANNEXURE II

Instructions to Candidates

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application Form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission in the manner indicated in para 3 of the Notice. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH I OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

A candidate who wishes to take the examination at an Indian Mission abroad must state in the order of his choice, two other Indian Missions (in countries other than the country in which he may be stationed) as alternative centres. He may, at the discretion of the Commission, be required to appear at any one of the three Missions indicated by him.

2. (i) The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

NOTE.—Candidates should clearly specify in column 6 of the Application Form the name of the Language in which they wish to answer question papers in (i) Procedure and Practice in Government of Indian Secretariat and Attached Offices, (ii) General Knowledge of the Constitution of India and Machinery of Government, practice and procedure in Parliament and (iii) General Knowledge vide paragraph 3 of Appendix to the Rules of the Examination. The option once exercised shall be treated as final, and no request for alteration in the said column shall be entertained. If no entry is made in the said column, it will be assumed that the papers will be answered in English.

(ii) The completed application form and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep, from a date prior to 4th November 1974.

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Office concerned, who will complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Commission.

3. A candidate must send the following documents with his applications :—

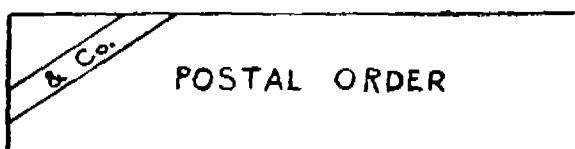
- (i) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee (See Annexure 1).
- (ii) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (iii) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (iv) Attested/certified copy of certificate in support of claim for fee remission, where applicable (See para 5 below).

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR SHORT-HAND TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINAL OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF JUNE, 1975. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES, IN ORIGINAL, AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) and (ii) are given below and of those in items (iii) and (iv) are given in paras 4 and 5 :—

(i) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed as shown below :



and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi, General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

NOTE.—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications may deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 28.00, Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be, in that country who should be asked to credit the amount of the account head "051. Public Service Commission Examination fees". The candidates should forward the receipt from that office with the application.

(ii) *Two copies of Photograph.*—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with the copies of photograph without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate, in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; and if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri*/Shrimati/Kumari _____ son*/daughter of _____ of Village*/town _____ in District*/Division _____ of the State*/Union Territory of _____ belongs to the _____ Caste*/Tribe which is recognised as a Scheduled Caste*/Scheduled Tribe under Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956 read with the Bombay Reorganisation Act, 1960 and the Punjab Reorganisation Act, 1966*.

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes, Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

2. Shri*/Shrimati/Kumari _____ and*/or his*/her family ordinarily reside(s) in village*/town _____ of District*/Division _____ of the State*/Union Territory of _____

Signature.....
**Designation.....
(with seal of office)

Place State*/Union Territory

Date

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/

City Magistrate/Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioners.

- (i) Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate.
- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/ Development Officer Lakshadweep.

5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan seeking remission of the fee under paragraph 2 of the Annexure I should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakarnya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal /Director (Rehabilitation), in Calcutta.

He should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka (formerly known as Ceylon) seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka (formerly known as Ceylon) to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

He should also produce an attested Certified copy of a certificate from District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or a copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963. He should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

6. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

7. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

8. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of application for the examination he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

9. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

10. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.

11. *Communications Regarding Applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011, AND SHOULD INvariably CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

12. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 11 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CAN NOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ADVT NO. 36

APPLICATIONS ARE INVITED FOR THE FOLLOWING POSTS

- * Qualifications relaxable at Commission's discretion.
- * Higher initial pay may be given according to qualifications.
- * Age on 1st January 1974 (age concessions for displaced persons, SC, ST & Govt servants unless stated otherwise).
- * For details and application forms, write—Secretary, UPSC New Delhi-110011 with unstampd, self-addressed envelope (23 x 10 cm) giving name of post, item & Advt No.
- * Nature of posts—Permanent : S. Nos. 8; 1, 20, 22 & 25 but appt on temp basis. Temporary : S. Nos. 2 to 7, 9 to 19, 21, 23 & 24 but likely to continue indefinitely.
- * Application Fee in Indian Postal Order for Rs. 8 (Rs. 2 for SC & ST); candidates abroad pay fee to Indian Embassy.
- * Closing date for receipt of applications in Commission's Office : 7th Oct 74 (21st Oct for candidates abroad, Andaman Nicobar & Lakshadweep).

ABBREVIATIONS

SC—Scheduled Castes; ST—Scheduled Tribes; EQ—Essential Qualifications.

1. ONE PROJECT OFFCR (PETRO-CHEM), PETRO & CHEM MIN.—PAY : Rs. 1300—60—1600 (Unrevised).

AGE : 45 yrs. EQ : M.Sc. deg in Chem or deg in Chem Engg/ Tech. 10 yrs pract exp (incl 2 yrs in Petro-Chems) connected with project plng, process eval & dev in Chem industry or eqv exp in Govt Depts dealing with plng/dev/prob problems of chem industries & exp in eval of indstrl project reports.

2. ONE RES OFF CR, NAO, CAL, Sc & TECH DEPTT.—PAY : Rs. 700—40—900—LB—40—1100—50—1300 (Revised). AGE : 40 yrs. EQ : Master's deg in Geog or allied subject. Adequate exp of res involving collection of date & preparation of maps of varied types of which evidence to be furnished.

3. ONE ASST DIR (CHEM), NTHI, CAL/BOM, SUPPLY & RHAB MIN.—PAY : Rs. 400—40—800—50—950 (Unrevised). AGE : 40 yrs. EQ : Master's or eqv Hon deg in Pure or Applied Chem. OR Deg or eqv dip in Chem Engg & 5 yrs exp in analysis of organic & inorganic materials.

4. SEVEN JR HYDROLOGISTS, CGWB, FARIDABAD (HARYANA)—(3 posts reserved for SC). PAY : Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. AGE : 35 yrs. EQ : Master's deg in Geol or Hydrology or Deg in Civ Engg.

5. TWO DY DIRS (FOOD INDUSTRY), INDUS DEV MIN.—(1 post reserved for ST). PAY : Rs. 700—40—1100—50—1250 Revised to Rs. 1100—50—1600. AGE : 40 yrs. I.Q : Deg in Food Tech/Chem Engg or Deg in Sc with Post-Grad Dip in Food/Fruit Tech. 7 yrs exp in respon position in tech orgn or industrl concern of repute dealing with food & allied industry.

6. ONE SSO-I, INSTT OF ARMAMENT TECH, POONA, DEF MIN.—PAY : Rs. 700—50—1250—(Likely to be revised). AGE : Pref below 40 yrs. EQ : II Cl deg in Elecon/Communication Engg. OR II Cl Master's deg in Phy with Elecon as a subject & 5 yrs exp in teaching, res/design & dev in the field of specialisation.

7. ONE SSO-I, DEV TEAM, JABALPUR, DEF MIN.—PAY : 700—50—1250 (Likely to be revised). AGE : Pref below 40 yrs. EQ : II Cl Dev in Mech Engg. 4 yrs exp in design & dev of Armaments with special bias in Guns.

8. ONE CHIEF DFTSMAN, PING & DEV UNIT, DG, AIR.—PAY : Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (Revised). AGE : 35 yrs. EQ : Deg in Engg pref with exp in a Drawing Office dealing in Elect, Mech & Civ Engg designs. OR Dip in Engg & A yrs exp in a respon capacity in Drawing Office dealing in Elect, Mech & Civ Engg Designs.

9. FOUR J.S.O.s, ADE, BLORE, DEF MIN.—PAY : Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—FB—40—1200 (Revised). AGE : Pref below 30 yrs. EQ : For Cat I & II (2 posts) : II Cl deg in Elecon Engg or in Elect Engg with specialisation in Elecon. For Cat III (1 post) : II Cl deg in Tele-com/Elecon Engg. For Cat IV (1 post) : II Cl Master's deg in Phy with Solidstate Phy or Elecon as a special subject or II Cl Deg in Elecon Engg.

10. TWO J. S. O., D'TE OF TECH DEV & PROD (AIR), DEF MIN.—PAY : Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—880—FB—40—1000—EB—40—1200 (Revised). AGE : Pref below 30 yrs. I.Q : II Cl dev in Flect Engg.

11. ONE ASSTT LECTURER IN ENGG & SURVEYING, FOREST RES INSTT & COLLEGES, DEHRA DUN.—PAY : Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. AGE : 30 yrs. EQ : Def in Civ Engg or A.M.I.C.E. or eqv.

12. NINETEEN J.S.Os, D'TE OF TECH DEV & PROD (AIR), DEF MIN.—PAY : Rs. 350—25—500—30—590—FB—30—800—FB—30—830—35—900 to be revised to Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—880—40—1000—EB—40—1200. AGE : Pref below 30 yrs. EQ : II Cl deg in Aero/Mech Engg.

13. ONE J.S.O., D'TE OF TECH DEV & PROD (AIR), DEF MIN.—PAY : Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900. Revised to Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. AGE : Pref below 30 yrs. EQ : II Cl deg in Chem Engg.

14. FOUR J.S.Os, D'TE OF TECH DEV & PROD (AIR), DEF MIN.—PAY : Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—LB—30—830—35—900 likely to be revised to Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—LB—40—1200. AGE : Pref below 30 yrs. EQ : II Cl Deg in Metallurgical Engg.

15. ONE J.S.O. D'TE OF TECH DEV & PROD (AIR), DEF MIN.—PAY : Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—LB—40—1200 (Revised). AGE : Pref below 30 yrs. EQ : II Cl Dev in Instrument Tech.

16. FIVE J.S.Os, D'TE OF TECH DEV & PROD (AIR), DEF MIN.—PAY : Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—LB—40—1200 (Revised). AGE : Pref below 30 yrs. EQ : II Cl Deg in Elecon/Tele-com/Elect Engg with specialisation in Elecon. OR II Cl Master's Deg in Phy wth specialisation in Radio/Tele-com.

17. ONE SSO-JI, INSTT OF ARMAMENT, POONA, DEF MIN.—PAY : Rs. 400—40—800—50—950 (Likely to be revised). AGE : Pref below 30 yrs. EQ : II Cl Dev in Elect Engg. 2 yrs exp in teaching, res/design & dev in the field of specialisation.

18. ONE SSO-II, ARMAMENT RES & DEV ESTT, PASIAN, PUNJ, DEF MIN.—PAY : Rs. 400—40—800—50—950 (Likely to be revised). AGE : Pref below 30 yrs. EQ : II Cl Deg in Mech Engg. 2 yrs in prod of genl engg components & their inspection.

19. TWO RES OF J-CRS (HNGG CIVIL), CENTRAL WATR & POWR RES STATION, POONA, IRRIGATION & POWER MIN.—(One post each reserved for SC & ST failing which reserved for ST & SC; failing both unrevised). PAY : Rs. 400—40—800—50—950. AGE : 35 yrs. EQ : Deg in Civ Engg.

20. ONE ASSIT DIR GR I (COSTING), COM MIN.—(Reserved for SC failing which for ST & failing both unrevised). PAY : Rs. 400—400—450—30—600—35—670—FB—35—950. Revised to Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1200. AGE : 35 yrs. EQ : Associate of Instt of Chartered Accountants of India or Instt of Cost & Works Accountants of India or eqv. Some exp of dealing with costing & financial problems.

21. ONE SUPDT, VOCATIONAL REHAB CENTRE FOR PHYSICALLY HANDICAPPED, LABOUR MIN.—PAY : Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950 likely to be revised to Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300. AGE : 40 yrs. EQ : Deg of recog Univ. 5 yrs exp in work relating to rehab or placement of eval or trg of physically handicapped persons.

22. ONE TECH OFFCR (EXHI), HEALTH & F. P. MIN.—PAY : Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—100—LB—40—1200 (Revised). AGE : 35 yrs. EQ : Deg of recog Univ. 3 yrs exp in organising exhibitions.

23. ONE STORES OFFCR, ZOOLOGICAL SUR OF INDIA, Sc & TECH DEPTT.—PAY : Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950 (Unrevised). AGE : 30 yrs. EQ : Deg of recog Univ. 3 yrs exp in purchase, maintenance & upkeep of stores & maintenance of stores account.

24. THREE ASSTT ENGRS, HEALTH, ELECT & WORKS DEPTT, U.T. PONDICHERRY.—(Reserved for SC if available, otherwise for ST). PAY : Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900. AGE : 35 yrs. EQ : Deg in Civ Engg or Dip in Civ Engg with 3 yrs professional exp.

25. ONE HEALTH EDU TECHNICIAN GR I (EDITORIAL HINDI), DGHS, HEALTH & F. P. MIN.—(Reserved for SC, will be treated unrevised, if no SC LIST available). PAY : Rs. 550—25—750—EB—30—900 (Revised). AGE : 35 yrs. EQ : Master's deg in Hindi. OR Oriental qualis in Hindi such as Sahitya Ratna with deg & 3 yrs journalistic exp in Hindi in a periodical journal, daily Newspaper or news agency or under Government.

CORRIGENDA

1. ONE SSO-I, TEXTILES & STORES RES & DEV ESTT, KANPUR, DEF MIN.—(UPSC Advt No. 27 item 12 published on 6-7-74). EQ : (i) amended as "II Cl Deg in Textile Chem." Closing date extended to 7-10-74 (21-10-74 for candidates abroad).

II. TWO ASSTT DIRS OF MUSIC, FILMS DIV, I & B
MIN.—(UPSC Advt 15 item 12 published on 8-4-74). Recit
to these posts is hereby cancelled. Fee paid by the candidates
will be refunded in due course.

**STENOGRAPHERS' GRADE I LIMITED DEPART
MENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1975**

TO BE HELD ON 11TH MARCH, 1975

Certain categories of departmental candidates only who are
employed in Grade II of the Central Secretariat Stenographers'

Service are eligible to apply for the examination which is being
held for inclusion of persons in the Select List for Grade I of
the CSSS. Details and forms obtainable from Secretary on
payment of Re. 1/- by MO or Cash at UPSC counter.

Closing date : 4th Nov. 1974 (18th Nov. 1974 for candi-
dates abroad).

A. C. BANDYOPADHYAY

Secretary,

Union Public Service Commission